नई सोच एक्सप्रेस

हर खबर पर पैनी नजर

(बिहार और झारखंड से प्रकाशित हिन्दी दैनिक)

पेज : 08

भुल भुलैया 3 की एक्ट्रेस का दर्दः सीरीयल से निकाल दिया गया था रोज सरदाना बोलीं - तंग आकर टीवी ...

www.naisochlive.com | पटना, मंगलवार, 05 नवंबर 2024, वर्ष- 07, अंक- 253, पृष्ठ-8, मूल्य - 3:00 | naisochexpreess@gmail.com

कमला हैरिस और डोनाल्ड ट्रंप ने प्रचार में झोंकी ताकत

एजेंसी, वाशिंगटन। संयुक्त राज्य अमेरिका में राष्ट्रपति चुनाव प्रचार के अंतिम चरण में उपराष्ट्रपति कमला हैरिस और पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने पूरी ताकत झोंक दी। दोनों ने मतदाताओं को अपने-अपने तरीके से अपने पाले में खींचने की कोशिश की। अमेरिकी लोकतंत्र के इस महापर्व पर द न्यूयॉर्क टाइम्स की खबर के अनुसार हैरिस ने रविवार को मिशिगन स्टेट यूनिवर्सिटी में रैली को संबोधित किया। उन्होंने मतदाताओं से एकता बनाए रखने की अपील की। दिलचस्प यह रहा कि उन्होंने यहां अपने प्रतिद्वंद्वी ट्रंप का एक बार भी नाम नहीं लिया। उन्होंने गाजा में युद्ध को समाप्त करने का वादा किया। द न्यूयॉर्क टाइम्स के अनुसार ट्रंप ने पेंसिल्वेनिया की तुलना में मैकॉन की रैली में सर्वेक्षणों पर निराशा व्यक्त की। उन्होंने जॉर्जिया की रैली में उत्तरी कैरोलिना में आए तूफान हेलेन के लिए संघीय सरकार की आलोचना की। बाइडेन प्रशासन को प्रवासियों पर आपदा निधि खर्च करने पर घेरा। इस चुनाव में न्यूयॉर्क का 42 ब्रॉड-वे चर्चा के केंद्र में है। यहां निर्वाचन बोर्ड का दफ्तर है। पहले दिन करीब एक लाख 40 हजार लोगों ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया।

चीन ने नेपाल के सीमावर्ती नागरिकों के लिए टाइम कार्ड किया अनिवार्य

एजेंसी, काठमांडू । चीन ने नेपाल की उत्तरी सीमा पर रह रहे कोरला नाका के स्थानीय नागरिकों के लिए सीमावर्ती शहर में जाने के लिए टाइम कार्ड की व्यवस्था लागू की है। इससे पहले नेपाली नागरिकों को तीन दिन से एक हफ्ते तक चीन की सीमा के पास के इलाकों में रहने की छूट दी जाती थी लेकिन अब सिर्फ 6 घंटे रहने की अनुमति दी गई है। करीब एक वर्ष पहले तामझाम के साथ नेपाल के मुस्तांग जिले में कोरला नाका का उद्घाटन किया गया था। उस समय चीनी पक्ष ने सिन्धुपलचोक जिला के तातापानी नाका के बाद चीन से व्यापार करने के लिए कोरला नाका को खोले जाने की घोषणा की थी। इस घोषणा के बाद यहां से कभी व्यापारिक कार्य नहीं हो पाया, बल्कि चीन ने स्थानीय लोगों के सीमा पार करने को लेकर पाबंदी को और कड़ा कर दिया है। चीनी पक्ष की ओर से टाइम कार्ड लागू किए जाने से स्थानीय लोगों को काफी दिक्कत का सामना करना पड़ रहा है। सशस्त्र प्रहरी सीमा सुरक्षा बल के एसपी मणिकर्ण राई ने कहा कि 1 नवंबर से चीनी प्रशासन ने टाइम कार्ड को अनिवार्य कर दिया है।

प्रधानमंत्री 13 को दरभंगा में एम्स का करेंगे शिलान्यास

एजेंसी, पटना। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 13 नवंबर को बिहार दौरे पर आएंगे। इस दौरान वे दरभंगा में एम्स का शिलान्यास करेंगे। इस कार्यक्रम में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के साथ गठबंधन के शीर्ष नेता भी शामिल होंगे। दरभंगा शहर के भाजपा विधायक संजय सरावगी ने कहा कि 13 नवम्बर को पीएम मोदी दरभंगा आएंगे और एम्स का शिलान्यास करेंगे। केंद्र सरकार ने इस अहम परियोजना के लिए फिलहाल 1,261 करोड़ रुपये का बजट उपलब्ध कराया है। दरभंगा एम्स को अत्याधुनिक स्वास्थ्य देखभाल संस्थान के रूप में विकसित करने का लक्ष्य है। बिहार सरकार ने एम्स के लिए 188 एकड़ जमीन उपलब्ध कराई है। इस परियोजना को पूरा करने के लिए तीन वर्ष का समय निर्धारित किया गया है। उल्लेखनीय है कि दरभंगा एम्स के निर्णाण को लेकर बिहार में खूब राजनीति हुई। बिहार में महागठबंधन की सरकार बनने के बाद इसके निर्माण पर ग्रहण लग गया था। राज्य सरकार ने केंद्र सरकार को जो जमीन उपलब्ध कराई थी, उसमें एम्स निर्माण से केंद्र ने हाथ खड़े कर दिए थे। बिहार में फिर से राजग की सरकार बनी तो केंद्र सरकार ने उसी जमीन में एम्स के निर्माण में अपनी सहमति दे दी थी।

जनता अपनी जिम्मेदारी निभाते हुए विपक्ष को सबक सिखाए : प्रधानमंत्री

पीएम मोदी झारखंड में चुनावी रैली में महागठबंधन पर साधा निशाना

एजेंसी, गढ़वा

पीएम नरेंद्र मोदी ने झारखंड विधानसभा चुनाव 2024 के मद्देनजर गढ़वा में चुनावी रैली को संबोधित किया। चुनावी मंच से पीएम मोदी ने महागठबंधन पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि बीजेपी ने झारखंड के निर्माण में अहम भूमिका निभाई थी और अब जनता को अपनी जिम्मेदारी निभाते हुए विपक्ष को सबक सिखाना होगा। रैली में पीएम मोदी ने महागठबंधन को लेकर कहा कि कुछ लोग कहते थे कि झारखंड हमारी छाती पर बनेगा लेकिन यह सच है कि बीजेपी ने झारखंड के लोगों की आकांक्षाओं का सम्मान किया और एक अलग राज्य का निर्माण किया। उन्होंने कहा कि इस विधानसभा चुनाव में विपक्ष की होना विदाई तय है और जनता को यह सोचकर वोट देना चाहिए कि झामुमो-कांग्रेस सरकार ने जनता के साथ धोखा किया है। पीएम मोदी ने झारखंड बीजेपी के हाल ही में जारी संकल्प पत्र की तारीफ की, जिसे उन्होंने

रोटी-बेटी-माटी के सम्मान के लिए समर्पित बताया। उन्होंने कहा कि बीजेपी झारखंड की सुविधा, सुरक्षा, स्थिरता और समृद्धि की गारंटी के साथ चुनावी मैदान में उतरी है। उन्होंने यह भी बताया कि बीजेपी ने लोकसभा चुनाव में तीन करोड़ नए घर बनाने की गारंटी दी थी और अब झारखंड में 21 लाख नए घरों के निर्माण का संकल्प लिया है। पीएम मोदी ने झारखंड के युवाओं को लेकर कहा कि झारखंड के नौजवानों में टैलेंट की कमी नहीं है। ये हमारे झारखंड के बेटे और बेटियां खेल मैदान में झारखंड का जज्बा दिखाते हैं, लेकिन उन्होंने यह भी कहा कि जेएमएम-कांग्रेस सरकार ने युवाओं के साथ धोखा किया है। इन लोगों ने बेरोजगारी भत्ता देने का वादा किया था, लेकिन पूरा नहीं किया। भर्तियों में धांधली और पेपर लीक का उद्योग बन गया है। उन्होंने यह भी कहा कि बीजेपी सरकार बनने पर करीब तीन लाख सरकारी पदों को पारदर्शी तरीके से भरा जाएगा, जिससे युवाओं को नए अवसर मिल सकें। रैली में पीएम मोदी ने झारखंड की जनता को छठ महापर्व की शुभकामनाएं दीं और कहा कि इस समय छठ का उत्साह हर तरफ है। मैं छठी मैया की उपासना करने वालों को शुभकामनाएं देता हूं। पीएम मोदी ने जोर दिया कि आने वाले 25 साल देश और झारखंड के लिए बहुत अहम हैं। उन्होंने कहा कि आज झारखंड में हर तरफ एक ही गूंज है, रोटी-बेटी-माटी की पुकार, झारखंड में बीजेपी-एनडीए की सरकार।

कनाडा में हिन्दू मंदिर पर खालिस्तान समर्थकों का हमला, श्रद्धालुओं के साथ मारपीट

एजेंसी, ब्रैम्पटन

समूची दुनिया में 'मिनी पंजाब' के नाम से मशहूर कनाडा में फिर हिन्दुओं की आस्था पर चोट की गई है। खालिस्तान समर्थकों ने इस बार ब्रैम्पटन में हिन्दू सभा मंदिर को निशाना बनाया है। इन लोगों ने हिन्दू श्रद्धालुओं के साथ जमकर मारपीट की। कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो ने हमले की कड़ी निंदा की है। हिन्दू कैनेडियन फाउंडेशन के आधिकारिक एक्स हैंडल पर जारी वीडियो में साफ नजर आ रहा है कि खालिस्तान समर्थक ब्रैम्पटन के हिन्दू सभा मंदिर में श्रद्धालुओं के साथ मारपीट कर रहे हैं। हिन्दू कैनेडियन फाउंडेशन गैर लाभकारी संगठन है। यह कनाडा में हिन्दू समुदाय के लिए काम करता है। संगठन ने एक्स पर कहा कि खालिस्तानी आतंकवादियों ने बच्चों और महिलाओं पर हमला किया। ओटावा में भारतीय उच्चायोग का इस घटना पर बयान आया है। उच्चायोग ने कहा कि ब्रैम्पटन में हिंदू सभा मंदिर और काउंसुलर कैंप के बाहर भारतविरोधी तत्वों का हिंसक व्यवधान बेहद निराशाजनक है। हम भारतीय नागरिकों सहित आवेदकों की सुरक्षा के लिए भी बहुत चिंतित हैं। कनाडा के प्रमुख विपक्षी नेता पियरे पोलीवरे ने हिन्दू सभा मंदिर पर हमले की निंदा की। उन्होंने कहा कि कनाडा हिंदुओं की रक्षा नहीं कर पा रहा। टोरंटो के सांसद केविन वुओंग ने भी हमले की निंदा की है। उन्होंने कहा कि कनाडा आज कट्टरपंथियों के लिए सुरक्षित जगह बन गया है। कनाडा के नेता हिन्दुओं की रक्षा करने में विफल रहे हैं, ठीक उसी तरह जैसे वे ईसाई और यहूदी कनाडाई लोगों की रक्षा करने में विफल रहे।

अल्मोड़ाः खाई में गिरी यात्रियों से खचाखच भरी बस, 20 की मौत?

एजेंसी, अल्मोड़ा

उत्तराखंड में सोमवार सुबह बड़ा बस हादसा हुआ। अल्मोड़ा जिले में सल्ट तहसील के मारचूला स्थित कूपी गांव के पास रानीखेत जा रही बस दुर्घटनाग्रस्त हो गई। जिस खाई बस गिरी है, लगभग उसकी गहराई 100 मीटर से अधिक है। घटना में करीब 20 से अधिक लोगों के मौत की सूचना मिल रही है। बस में कुल 40 यात्री सवार थे। पुलिस, प्रशासन ने रेस्क्यू का काम तेज कर दिया है। रामनगर और अल्मोड़ा से एंबुलेंस मौके पर रवाना हो गई है। रामनगर और सुशीला तिवारी अस्पताल में घायलों के उपचार के लिए तैयारी की जा रही है। सोमवार की सुबह रामनगर से एक बस रानीखेत की ओर को जा रही थी। मारचुला के पास पहुंचने पर

बस अनियंत्रित होकर गहरी खाई में गिर गई। रेस्क्यू कार्य किया जा रहा है। जिलाधिकारी आलोक कुमार पांडे ने बताया एंबुलेंस भेज दी गयी है। एसडीएम व पुलिस के जवान मौके पर पहुंच गए हैं। राहत बचाव का तेजी से किया जा रहा है। पांच यात्रियों के मौत की सूचना आ रही है। रेस्क्यू के बाद ही सही आंकड़े आएंगे।

बुजुर्ग ने 'सीएम' योगी से लगाई गुहार तो संडे को बैंक खोलकर मिली 'मदद'

एजेंसी, लखनऊ

योगी सरकार की सीएम हेल्पलाइन (1076) प्रदेशवासियों की समस्याओं के निस्तारण में अहम भूमिका निभा रही है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की सतत मॉनीटरिंग का नतीजा है कि कई मामलों में सीएम हेल्पलाइन के जरिये प्रदेशवासियों की समस्याओं का निस्तारण कुछ ही घंटों में किया जा रहा है। इसका ताजा उदाहरण राजधानी के इंदिरानगर के एक बुजुर्ग की समस्या का निस्तारण में देखा भी गया, जिनकी समस्या का निस्तारण कुछ ही घंटों में कर दिया गया। इतना ही नहीं बुजुर्ग की समस्या के निस्तारण के लिए मुख्य सचिव ने संज्ञान लिया तो संडे को बैंक खोलकर बैंक अधिकारियों ने मामले का निपटारा किया और खाते से पैसे निकालकर दिये जबकि इसके

लिए बुजुर्ग काफी दिनों से बैंक के चक्कर लगा रहे थे। राजधानी के इंदिरानगर स्थित कैलाशपुरी निवासी मुकेश कुमार ने बताया कि उनके पिता सोहनलाल और माता राजेश्वरी का एक बैंक में ज्वाइंट अकाउंट था। उन्होंने बताया कि कुछ दिन पहले इलाज के दौरान उनकी माता का देहांत हो गया। मुकेश ने बताया कि पिता सोहनलाल को पैसे की जरूरत थी। इस पर वह बैंक गये और पत्नी के देहांत की सूचना के साथ पैसे निकालने के लिए चेक दिए। वहीं बैंक अधिकारियों ने ज्वाइंट अकाउंट से पैसे न निकलने की बात कही। उन्होंने कहा कि उनकी पत्नी का देहांत हो गया है, ऐसे में उन्हे कुछ कागजी कार्रवाई करनी होगी। इसके बाद ही ज्वाइंट अकाउंट से पैसे निकल पाएंगे। बुजुर्ग सोहनलाल ने बताया कि बैंक अधिकारियों द्वारा जो भी कागजी कार्रवाई बतायी गयी, उसे पूरा किया गया। इसके बाद भी पैसे नहीं निकल सके। उन्होंने वजह पूछी तो अधिकारियों ने बताया कि प्रोसेस में समय लग रहा है। इसके बाद सोहनलाल लगातार कई दिनों तक बैंक के चक्कर लगाते रहे लेकिन पैसे नहीं मिले। इससे परेशान होकर बुजुर्ग ने 26 अक्टूबर शाम को सीएम हेल्पलाइन (1076) पर अपनी समस्या बतायी।

नीट परीक्षा में जीव विज्ञान के दो सवालों को लेकर दायर याचिका पर सुनवाई से इनकार

एजेंसी, नई दिल्ली : सुप्रीम कोर्ट ने नीट परीक्षा के जीव विज्ञान के प्रश्नपत्र में दो प्रश्न गलत होने का आरोप लगाते हुए दायर याचिका पर सुनवाई करने से इनकार कर दिया। चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली बेंच ने कहा कि दाखिले की प्रक्रिया पूरी हो गई है, ऐसे में अब कोर्ट कैसे दखल दे सकता है। याचिकाकर्ता लड़की ने नीट परीक्षा में जीव विज्ञान के दो सवालों को लेकर याचिका दायर की थी। याचिका में कहा गया था कि जीव विज्ञान के दोनों प्रश्न गलत थे। याचिकाकर्ता ने कोर्ट में एनसीईआरटी की दो पुस्तकें भी दाखिल की थीं लेकिन कोर्ट ने कहा कि हम इस चरण में कैसे हस्तक्षेप कर सकते हैं। दाखिले हो चुके हैं। हम नवंबर में हैं। अब कुछ नहीं कर सकते हैं।

आगरा के पास वायु सेना का मिग-29 लड़ाकू विमान दुर्घटनाग्रस्त, जांच के आदेश

एजेंसी, नई दिल्ली

उत्तर प्रदेश में आगरा के पास सोमवार को वायु सेना का एक मिग-29 लड़ाकू विमान दुर्घटनाग्रस्त हो गया। विमान ने पंजाब के आदमपुर से उड़ान भरी थी और अभ्यास के लिए आगरा जा रहा था। दुर्घटना से पहले विमान के पायलट सहित दो लोग सुरक्षित कूद गए, जिससे उनकी जान बच गई। दुर्घटना के कारणों का पता लगाने के लिए भारतीय वायु सेना ने जांच के आदेश दे दिए हैं। वायु सेना के मिग-29 लड़ाकू विमान ने आज दोपहर पंजाब के आदमपुर से उड़ान भरी। विमान में पायलट समेत 2 लोग मौजूद थे लेकिन भारतीय वायु सेना के पायलट समेत दोनों लोगों ने

खेत में कूदकर जान बचाई। वायु सेना ने एक बयान में बताया कि मिग-29 विमान के सिस्टम में आज नियमित प्रशिक्षण उड़ान के दौरान आगरा के पास खराबी आ गई। सुरक्षित तरीके से बाहर निकलने से पहले पायलट ने विमान को नियंत्रित किया, ताकि जमीन पर जान-माल को कोई नुकसान न पहुंचे। बयान में बताया गया है कि पायलट सहित दोनों लोगों के सुरक्षित कूदने के बाद लड़ाकू विमान उत्तर प्रदेश के आगरा में कागारौल के सोनिगा गांव के पास दुर्घटनाग्रस्त हो गया। विमान क्रैश होकर खाली खेतों में गिरा, जिसके बाद उसमें आग लग गई।

देश की आर्थिक स्थिति बहुत खराब, पीएम मोदी जनता को बरगला रहे : खड़गे

बीजेपी की जनविरोधी नीतियां अर्थव्यवस्था को पहुंचा रही नुकसान

एजेंसी, नई दिल्ली

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने मोदी सरकार पर हमला बोला उन्होंने कहा कि इस सरकार ने देश की अर्थव्यवस्था को हर स्तर पर गिरा दिया है। खड़गे ने आरोप लगाया कि पीएम मोदी आंकड़ों में फर्जीवाड़ा कर देश की जनता को बरगला रहे हैं, जबकि वास्तविकता में आर्थिक स्थिति बहुत ही खराब है। खड़गे ने आगे कहा कि नरेंद्र मोदी जी, नकली आख्यान वास्तविक कल्याण का विकल्प नहीं हो सकते हैं। आम लोगों का पैसा लूटकर आपने जो आर्थिक उथल-पुथल पैदा की है, उससे त्यौहारी खुशियां भी कम हुई हैं। उच्च मुद्रास्फीति से असमानता बढ़ी है, निवेश में कमी आई है और अर्थव्यवस्था स्थिरता के संकट से जूझ रही है। आपकी सरकार ने गरीबों और मध्यम वर्ग पर महंगाई का बोझ डालकर और बिना सोचे-समझे कराधान के जरिए से उनकी बचत को खत्म कर दिया है। खड़गे ने महंगाई को सबसे बड़ा मुद्दा बताया उन्होंने कहा कि खाद्य मुद्रास्फीति 9.2 फीसदी पर है। सब्जियों की मुद्रास्फीति अगस्त में 10.7 फीसदी से बढ़कर सितंबर में 36 फीसदी पर पहुंच गई। एफएमसीजी सेक्टर की मांग में भारी गिरावट आई, जिसमें बिक्री वृद्धि एक साल में 10.1 फीसदी से

घटकर केवल 2.8 फीसदी रह गई है। उन्होंने घरेलू बचत की स्थिति पर चिंता जताते हुए कहा कि घरेलू बचत 50 साल के निचले स्तर पर है। उच्च खाद्य मुद्रास्फीति के कारण उपभोग में भारी गिरावट आई है। उन्होंने उदाहरण देकर बताया कि एफएंडबी सेक्टर की वृद्धि जो पहले दोहरे अंकों में हुआ करती थी, अब घटकर 1.5-2 फीसदी रह गई है। खड़गे ने पीएम मोदी को चुनौती देते हुए कहा कि यह साफ है कि आप कठिन डेटा पर विश्वास नहीं करते, क्योंकि आपने फर्जीवाड़ा करने की कला में महारत हासिल की है। बीजेपी की जनविरोधी नीतियां भारत की अर्थव्यवस्था को नुकसान पहुंचा रही हैं। हम आपको चुनौती देते हैं कि आप विपक्ष के खिलाफ झूठ बोलने के बजाय अपनी भविष्य की चुनावी रैलियों में आम लोगों के सामने आने वाले वास्तविक मुद्दों के बारे में बात करें। खड़गे के बयान से साफ होता है कि वर्तमान में आर्थिक स्थिति को लेकर राजनीतिक दलों के बीच तिरस्कार और मतभेद गहरे होते जा रहे हैं और आने वाले चुनावों में यह मुद्दा अहम भूमिका निभा सकता है।

छठ : आज चलाई जा रही हैं 185 विशेष ट्रेनें

एजेंसी, नई दिल्ली

छठ के अवसर पर रेल से यात्रा करने वालों की सुविधा के लिए भारतीय रेलवे आज 185 विशेष रेलगाड़ियां चला रही है। यात्रियों की भीड़ के मद्देनजर रेलवे ने महत्वपूर्ण स्टेशनों पर विशेष व्यवस्था की है। भारतीय रेल इस वर्ष लगभग 7,500 विशेष रेलगाड़ियां चला रही है, जबकि पिछले साल 4,500 विशेष गाड़ियां चलाई गई थीं। 3 नवंबर को रेलवे ने 188 से अधिक विशेष गाड़ियां चलाईं। रेल मंत्रालय ने सोमवार को बताया कि 4 नवंबर को चलाई जा रही कुछ महत्वपूर्ण विशेष रेलगाड़ियों में रेलगाड़ी संख्या 04078 आनंद विहार पटना एक्सप्रेस, रेलगाड़ी संख्या 04032 आनंद विहार सहरसा एक्सप्रेस, रेलगाड़ी संख्या 04058 आनंद विहार मुजफ्फरपुर एक्सप्रेस, 02246 निज़ामुद्दीन पटना एक्सप्रेस, रेलगाड़ी

संख्या 04526 सरहिन्द सहरसा एक्सप्रेस, रेलगाड़ी संख्या 02270 लखनऊ छपरा एक्सप्रेस, 01009 लोकमान्य तिलक दनापुर एक्सप्रेस, रेलगाड़ी संख्या 01205 पुणे दानापुर एक्सप्रेस, रेलगाड़ी संख्या 02832 भुबनेस्वर धनबाद एक्सप्रेस, रेलगाड़ी संख्या 08520 विशाखापट्टनम दानापुर एक्सप्रेस, रेलगाड़ी संख्या 01481 पुणे दानापुर एक्सप्रेस, रेलगाड़ी संख्या 01143 लोकमान्य तिलक टर्मिनल दानापुर, रेलगाड़ी संख्या 01025 दादर बॉलिय एक्सप्रेस, रेलगाड़ी संख्या 02398 आनंदविहार गया एक्सप्रेस, रेलगाड़ी संख्या 02394 नई दिल्ली पटना एक्सप्रेस, रेलगाड़ी संख्या 03256 आनंद विहार पटना एक्सप्रेस, रेलगाड़ी संख्या 03258 आनंद विहार दानापुर एक्सप्रेस, रेलगाड़ी संख्या 05220 आनंद विहार मुजफ्फरपुर एक्सप्रेस, रेलगाड़ी संख्या 05290 पुणे मुज़फ़्फ़रपुर एक्सप्रेस, रेलगाड़ी संख्या 05284 आनंदविहार मुज़फ़्फ़रपुर एक्सप्रेस, रेलगाड़ी संख्या 03131 सियालदह गोरखपुर एक्सप्रेस, रेलगाड़ी संख्या 03414 नई दिल्ली मालदा एक्सप्रेस, रेलगाड़ी संख्या 03502 कटिहार आसनसोल एक्सप्रेस, रेलगाड़ी संख्या 03504 पटना आसनसोल एक्सप्रेस, रेलगाड़ी संख्या 03045 हावड़ा रक्सौल एक्सप्रेस, रेलगाड़ी संख्या 03511 आसनसोल पटना एक्सप्रेस, रेलगाड़ी संख्या 05186 यसवंतपुर छपरा एक्सप्रेस, रेलगाड़ी संख्या 05114 लोकमान्य तिलक टर्मिनल छपरा, रेलगाड़ी संख्या 05194 एम सी तुसार महाजन छपरा एक्सप्रेस, रेलगाड़ी संख्या 05194 लोकमान्य तिलक टर्मिनल छपरा, रेलगाड़ी संख्या 05284 आनंदविहार मुज़फ़्फ़रपुर एक्सप्रेस, रेलगाड़ी संख्या 05743 कटिहार छपरा एक्सप्रेस और रेलगाड़ी संख्या 05744 छपरा कटिहार एक्सप्रेस शामिल हैं।

मुख्यमंत्री ने छठ महापर्व की तैयारियों को लेकर जे0पी0 सेतु घाट एवं दीघा गंगा घाट का किया निरीक्षण

नई सोच एक्सप्रेस

» गंगा उत्सव का किया उद्घाटन

पटना। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने लोक आस्था के महापर्व छठ- 2024 की तैयारियों को लेकर जे०पी० सेतु घाट/दीघा गंगा घाट का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान मुख्यमंत्री ने बैरिकेडिंग, साफ-सफाई, छठ व्रतियों की सुविधाओं एवं सुरक्षा का जायजा लिया और अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिये। निरीक्षण के दौरान मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश देते हुये कहा कि कल से छठ महापर्व की शुरूआत हो रही है। प्रशासन छठ घाटों पर सारी व्यवस्था को लेकर पूरी तरह मुश्तैद रहे। छठ व्रतियों को अर्घ्य देने में कोई परेशानी न हो, इसका विशेष ख्याल रखें। छठ घाटों पर सुरक्षा, स्वच्छता एवं सुविधाओं को लेकर किसी प्रकार की कोई कोताही न हो। उन्होंने कहा कि छठ व्रतियों एवं श्रद्धालुओं के लिये आवागमन में किसी प्रकार की असुविधा न हो, ट्रैफिक व्यवस्था को सुरक्षित और सुगम बनाये रखें। छठ घाट के निरीक्षण के पश्चात् मुख्यमंत्री ने जे०पी० सेतु घाट/दीघा गंगा घाट पर आयोजित 'गंगा उत्सव' का दीप प्रज्ज्वलित कर उद्घाटन किया। निरीक्षण के दौरान नगर विकास एवं आवास मंत्री श्री नितिन नवीन, पटना की मेयर श्रीमती सीता साहू, मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव श्री दीपक कुमार, मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव डॉ० सिद्धार्थ, मुख्यमंत्री के विशेष कार्य पदाधिकारी डॉ० गोपाल सिंह, पटना के जिलाधिकारी डॉ० चन्द्रशेखर सिंह, पटना के वरीय पुलिस अधीक्षक श्री राजीव मिश्रा एवं पटना नगर निगम के आयुक्त श्री अनिमेश पारसर सहित अन्य वरीय पदाधिकारीगण उपस्थित थे।

छठ पूजा पर डाक विभाग के विशेष आवरण का विमोचन

नई सोच एक्सप्रेस

पटना। बिहार डाक परिमंडलीय कार्यालय, मेघदूत भवन, पटना में आयोजित एक विशेष समारोह में, छठ पूजा के अवसर पर एक विशेष आवरण का विमोचन चीफ पोस्टमास्टर जनरल अनिल कुमार 'के द्वारा किया गया, जो बिहार की सांस्कृतिक धरोहर और लोक-आस्था का प्रतीक है। छठ पूजा, सूर्य देव और छठी मईया को समर्पित एक महत्वपूर्ण पर्व है, जो बिहार, झारखंड, उड़ीसा और पूर्वी उत्तर प्रदेश में बड़े ही धूमधाम से मनाई जाती है। पटना में इस आवरण का विमोचन और भी विशेष है क्योंकि पटना मगध की राजधानी हुआ करती थी और मगध का एक अर्थ सूर्य उपासकों का देश भी होता है। अनिल कुमार ने इस अवसर पर कहा कि छठ पूजा का यह विशेष आवरण हमारे पारंपरिक मूल्यों और सांस्कृतिक धरोहर का सम्मान है। यह न केवल इस पावन अवसर की महत्ता को रेखांकित करता है, बल्कि हमारी नई पीढ़ी को भी हमारे समृद्ध सांस्कृतिक विरासत से जोड़ने का प्रयास है। यह पर्व डूबते एवं उगते सूर्य के आराधना से संदर्भित है, जो पुरे विश्व में अनूठा है एवं बिहार की सर्वोतम संस्कृति का परिचायक है। उन्होंने मीडिया को संबोधित करते हुए कहा की सूर्य देव, पृथ्वी पर जीवन को बनाए रखने में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका के कारण दुनिया भर में जीवित देवता के रूप में अनंत काल से पूजे जाते हैं ये उर्जा, शक्ति और समृद्धि प्रदान करते हैं। इस विशेष आवरण पर छठ पूजा में सूर्य देव को अर्ध्य देते हुए भक्त का चित्रण किया गया है, जो इस पर्व की आध्यात्मिकता और सादगी को प्रतिबिंबित करता है। यहआवरण फिलाटेली संग्रहकर्ताओं और आम जनमानस के बीच विशेष आकर्षण का केंद्र बनेगा। इस कार्यक्रम में डाक निदेशक पवन कुमार, सर्तकता अधिकारी नरसिंह महतो, मुख्य डाकपाल रंजय कुमार सिंह,वरीष्ठ अधीक्षक राजदेव प्रसाद, मनीष कुमार, डाक निदेशक रोबिन चंद्रा,उपमुख्य डाकपालअनिल कुमार, कुमारी सरिता, सहायक निदेशक नवीन कुमार, प्रदीप जैन सहित उपस्थित रहे।

संक्षिप्त समाचार

मुख्यमंत्री ने लोक आस्था के चार दिवसीय महापर्व छठ के अवसर पर राज्यवासियों को बधाई एवं शुभकामनायें दी

पटना। मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार ने लोक आस्था के चार दिवसीय महापर्व छठ के अवसर पर प्रदेश एवं देशवासियों को अपनी बधाई एवं शुभकामनाएँ दी है। मुख्यमंत्री ने कहा है कि लोक आस्था का यह महापर्व आत्मानुशासन का पर्व है, जिसमें लोग आत्मिक शुद्धि और निर्मल मन से अस्ताचल और उदीयमान भगवान सूर्य को अर्घ्य अर्पित करते हैं। मुख्यमंत्री ने लोक आस्था के महापर्व छठ के अवसर पर भगवान भास्कर से राज्य की प्रगति, सुख, समृद्धि, शांति और सौहार्द्र के लिये प्रार्थना की है तथा राज्यवासियों से अपील की है कि वे इस महापर्व को मिल-जुलकर आपसी प्रेम, पारस्परिक सद्भाव और शांति के साथ मनायें।

जन सुराज की सभा में भाकपा माले का उपद्रव बौखलाहट का नतीजा - संजय ठाकुर

पटना। अपनी संभावित पराजय से घबराकर अब भाकपा माले के समर्थक गुण्डे तरारी विधानसभा क्षेत्र में जन सुराज पार्टी की सभाओं में उपद्रव मचाने लगे हैं जो लोकतंत्र के लिए घातक है। जन सुराज की बढ़ती लोकप्रियता और जन सुराज के संस्थापक प्रशांत किशोर के नेतृत्व में मिल रहे भारी जनसमर्थन से भाकपा माले के समर्थक बौखलाहट में है।उक्त बातें आज यहां जारी एक बयान में जन सुराज के प्रदेश मुख्य प्रवक्ता सह मीडिया प्रभारी संजय कुमार ठाकुर ने कही है।श्री ठाकुर ने कहा है कि आज दिनांक 4 नवंबर को तरारी विधानसभा क्षेत्र के पीरो नगर पंचायत क्षेत्र में जन सुराज के प्रदेश अध्यक्ष मनोज भारती जी की नुक्कड़ सभा चल रही थी कि उसी दौरान भाकपा माले के समर्थक गुण्डो ने उपद्रव मचाने लगे तथा जन सुराज का झंडा उखाड़ कर फेंकने लगे। स्थानीय नागरिकों की पहल पर स्थिति सामान्य हो सकी। अपने बयान में श्री ठाकुर ने इस घटना को दुर्भाग्यपूर्ण और जनतंत्र के लिए घातक बताया है। श्री ठाकुर ने निर्वाचन आयोग और स्थानीय प्रशासन से इस पर कड़ी कार्रवाई करने , उपद्रवियों पर मुकदमा दर्ज कर उन्हें गिरफ्तार करने तथा जन सुराज की सभाओं में सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित कराने की मांग की है।

मुख्यमंत्री के नेतृत्व में हो रही स्वास्थ्य विभाग में लगातार बहालीः मंगल पांडेय

पटना। सूबे के स्वास्थ्य एवं कृषि मंत्री मंगल पांडेय ने कहा कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में बिहार में स्वास्थ्य विभाग सहित विभिन्न विभागों में लगातार नियुक्तियों की प्रक्रिया जारी है। स्वास्थ्य विभाग में 46 हजार नए पदों पर नियुक्ति की प्रक्रिया चल रही है। जिसमें औषधी निरीक्षकों की नियुक्ति अभी दो माह पूर्व ही हुई है। साथ ही 4 हजार 500 सीएचओ (कॉम्युनिटी हेल्थ ऑफिसर) की नियुक्ति हेतु विज्ञापन निकाला जा चुका है। विभाग की ओर से अन्य पदों पर नियुक्ति की अधियाचना भी भेजी जा रही है। श्री पांडेय ने पूर्व स्वास्थ्य मंत्री तेजस्वी यादव को सलाह दी है कि पहले वो यह बताएं कि महागठबंधन की सरकार में 18 माह स्वास्थ्य मंत्री रहते हुए उन्होंने स्वास्थ्य विभाग में कितने पदों की नियुक्ति हेतु विज्ञापन निकलवाया एवं नियुक्ति करवाई। श्री तेजस्वी अपने 18 माह के कार्यकाल में न तो स्वास्थ्य विभाग की कार्यशैली को समझ पाए, न ही नए पदों का सृजन ही कर पाएं और न ही किसी नियुक्ति के लिए कोई विज्ञापन निकला पाए। केवल झूठ की खेती करना और आमजनों को बरगलाना ही पूर्व स्वास्थ्य मंत्री का काम रह गया है। दरअसल वो खुद के लिए रोजगार सृजन करने के लिहाज से झूठा भ्रम फैला रहें हैं ताकि उनको रोजगार मिल जाए। श्री पांडेय ने कहा कि तेजस्वी यादव जकी पार्टी के सुप्रीमों ने नियुक्ति पत्र बांटने के एवज में क्या - क्या किया है यह तो जगजाहिर है।

बटोहिया' ने राष्ट्रीय-बोध कराया और 'फिरंगिया' ने क्रांति को ज्वाला दी

नई सोच एक्सप्रेस

» साहित्य सम्मेलन ने बाबू रघुवीर नारायण और प्रो मनोरंजन प्रसाद सिन्हा के साथ महाकवि
» पण्डित मोहनलाल महतो 'वियोगी' को किया श्रद्धापूर्वक स्मरण, दी काव्यांजलि

पटना। भारत के संपूर्ण आंतरिक सौंदर्य और आध्यात्मिक-ऊर्जा से परिचय कराने वाला, अमर कवि बाबू रघुवीर नारायण का गीत 'बटोहिया' ने संपूर्ण जगत को भारतीय-दिव्यता से परिचय कराया ही, भारत को उसका 'राष्ट्रीय-बोध' भी कराया। वहीं 'बटोहिया' के तर्ज पर ही लिखा गया प्राचार्य मनोरंजन प्रसाद सिन्हा का अमर गीत 'फिरंगिया' ने राष्ट्रीय-आंदोलन में 'क्रांति को ज्वाला' दी। यह बातें सोमवार को बिहार हिन्दी साहित्य सम्मेलन में, आयोजित जयंती-समारोह और कवि-सम्मेलन की अध्यक्षता कर्ते हुए, सम्मेलन अध्यक्ष डा अनिल सुलभ ने कही। सम्मेलन सभागार में, राष्ट्रीय-चेतना के इन दोनों अमर-गीतों के शब्द-कार बाबू रघुवीर नारायण और प्राचार्य मनोरंजन प्रसाद सिन्हा के साथ सम्मेलन के अध्यक्ष रहे महकवि पण्डित मोहनलाल महतो 'वियोगी' की जयन्ती मनायी गयी और उन्हें श्रद्धापूर्वक स्मरण करते हुए, काव्यांजलि दी गयी। डा सुलभ ने कहा कि, एक भी महान और लोकप्रिय रचना किसी व्यक्ति को साहित्य-संसार में अमर कर सकती है, 'बटोहिया गीत' और बाबू रघुवीर नारायण इसके उज्ज्वल उदाहरण हैं। "सुंदर सुभूमि भैया भारत के देसबा से मोरे प्राण बसे हिम खोह रे बटोहिया" जैसी प्राण-प्रवाही और मर्म-स्पर्शी लिखने वाले बाबू रघुवीर नारायण भोजपुरी और हिन्दी के एक महान कवि ही नहीं एक वलिदानी देश-भक्त और स्वतंत्रता सेनानी भी थे। डा सुलभ ने कहा कि 'बटोहिया' की तरह 'फिरंगिया' भी स्वतंत्रता सेनानियों की जिह्वा पर रहा। यह गीत भारतीयों पर अंग्रेजों के अत्याचार की मार्मिक कहानी प्रस्तुत करता है, जिसे सुना-सुनाकर क्रांति की ज्वाला भड़काई जाती थी। महाकवि वियोगी को स्मरण करते हुए डा सुलभ ने कहा कि वियोगी जी वैदिक-साहित्य के गहरे अध्येता थे। इसीलिए उनके काव्य-साहित्य में प्राच्य-साहित्य का सुंदर आख्यान मिलता है। वे १९५७ में मुंगेर में आहूत हुए, बिहार हिन्दी साहित्य सम्मेलन के २८वें महाधिवेशन के सभापति चुने गए थे। हिन्दी भाषा और साहित्य के साथ साहित्य सम्मेलन को बल देने में वियोगी जी अग्र-पांक्तेय थे। वे वर्षों तक गया जिला हिन्दी साहित्य सम्मेलन के अध्यक्ष रहे। इसके पूर्व अतिथियों का स्वागत करते हुए, सम्मेलन के उपाध्यक्ष डा शंकर प्रसाद ने 'बटोहिया-गीत' का सस्वर पाठ कर बाबू रघुवीर नारायण को भावांजलि दी। बाबू रघुवीर नारायण के पौत्र प्रताप नारायण ने अपना उद्गार व्यक्त करते हुए कहा कि प्रबुद्ध लोगों के बीच आज भी यह चर्चा का विषय है कि रघुवीर बाबू एक बड़े कवि थे या एक संत। वरिष्ठ साहित्यकार डा रत्नेश्वर सिंह तथा सम्मेलन के अर्थ मंत्री प्रो सुशील कुमार झा ने भी अपने विचार व्यक्त किए। वरिष्ठ गीतकार आचार्य विजय गुंजन, शायर रमेश कँवल, प्रो सुनील कुमार उपाध्याय, कुमार अनुपम, डा शालिनी पाण्डेय, जय प्रकाश पुजारी, ओम् प्रकाश पाण्डेय, ई अशोक कुमार, रौली कुमारी, सुनीता रंजन, अजीत कुमार भारती आदि कवियों और कवयित्रियों ने अपने प्रभावशाली काव्य-पाठ से कवि-सम्मेलन को रसपूर्ण बनाया। मंच का संचालन कवि ब्रह्मानन्द पाण्डेय ने तथा धन्यवाद-ज्ञापन कृष्णरंजन सिंह ने किया। वरिष्ठ समाजसेवी राजनन्दन प्रसाद, पुरुषोत्तम मिश्र, दुःख दमन सिंह, अभिषेक कुमार कुमार, मनोज कुमार सिन्हा, कुमारी मेनका, डौली कुमारी आदि प्रबुद्धजन समारोह में उपस्थित थे।

बिहार सरकार द्वारा आयोजित हुआ बोलबम कांवरिया सेवा सम्मान समारोह - 300 सेवादार हुए सम्मानित

नई सोच एक्सप्रेस

पटना। रविन्द्र भवन में बिहार सरकार द्वारा बोलबम कांवरिया सेवा सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। इस सम्मान समारोह में सुल्तानगंज से देवघर (बाबाधाम) तक कावड़ियों की सेवा करने वाले सभी सेवा शिविर के संचालकों को प्रशस्ति पत्र एवं अंग वस्त्र देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन उप मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी, विजय सिंहा एवं राजस्व मंत्री सह मेला प्रभारी डॉ दिलीप जयसवाल ने संयुक्त रूप से किया। कावंरिया सेवा दलों को सम्मानित करने की योजना से लेकर कार्यक्रम आयोजन तक बिहार सरकार के राजस्व मंत्री सह मेला प्रभारी डॉक्टर दिलीप जायसवाल ने बड़ी भूमिका निभाई। उन्होंने कहा कि हमने इस महान कार्य मे लगे विभूतियों का सम्मान सनातनी परम्परा से किया है। उप मुख्यमंत्री विजय सिन्हा ने कहा कि लाख खराबियां हो समाज मे, लेकिन निःस्वार्थ सेवा करने वालो के लिए सब अच्छा है। कावंरिया सेवा में लगे सभी लोग महान कार्य मे लगे है। इसलिए हमने उन्हें सम्मानित किया। वहीं उप मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने कहा कि सबसे बड़ा सोशलिज्म है बोलबम।गरीब अमीर सभी भगवा पहनते है और बोल बम ही बोलते है। उन्होंने यह भी कहा कि बहुत पहले तो हमने मुख्यमंत्रियों को भी कांवर लेकर जाते देखा है। इसलिए कहता हूं कांवर यात्रा सबसे बड़ा सोशलिज्म है। बोलबम सेवा शिविर महासंघ के अध्यक्ष पवन अग्रवाल, बोलबम कावरिया सेवा शिविर महासंघ के अध्यक्ष पवन अग्रवाल द्वारा उप मुख्यमंत्री एवं मंत्री दिलीप जयसवाल को मांगो का एक ज्ञापन भी सौंपा है, जिसमें कांवरिया एवं सेवा शिविर को मुफ्त बिजली, पानी, सफाई की विशेष व्यवस्था करने के लिए सरकार से आग्रह किया है। साथ ही, सरकार द्वारा सुल्तानगंज एवं तारापुर से पहले एक बडा धर्मशाला का निर्माण करवाने के साथ, सुल्तानगंज का नाम अजगैबीनाथ धाम करने का आग्रह किया गया है। मिथिला कावंरिया सेवा दल के संचालक रणजीत कुमार झा ने कहा कि इस तरह के सम्मान से हम सभी बहुत गौरवान्वित महशूस कर रहे है। कार्यक्रम में कांवरिया सेवा शिविर के सह संयोजक बजरंग अग्रवाल, संजय कुमार पाण्डेय, अभिषेक सिंह, रंजीत कुमार झा, नीलू पटेल एवं सभी 134 सेवा शिविर के संचालकगण उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री की पहल से लाखों लोगों को मिली सरकारी नौकरी : सुमन

नई सोच एक्सप्रेस

» राजद के 15 साल के अपराध, बलात्कार, नरसंहारों की सूची जारी करें नेता प्रतिपक्ष

पटना। प्रावैधिकी एवं आपदा प्रबंधन मंत्री डा संतोष कुमार सुमन ने अपराध की घटनाओं के लिए राज्य सरकार पर अनर्गल आरोप लगाने और शिक्षक नियुक्ति का श्रेय लूटने के बारे में नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी प्रसाद यादव के वक्तव्य पर कड़ा पलटवार करते हुए कहा है कि आपराधिक लोगों को राजनीतिक संरक्षण देने वाले लोग किस मुंह से अपराध बढने की बात कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि तेजस्वी यादव को अपने माता-पिता के 15 साल के राज की 101 आपराधिक घटनाओं, 101 अपहरण कांडों, शिल्पी जैन और चम्पा विश्वास बलात्कार कांड जैसी शर्मनाक घटनाओं के साथ-साथ दलित विरोधी नरसंहारों की भी सूची जारी करनी चाहिए। डा सुमन ने कहा कि जिनके परिवार में दो पूर्व मुख्यमंत्री सहित 6 लोग रेलवे की नौकरी के बदले जमीन लेने के मामले में अभियुक्त हैं, जमानत पर हैं, वे किसी को नौकरी दिलाने का श्रेय कैसे लूट सकते हैं? उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की पहल पर विभिन्न चरणों में लगभग 5 लाख शिक्षकों और अन्य सरकारी पदों पर जो नियुक्तियां हुईं , वह सरकार का फैसला था, किसी डिप्टी सीएम का नहीं। डा सुमन ने कहा कि सरकारी नियुक्तियां कैसे होती हैं, यह सबको पता हैं। फिर भी तेजस्वी यादव को झूठे दावे करने से कौन रोक सकता है? उनकी पार्टी को तो बिहार को लूटने, लाखों लोगों का पलायन कराने और शासन को भ्रष्टाचार में डूबोने का "क्रेडिट" लेना चाहिए और इसके लिए जनता से माफी मांगनी चाहिए ।

स्मार्ट प्रीपेड मीटरिंग में पारदर्शिता और उपभोक्ता संतुष्टि सुनिश्चित करने के लिए जागरूकता बढ़ाने पर जोर

नई सोच एक्सप्रेस

» स्मार्ट मीटरिंग प्रणाली को लेकर उपभोक्ताओं के बीच भ्रांतियों को दूर करना प्राथमिकता

पटना। राज्य में स्मार्ट मीटर इंस्टॉलेशन के कार्यों की प्रगति की समीक्षा और इसे समयबद्ध तरीके से पूरा करने के उद्देश्य से बिहार स्टेट पावर होल्डिंग कंपनी लिमिटेड के अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक पंकज कुमार पाल ने राज्य में कार्यरत मीटरिंग एजेंसियों के कार्यों की विस्तृत समीक्षा बैठक आयोजित की, जिसमें सभी एजेंसियों को अपने दायित्वों का निर्वहन करने के लिए सख्त निर्देश दिए गए। बैठक में साउथ बिहार पावर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी लिमिटेड के प्रबंध निदेशक श्री महेंद्र कुमार, नॉर्थ बिहार पावर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी लिमिटेड के प्रबंध निदेशक डॉ निलेश देवरे, दोनों डिस्कॉम के वरिष्ठ अधिकारी एवं मीटरिंग एजेंसियों के प्रतिनिधिगण उपस्थित थे।सीएमडी पाल ने स्मार्ट प्रीपेड मीटरिंग के महत्व पर जोर देते हुए कहा कि "उपभोक्ता संतुष्टि हमारी प्राथमिकता है। स्मार्ट मीटरिंग से संबंधित उपभोक्ताओं के मन में किसी भी प्रकार की भ्रांतियों को दूर करना अत्यंत आवश्यक है। मीटर लगाने से पहले उपभोक्ताओं को इसके लाभ और तकनीकी पहलुओं के बारे में जागरूक करना चाहिए। हमारी कोशिश है कि उपभोक्ता पूरी तरह से संतुष्ट होकर ही अपने परिसर में स्मार्ट मीटर लगवाएं। सीएमडी ने निर्देश दिया कि सभी मीटरिंग एजेंसियां स्मार्ट मीटर लगाने से पहले उपभोक्ताओं को इसके कार्यप्रणाली एवं लाभों की जानकारी दें। इसके साथ ही, सभी सरकारी भवनों में स्मार्ट मीटर इंस्टॉलेशन का कार्य 30 नवंबर तक अनिवार्य रूप से पूरा किया जाए। सभी स्मार्ट मीटरों में पुश बटन लगाना सुनिश्चित करने का भी निर्देश दिया गया। मीटिंग में सीएमडी ने एनसीसी एवं हाई प्रिंट नामक दो मीटरिंग एजेंसियों को समय पर कार्य पूरा न करने के कारण सख्त चेतावनी दी। उन्होंने कहा कि काम में ढिलाई बर्दाश्त नहीं की जाएगी। सभी एजेंसियों को अपने अनुबंध के अनुसार डीटी मीटर, फीडर मीटर एवं सभी सरकारी भवनों में स्मार्ट मीटर लगाना सुनिश्चित करना होगा।सीएमडी श्री पाल ने निर्देश दिया कि आ.ई.सी (इन्फॉर्मेशन, एजुकेशन और कम्युनिकेशन) एक्टिविटी के तहत पंचायत स्तर पर जागरूकता कार्यक्रम जैसे नुक्कड़ नाटक, होर्डिंग, माइकिंग, एलईडी स्क्रीन, पोस्टर एवं बैनर के माध्यम से प्रचार-प्रसार किया जाए। इसके अतिरिक्त, उपभोक्ता परिसरों में स्मार्ट प्रीपेड मीटर के फायदों की जानकारी देने के लिए पंपलेट भी लगाए जाएं। साथ ही, उपभोक्ताओं के स्मार्ट मीटर से संबंधित शिकायतों के समाधान के लिए हर सेक्शन में दो कर्मियों के नाम और संपर्क नंबर साझा किए जाएं। सीएमडी श्री पाल ने निर्देश दिया कि उपभोक्ताओं की सहायता के लिए कॉमन सर्विस सेंटर, पंचायत सरकार भवन और पोस्ट ऑफिस में एजेंसियों के कर्मियों की उपस्थिति सुनिश्चित की जाए। इन कर्मियों का दायित्व होगा कि वे उपभोक्ताओं को स्मार्ट प्रीपेड मीटर की जानकारी देने के साथ स्मार्ट मीटर रिचार्ज में मदद एवं उनकी शिकायतों का समाधान भी करें।

पटना में 100 घाट, 45 पार्क,63 तालाबों में होगा छठ

नई सोच एक्सप्रेस

पटना। बिहार में छठ महापर्व की तैयारी अंतिम चरण में हैं। पटना जिले में 550 घाटों के साथ 65 तालाबों को दुरुस्त किया गया है। शहर के दानापुर से दीदारगंज तक 100 घाटों को छठ पूजा के लिए तैयार किया गया है। छठ घाटों पर चेंजिंग रूम, कंट्रोल रूम और वॉच टावर की व्यवस्था की गई है।इस रिपोर्ट में पढ़िए पटना, मुजफ्फरपुर, गया और भागलपुर में कितने घाट बनाए गए हैं। कौन से खतरनाक घाट हैं। चेंजिंग रूम कहां-कहां हैं। बाहर से आने वालों के लिए क्या इंतजाम हैं।पटना के शहरी क्षेत्र में दानापुर से दीदारगंज तक 100 घाटों को छठ पूजा के लिए तैयार किया गया है। छठ मनाने के लिए आने वाले श्रद्धालुओं के लिए 45 पार्किंग की व्यवस्था की गई है, जिससे श्रद्धालु अपनी गाड़ी पार्किंग में लगा कर पूजा कर सकें।इस साल बांस घाट से कलेक्ट्रेट घाट जुड़ गया है। गंगा किनारे से 100 मीटर पैदल चलकर व्रती कलेक्ट्रेट घाट पहुंच सकेंगे। कई सालों के बाद कलेक्ट्रेट, महेंदू घाट से बांस घाट एक साथ जुड़ गया है। वहीं, हर घाट पर चेंजिंग रूम, शौचालय, पानी का नल, मेडिकल कैंप, शेड आदि की व्यवस्था बनाई गई है।श्रद्धालुओं की सुरक्षा को लेकर 1000 मजिस्ट्रेट के साथ 5000 से अधिक जवानों की तैनाती की जा रही है। ठऊफऋ की 8 टीम (200 सदस्य), रऊफऋ की 14 टीम (56 सदस्य), 333 गोताखोर, 306 नाव-नाविक के साथ सिविल डिफेंस के 168 वॉलंटियर्स को तैनात किया जा रहा है। रिवर पेट्रोलिंग भी की जाएगी। नावों के अवैध परिचालन के खिलाफ सख्त कार्रवाई होगी। छठ घाटों पर मेडिकल टीम की तैनाती होगी। छह घाटों पर दो बेड के अस्थायी अस्पताल बनेंगे। इनमें पाटीपुल घाट, 93 नंबर घाट, कलेक्ट्रेट घाट, लॉ कालेज घाट, गायघाट और पाटीपुल के पास निर्मित कंट्रोल रूम शामिल है। इसके अलावा हर तीन-चार घाट के लिए मेडिकल टीम के साथ एंबुलेंस की व्यवस्था रखी गई है।मेडिकल टीम में डॉक्टर, पारा मेडिकल स्टाफ, नर्स रहेंगे। अस्थायी अस्पताल में भी एंबुलेंस की व्यवस्था रखी गई है। ताकि जरूरत पड़ने पर किसी को अस्पताल भेजा जा सके। साथ ही अस्पतालों को अलर्ट कर दिया गया है। अस्पतालों में बेड भी सुरक्षित रखे गए हैं। छठ पूजा के दौरान आग लगने की घटना से निपटने के लिए अग्निशमन ने भी विशेष तैयारी की है। इसके तहत अग्निशमन ने पूरे जिले में गाड़ियों के साथ स्टाफ की तैनाती की गई है। 52 गाड़ियां अलग-अलग घाटों पर तैनात रहेगी। एक गाड़ी पर एक ड्राइवर के साथ 3 फायर फाइटर मौजूद रहेंगे। हर गाड़ी पूजा के दौरान अलर्ट मोड में रहेगा। साथ ही वरीय पदाधिकारी कंट्रोल रूम में बैठ कर इसी मॉनिटरिंग करेंगे।

तीसरी आंख

संक्षिप्त समाचार

फतुहा भाजपा कार्यालय में स्वास्थ्य शिविर का आयोजन

सेहत का दुश्मन है मोटापा, होम्योपैथी में कारगर दवा

फतुहा। मां तारा उत्सव पैलेस गोविंदपुर फतुहा, पटना में स्वास्थ्य में स्वास्थ शरीर का आयोजन किया गया जिसका अध्यक्षता रेखा शर्मा , संचालन डॉ मनीषा कुमारी ,मुख्य अतिथि सुप्रसिद्ध होम्योपैथिक

चिकित्सा के डॉक्टर लक्ष्मी नारायण सिंह पटेल, भाजपा जिला मंत्री शोभा बेटी, अनिल कुमार शर्मा, अनीता पाटनी। इस अवसर पर मुख्य अतिथि डॉ लक्ष्मी नारायण सिंह पटेल ने कहा कि सेहत का दुश्मन है मोटापा है।मोटापा दिन प्रतिदिन आज की व्यस्त जिंदगी में पांव पसारता जा रहा है। नई पीढ़ी में अधिकतर बच्चे ज्यादा वजन वाले हो रहे हैं ।बदलती जीवन शैली और बदलते जीवन पर अगर नजर न रखी जाए तो मोटापा कई बीमारियों को जन्म देता है जिसके कारण जीवन जीना दुश्वार ही नहीं कठिन भी हो सकता है। मोटापा कब हावी होता है जब काफी समय तक आप अधिक ऊर्जा के मुकाबले काफी बढ़ जाती है। भोजन में आप अधिक ऊर्जा वसा के रूप में त्वचा के पीछे ,पेट पर जांघों पर वह गालों पर जमा हो जाती है। पेट की खराबियों से कई अन्य प्रकार की बीमारियां का जन्म होता है। युवा होते होते शुगर ,हृदय रोग, गठिया, बात आदि जैसी बीमारियां घेर लेती है। महिलाओं में पुरुष की अपेक्षा मोटापा अधिक होता है, परंतु गांव में शहरों की अपेक्षा कम होता है। शहरी बच्चे जो एक तरफ पढ़ाई में अब अबल के लिए पाठशाला व घर बैठे बैठे होमवर्क में व्यस्त रहते हैं। मनोरंजन के नाम पर टीवी, कंप्यूटर ,मोबाइल है, आज पहले की तरह खेल के मैदान नहीं रहे हैं, दूसरे खान-पान अवस्थित है फास्ट फूड खाने से समस्या कुछ और बढ़ गई है ।लोग शहरों में चीनी, वसा ज्यादा खाते हैं साथ में चॉकलेट, आइसक्रीम ,पनीर तो शहरी बच्चों का खास शौक बनते जा रहे हैं, जिसके कारण चर्बी की प्रतिदिन शरीर पर चढ़ती जाती है, जिससे पेट ,कमर ,जांघ बढ़ते जाते हैं। यही मोटापा का कारण है। कुछ लोगों का बॉडी फ्रेम प्रकृति की बड़ा रहता है या उसके जिन के कारण मोटा होता है। थायराइड ग्रंथि का फंक्शन ठीक ना होने से भी मोटापा होता है।

स्वस्थ कैसे रहे -नित्य, प्रतिदिन व्यायाम करें सुबह में टहले। भोजन की मात्रा पर ध्यान रखें। गर्म पानी का उपयोग करें ,फास्ट फूड से बचने का प्रयास करें, कोल्ड ड्रिंक की बजाय सेव और संतरा का सेवन करें ,चीनी की बजाए गुड़ का प्रयोग करें ऐसा करने से चर्बी बढ़ाने की संभावना कम होती है।

होम्योपैथिक दवा से उपचार

होम्योपैथिक में लक्षणों के आधार पर दवा -

1- फाइटो लैका मदर टिंक्चर 15-20 बूंद सुवह शाम लें।

2- रोगी का शरीर थुल - थुला के साथ मोटापा,, सोते समय पसीने से तर वतर हो जाती है ।खाना खाने की कुछ देर बाद भूख लगता है ऐसा रोगी में यह दवा चर्बी को व मोटापा कम कर देती है दवा का नाम है कैल्केरिया कार्ब 30/200। एक बूंद तीन बार रोज।3- नवयुकों के मोटापे को कम करने के लिए एंटिम कार्ड 30/200 बहुत कारगर दवा है।एक बूंद तीन बार रोज 4-शरीर के वजन को बिना घटाएं शरीर के वास को बाहर करता है कैलोट्रौपिस 30 एक बूंद तीन बार रोज।5- जिन रोगियों की ग्रंथि ठीक से काम नहीं करती है उनकी चर्बी बढ़ती जाती है उनको यह कार्य करता है, लेकिन उच्च रक्त चाप एवं कमजोर हृदय वाले लोकगीत यह जमाना लें- थायराइडीन 30 एक बूंद तीन बार रोज। 6- जो महिला गोरी तथा थुल थूली हो तथा कब्ज का हो उन्के लिए ग्रैफाइटिस 30 बहुत कारगर दवा है। कोई भी दवा चिकित्सा के सलाह से इस्तेमाल करें ।इस अवसर पर भाजपा नगर मंडल के वरिष्ठ उपाध्यक्ष अनिल कुमार शर्मा, दिनेश कुमार, अंकुश कुमार ,अनीश कुमार, पूजा कुमारी ,अभिषेक कुमार, सीमा कुमारी, अमीषा कुमारी, अनामिका पांडे, शोभा पटेल, ममता पटेल, विनय कुमार पटेल आदि मौजूद रहे।

छठ व्रतियों के बीच साड़ी का वितरण

पटना। छठ महापर्व उत्सव के अवसर पर कुम्हरार विधानसभा क्षेत्र के कर्मठ, ऊर्जावान एवं आम जन के लिये हमेशा तत्पर रहने वाले जनसेवक एवं वरीय सदस्य भाजपा प्रदेश चुनाव प्रबंधन समिति में सह-प्रभारी का भी दायित्व संभालने वाले सुनील वर्मा द्वारा छठ व्रतियों के बीच साड़ी वितरण किया गया। इस अवसर पर सुनील वर्मा ने छठ - व्रतियों से आग्रह किया की आप लोग भगवान भास्कर से प्रार्थना कीजियेगा कि हमारे देश की उन्नति हो एवं आपसी भाईचारा बनी रहे। इस वितरण समारोह मे मुकेश कुमार सिन्हा, शंकर कुमार सिन्हा, राकेश कुमार वर्मा, अखिलेश सिन्ह तथा अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

छठ घाटों पर तैनात रहेगे पी वाई एफ के स्वयंसेवक

नई सोच एक्सप्रेस

पटना। लोक आस्था के महापर्व छठ के मौके पर गंगा घाटों पर प्रेम यूथ फाउंडेशन के स्वयंसेवक तैनात रहेंगे । यह जानकारी फाउंडेशन के संस्थापक गांधीवादी प्रेम जी ने दिया । उन्होंने बताया प्रकृतिक की यह अद्भुत पूजा जिसमे छठबर्ती तीन दिनों तक उपवास में रहकर अनुष्ठान करती है । गंगा मैया एवं भगवान भास्कर की साक्षात आराधना की जाती है । फाउंडेशन के स्वयंसेवक को टीम बनाकर छठबर्तीयो के सेवा में लगाया जायेगा साथ ही स्वयंसेवक स्थानीय प्रशासन और छठपूजा समितियों को सहयोग करेंगे । वहीँ फाउंडेशन के मुख्य स्वयंसेवक दिलीप कुमार ने बताया कि हमारे स्वयंसेवक अनुशाषित होकर पूरी निष्ठा के साथ लोगो की सेवा करेंगे

। उन्होंने लोगो से अपील किया है कि गंगा में किसी भी प्रकार के पूजन सामग्री, मूर्ति, मानव या पशु का शव प्रवाहित न करे । गंगा को अविरल और निर्मल रखने में हम सबो को अपनी जिम्मेदारी निभाने की जरूरत है । स्वयंसेवक लाइफ जैकेट, फर्स्ट एड बक्से भी साथ रखेंगे । छोटे बच्चों के जेब मे नाम और नम्बर लिखकर एक पुर्जा जरूर डाल दे । उन्होंने सभी स्वयंसेवक को अपने अपने क्षेत्र के घाटों पर स्वच्छता अभियान चलाने का भी निर्देश दिया है । किसी भी आपात स्थिति में 112 पर सम्पर्क करें । साथ ही फाउंडेशन के हेल्पलाइन नम्बर 993485354 पर सम्पर्क स्थापित कर सकते है ।

एशियन महिला हॉकी चैंपियंस ट्रॉफी के अवसर पर नालंदा खंडहर अवस्थित ट्रॉफी गौरव यात्रा कार्यक्रम का शुभारंभ

नई सोच एक्सप्रेस

पटना। श्री रवींद्रण शंकरण ,महानिदेशक -सह - मुख्य कार्यकारी अधिकारी ,बिहार राज्य खेल प्राधिकरण, श्री शशांक शुभंकर ,जिलाधिकारी, नालन्दा एवं श्री भारत सोनी, पुलिस अधीक्षक, नालंदा द्वारा एशियन महिला हॉकी चैंपियंस ट्रॉफी के अवसर पर नालंदा खंडहर अवस्थित ट्रॉफी गौरव यात्रा कार्यक्रम का शुभारंभ द्वीप प्रज्वलित कर किया गया । विदित हो कि बिहार राज्य खेल प्राधिकरण, पटना के तत्वाधान में राजकीय खेल अकादमी- सह-खेल परिसर ,राजगीर में एशियन महिला हॉकी चैंपियंस ट्रॉफी का आयोजन दिनांक 11 नवंबर से 20 नवंबर 2024 तक निर्धारित है , इस प्रतियोगिता में कुल 6 देशों के टीम यथा भारत, चीन, मलेशिया, जापान ,दक्षिण कोरिया एवं थाईलैंड भाग ले रहीं हैं । एशियन महिला हॉकी चैंपियंस ट्रॉफी के सफल आयोजन हेतु आमजनों के बीच ट्रॉफी गौरव यात्रा के माध्यम से जिला प्रशासन द्वारा प्रचार प्रसार करते हुए व्यापक रूप से जागरूकता फैलाई जा रही है । महिला हॉकी मैच की विस्तृत जानकारी हेतु हॉकी राजगीर 2024 ऐप का लॉन्चिंग किया गया । ट्रॉफी यात्रा के अवसर पर नालंदा खंडहर से गुब्बारा छोड़कर जागरूकता फैलाई गई । स्काउट गाइड,एन सीसी, हॉकी खिलाड़ियों के द्वारा ट्रॉफी यात्रा को सफल बनाया गया । एशियन महिला हॉकी चैंपियंस ट्रॉफी के सफल आयोजन हेतु जिला प्रशासन द्वारा नियंत्रण कक्ष, साफ सफाई, आवासन,खानपान व्यवस्था ,परिवहन, यातायात व्यवस्था, विधि व्यवस्था , प्रचार प्रसार , पेयजल, शौचालय आदि की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित की गई है । इस अवसर पर उप विकास आयुक्त, नगर आयुक्त, अपर समाहर्ता,अपर समाहर्ता आपदा,अनुमंडल पदाधिकारी,भूमि सुधार उपसमाहर्ता ,जिला सामान्य प्रशाखा पदाधिकारी ,जिला शिक्षा पदाधिकारी , डीपीओ आईसीडीएस सहित मीडिया ,भारी संख्या में महिला/ पुरुष दर्शन गण आदि उपस्थित थे।

छठ पूजा पर्यावरण व भाईचारा सौहार्द को बढ़ावा देने के साथ-साथ लोगों का भावावेश प्रतीक

नई सोच एक्सप्रेस

पटना। आस्था व सूर्योपासना का अनुपम लोकपर्व छठ पूजा मुख्य रूप से देश में पूर्वांचल क्षेत्र के बिहार, झारखण्ड, पश्चिम बंगाल, पूर्वी उत्तर प्रदेश और नेपाल के तराई क्षेत्रों में मनाया जाता रहा है। लेकिन कुछ वर्षों से देश के अन्य राज्यों सहित विदेशों में भी धूमधाम से मनाया जाने लगा हैं और विश्वभर में प्रसिद्ध हो गया है। वहीं पर्यावरणविदों का दावा है कि छठ सबसे पर्यावरण-अनुकूल हिंदू त्यौहार है साथ ही साम्प्रदायिक सौहार्द व भाईचारा को बढ़ावा देने बाले आस्था व मन्नत का पर्व हैं और लोगों के भावनाओं से भी जुड़ी हुई है। इस बार छठ पर्व पांच नवम्बर को पहले दिन यानी मंगलवार को नहाय-खाय के साथ छठ पूजा शुरू होगा, दूसरे दिन 6 नवंबर को खरना, 7 नवंबर को संध्या अर्घ्य और 8 नवंबर को प्रातः कालीन सूर्य देव को अर्घ्य देकर समापन होगा। आस्था है कि जो छठ पर्व पर भगवान सूर्य

और छठी माता की पूजा- अर्चना पूरे विधि विधान से करते हैं, उन्हें षष्ठी देवी संतान की प्राप्ति, संतान की दीर्घायु, संतान की कुशलता प्राप्त होती है। हिन्दु समाज में जब बच्चा जन्म लेता है और बच्चे के जन्म के छठे दिन मनाई जाने वाली छठी पर भी षष्ठी देवी की ही पूजा की जाती है। वैदिक ज्योतिष के अनुसार, छठी मईया बच्चों को बीमारियों और समस्याओं से बचाती हैं और उन्हें लंबी उम्र और अच्छा स्वास्थ्य देती हैं इसलिए यह पर्व लोगों के

भावनात्मक पर्व मानी जाती है। वहीं छठ पूजा बिहार में कुछ जगहों पर हिन्दुओं द्वारा मनाये जाने वाले इस पर्व को इस्लाम सहित अन्य धर्मावलम्बी भी मनाते देखे जाते हैं। माना जाता है कि इस पर्व का पालन करने से मन की हर मनोकामना पूरी होती है और परिवार में सुख-समृद्धि बरसती है। छठ पर्व को समृद्धि और पूर्णता की प्रतीक बताते है। छठ पूजा को लेकर कई कथाएँ प्रचलित हैं, उनमें से एक कथा के अनुसार जब पांडव अपना सारा राजपाट जुए में हार गये, तब श्री कृष्ण द्वारा बताये जाने पर द्रौपदी ने छठ व्रत रखा। तब उनकी मनोकामनाएँ पूरी हुईं तथा पांडवों को उनका राजपाट वापस मिला। लोक परम्परा के अनुसार सूर्यदेव और छठी मइया का सम्बन्ध भाई-बहन का है। छठ पूजा आस्था का महापर्व माना जाता है। माना जाता है कि इस पर्व का पालन करने से मन की हर मनोकामना पूरी होती है और परिवार में सुख-समृद्धि बरसती है। छठ पर्व को समृद्धि और पूर्णता की प्रतीक बताते है।

नवशक्ति निकेतन के क्रीड़ा सचिव सह-कोषाध्यक्ष एहसान अली अशरफ का निधन

नई सोच एक्सप्रेस

पटना सिटी। सामाजिक सांस्कृतिक एवं क्रीड़ा संस्था नवशक्ति निकेतन के क्रीड़ा सचिव सह-कोषाध्यक्ष तथा एम. ए. ए. हाई स्कूल, पटना सिटी के अवकाश प्राप्त अध्यापक एहसान अली अशरफ का कल असामयिक निधन हो गया। नवशक्ति निकेतन के अध्यक्ष रामाशंकर प्रसाद महासचिव कमलनयन श्रीवास्तव, क्रिकेट टीम कप्तान मुन्ना, पूर्व सांसद, अभयकांत प्रसाद, नई दिशा परिवार के सचिव राजेश राय, चित्रगुप्त सामाजिक संस्थान के अध्यक्ष गणेश कुमार सिन्हा क्रिकेट कोच प्रेम बल्लभ सहाय कांग्रेस नेता शरिफ अहमद रंगरेज सहित अनेक लोगों ने एहसान अली अशरफ के निधन को समाज के लिये अपूरणीय क्षति बताया है, और कहा है कि उनके निधन से समाजिक, सांस्कृतिक खेल जगत में आयी रिक्तता की पूर्ति कि भरपाई संभव नही दिखती । बिहार विधान सभा के अध्यक्ष नंद किशोर यादव, देवेन्द्र बहादुर माथुर, शायर प्रेम किरण, डॉ. आरती कुमारी, डॉ. किशोर सिन्हा, प्रभात कुमार धवन, कैलाश बिहारी सिंह, महेन्द्र अरोड़ा, ज्ञानवर्धन मिश्र, आसिफ अजीमाबादी, चोंच गयाबी, डॉ. निसार अहमद, प्रो. शहनाज फातमी सहित अनेक लोगों ने उनके निधन पर शोक प्रकट किया है।स्व. अशरफ जीवनभर कौमी एकता के लिए काम करते रहे वे शाद अजीमाबदी स्टडी सर्किल के संरक्षक भी थे।

भव्य शोभायात्रा के साथ चित्रगुप्त सामूहिक मूर्ति विसर्जन संपन्न

नई सोच एक्सप्रेस

पटना। अखिल भारतीय कायस्थ महासभा तथा श्री चित्रगुप्त आदि मंदिर प्रबंधक समिति के संयुक्त तत्वावधान में बेली रोड स्थित सहाय सदन से भव्य शोभायात्रा के रूप में सत्तर के आसपास प्रतिमाओं के सामूहिक विसर्जन की शुरुआत हुई । दानापुर से पटना सिटी के मध्य सभी चित्रगुप्त पूजा समितियों द्वारा स्थापित प्रतिमाओं का सहाय सदन में एकत्रित होकर बैंड बाजे तथा ढोल नगाड़े के साथ गाड़ियों की श्रृंखला में शोभायात्रा निकाली गई । इसके पूर्व सहाय सदन में नगर विकास मंत्री नितिन नवीन एवं पूर्व राज्यसभा सांसद आर के सिन्हा ने भगवान चित्रगुप्त की प्रतिमाओं की आरती उतार कर सहाय सदन में स्वागत किया । भगवान चित्रगुप्त की शोभायात्रा क्रमबद्ध गाड़ियों के क़ाफ़िले के रूप में बैंड बाजे से सुसज्जित होकर निकली जिसमें सबसे आगे मोटरसाइकिल पर युवा चित्रांश यात्रा का मार्ग प्रशस्त कर रहे थे । बेली रोड स्थित सहाय सदन से शोभा यात्रा डाक बंगला,एग्जिबिशन रोड,भट्टाचार्जी रोड, सी डी ए बिल्डिंग के पास से पुल पर चढ़कर चिरैयाटांड़ पुल से होते हुए कंकड़बाग मेन रोड पहुँची जहां अगार सिक्योरिटी की ओर से प्रतिमाओं के आरती की व्यवस्था की गई थी। आगे राजेंद्रनगर पुल,कुम्हरार पुल होते हुए बजरंग पूरी में भी उत्थान पूजा समिति के द्वारा भी शोभायात्रा के आरती एवं स्वागत की तैयारी थी। यहाँ से आगे चलकर सामूहिक मूर्ति विसर्जन शोभायात्रा गाय घाट,भद्र घाट होते हुए चित्रगुप्त घाट स्थित श्री चित्रगुप्त आदि मंदिर पहुँची जहां पुनः एक बार भगवान चित्रगुप्त की प्रतिमाओं की सामूहिक आरती की गई तत्पश्चात वैकल्पिक निर्मित तालाब में पूरे श्रद्धा के साथ प्रतिमाओं का सामूहिक विसर्जन किया गया । इस अवसर पर आभाकाम के कार्यकारी अध्यक्ष प्रो निर्मल श्रीवास्तव, प्रदेश अध्यक्ष सुजीत कुमार वर्मा, प्रदेश महिला अध्यक्ष शालिनी सिन्हा, कुसुमलता वर्मा, प्रीति बरियार,नूतन सिन्हा, अमिताभ वर्मा ,प्रमोद कुमार सिन्हा,राजेश कुमार सिन्हा,अरुण कर्ण,अपलेंद्र सिन्हा अप्पू के अलावा बहुत सारे पूजा समिति ,अखिल भारतीय कायस्थ महासभा एवं श्री चित्रगुप्त आदि मंदिर के कई सदस्य उपस्थित थे जिनके सम्मिलित प्रयास से ये भव्य आयोजन सफल हुआ।

श्री चित्रगुप्त पूजा के अवसर पर सांस्कृतिक संध्या का आयोजन

नई सोच एक्सप्रेस

दानापुर। श्री श्री चित्रगुप्त पूजा कमिटी की ओर से,रेलवे न्यू कॉलोनी,खगौल स्थित घनश्याम बालिका विद्यालय परिसर में आयोजित भगवान श्री चित्रगुप्त पूजा के अवसर सांस्कृतिक संध्या का आयोजन किया गया। जिसमें देव एंड फ्रेंड्स म्यूजिकल ग्रुप के गायक अश्वनी कुमार ,गायिका स्मिता सिंहा एवं देव आर्ट एंड म्यूजिक स्कूल की कलाकार मंजू राय एवं ममता ने अपने अपने मधुर गीतों से श्रेष्ठताओं का दिल जीत लिया। इस के साथ रवि रंजन (कीबोर्ड) काजल दा (गिटार),ऑक्टोपैड संतोष कुमार सिंहा,ढोलक पर चंदन एवं देव कुमार लाल संगत कर रहे थे। इस मौके पर मुख्य अतिथि के रूप में दानापुर रेल मंडल के वरीय वाणिज्य प्रबंधक अभिनव सिद्धार्थ, वरीय रेलवे अधिकारी विकास रंजन ,वरिष्ठ पत्रकार सुधीर मधुकर , रजनीश आदि मौजूद थे। कार्यक्रम में श्री श्री चित्रगुप्त पूजा कमिटी के चेयरमैन विनोद कुमार,अध्यक्ष अशोक कुमार वर्मा एवं सचिव विनय कुमार (रमन) , अजय कुमार सिंहा,सुशील कुमार सिंहा,राकेश कुमार सिंहा एवं प्रभात कुमार के अलावा अन्य सदस्यों ने भी महत्वपूर्ण योगदान किया है। सोमवार को पूजा संपन्न होने के बाद धूमधाम से घनश्याम स्कूल और कच्ची तालाब,छोटी खगौल स्थित स्थापित भगवान श्री चित्रगुप्त महाराज प्रतिमा का विसर्जन धूमधाम से किया गया।

डॉ. अवध अग्रवालः 1 साल की उम्र के बाद बच्चों के स्वस्थ विकास के लिए 7 जरूरी टीके

नई सोच एक्सप्रेस

पटना। भारत में एक साल से कम उम्र के बच्चों में टीकाकरण का कवरेज अच्छा है, लेकिन एक साल की उम्र के बाद टीकाकरण कवरेज में गिरावट आने लगती है। इस कारण से देश में बहुत से बच्चों का आंशिक टीकाकरण ही होकर रह जाता है। बच्चों को उनके पहले जन्मदिन के बाद भी कुछ महत्वपूर्ण टीके लगवाना जरूरी है, जिससे कुछ गंभीर वैक्सीन प्रिवेंटेबल डिसीज के खिलाफ उनकी इम्यूनिटी मजबूत हो और उन्हें खुश एवं स्वस्थ भविष्य मिल सके। इंडियन एकेडमी ऑफ पीडियाट्रिक्स (आईएपी) ने 1 से 2 साल की उम्र के बच्चों के लिए 7 जरूरी टीकाकरण की सिफारिश की हैः चिकनपॉक्स एवं हेपेटाइटिस ए की दो डोज, मेनिंजाइटिस और एमएमआर की दूसरी डोज, पीसीवी एवं डीटीपी एचआईबी आईपीवी की बूस्टर डोज और फ्लू की सालाना डोज। ये 7 जरूरी टीके बच्चों को चिकनपॉक्स, हेपेटाइटिस ए, हेपेटाइटिस बी , मेनिंजाइटिस, मीजल्स, मम्प्स, रुबेला, न्यूमोनिया, इन्फ्लूएंजा, डिप्थीरिया, टिटनस, परट्यूसिस, पोलियो और एचआईबी इन्फेक्शन जैसी 14 बीमारियों से बचा सकते हैं। इन महत्वपूर्ण टीकों की जरूरत पर दिव्य ज्योति नर्सिंग होम, पटना के कंसल्टेंट पीडियाट्रिशियन एवं नियोनेटलिस्ट डॉ. अवध अग्रवाल ने कहा, '1 से 2 साल के बच्चों के ऐसी बीमारियों की चपेट में आने का खतरा ज्यादा रहता है, जिनसे टीका लगवाकर बचना संभव (वैक्सीन प्रिवेंटेबल डिसीज) है। ये बीमारियां उनके विकास पर नकारात्मक प्रभाव डाल सकती हैं। अपने अनुभव में मैंने देखा है कि बहुत से माता-पिता बच्चों का टीकाकरण शेड्यूल पूरा नहीं करते हैं। बच्चों के इम्यून सिस्टम को मजबूत करने के लिए जरूरी है कि बच्चों को इंडियन एकेडमी ऑफ पीडियाट्रिक्स की तरफ से निर्धारित किए गए सभी टीके लगवाए जाएं। मैं सभी माता-पिता से आग्रह करता हूं कि इन टीकों के बारे में ज्यादा जानकारी के लिए अपने डॉक्टर से बात करें।' 1 साल की उम्र होने के बाद भी बच्चों में संक्रामक बीमारियों का खतरा ज्यादा रहता है, क्योंकि उनका इम्यून सिस्टम पूरी तरह विकसित नहीं होता है। इससे संक्रमित होने और स्थिति जटिल होने का खतरा बढ़ जाता है। ये जटिलताएं उनके विकास को बाधित कर सकती हैं और उनके फॉर्मेटिव एक्सपीरियंस (रचनात्मक अनुभव) पर नकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है। शोध बताते हैं कि अधूरे टीकाकरण से पोषण की स्थिति भी खराब हो सकती है। इससे संक्रमणों की चपेट में आने और देरी से ठीक होने का खतरा और भी बढ़ जाता है। इतना ही नहीं, बच्चों को होने वाली बीमारियां माता-पिता के लिए भी चुनौती होती हैं, क्योंकि उन्हें मेडिकल केयर के लिए पैसों की जरूरत पड़ती है। इसके साथ-साथ इस बात की आशंका भी बढ़ जाती है कि परिवार का कोई अन्य सदस्य भी संक्रमण की चपेट में आ जाए। इन टीकों को बचाव योग्य संक्रमणों के नियंत्रण, महामारी को रोकने, बीमारियों को खत्म करने और परिवारों एवं स्वास्थ्य व्यवस्था पर आर्थिक दबाव कम करने में प्रभावी पाया गया है। माता-पिता को टीकाकरण के पूरे शेड्यूल का पालन करने के लिए अपने पीडियाट्रिशियन से कंसल्ट करना चाहिए और प्राथमिकता के साथ ये 7 टीके लगवाने चाहिए, जिससे उनके बच्चों का स्वस्थ, प्रसन्न एवं बेहतर भविष्य सुनिश्चित हो।

भव्य जुलूस के साथ श्री चित्रगुप्त जी की प्रतिमाओं का हुआ सामुहिक विसर्जन पटना सिटी के चित्रगुप्त घाट मे

नई सोच एक्सप्रेस

पटना सहाय सदन मे विभिन्न पूजा समितियों से आई श्री चित्रगुप्त की प्रतिमाओं को सामुहिक विसर्जन यात्रा हेतु आरती उतारकर पूर्व सांसद आर के सिन्हा ने रवाना किया. राष्ट्रीय मंत्री ऋतुराज सिन्हा के अलावा आयोजन समिति के प्रो निर्मल श्रीवास्तव, सुजीत वर्मा ,अरुण कर्ण समेत भारी संख्या मे अन्य पदाधिकारी शामिल थे। सभी प्रतिमाएं अन्नपूर्णा भवन से भव्यता के साथ सहाय सदन और सहाय सदन से शहर के विभिन्न मार्गों से होती हुई पटना सिटी स्थित श्री चित्रगुप्त आदि मंदिर मे एकत्रित हुईं. यहाँ महाआरती के बाद एक एक कर सभी प्रतिमाओं को मंदिर परिसर मे स्थित विसर्जन सरोवर मे विधि पूर्वक विसर्जित किया गया।आयोजन के प्रणेता पूर्व सांसद आर के सिन्हा ने बताया कि उन्होंने श्री चित्रगुप्त आदि मंदिर के अध्यक्ष का दायित्व लेने के बाद मंदिर को देश का भव्य धार्मिक पर्यटन स्थल बनाने और कलमजीवियों के नव जागरण आंदोलन को सशक्त करने की योजना के अंतर्गत पटना मे गठित सौ से अधिक पूजा समितियों की श्री चित्रगुप्त प्रतिमाओं के सामुहिक विसर्जन को सबकी सहमति से करना शुरू किया। जिसकी भव्यता बढ़ी है। ज्ञातव्य है कि 15 वर्षों पहले तक सारी प्रतिमाएं अलग अलग ही विसर्जित होती थीं। फिर स्वर्गीय रविनंदन सहाय के नेतृत्व मे लिए गए निर्णय के बाद गांधी मैदान मे सारी प्रतिमाएं एकत्रित होती थीं जिन्हें पास स्थित कलक्टरी घाट मे विसर्जन किया जाता था। सभी प्रतिमायों का आरती डॉ आर के सिन्हा द्वारा किया गया। सांस्कृतिक कार्यक्रम में लोकगायिका मनीषा श्रीवास्तव के द्वारा प्रस्तुत किया गया। विसर्जन कार्यक्रम में माननीय मंत्री नितिन नवीन, मेयर सीता साहू उपस्थित रहे। श्री चित्रगुप्त आदि मंदिर के उपाध्यक्ष संजय कुमार सिन्हा और प्रधान सचिव सुदामा प्रसाद के साथ ही नवीन कुमार सिन्हा,अनुज सिन्हा,नवल सिन्हा आदि ने विसर्जन प्रबंधन में सहयोग किया.

संक्षिप्त समाचार

शिशुपाल ने पेश किया ईमानदारी का मिशाल

फतुहा। लाइफ लाइन ऑक्सीजन बैंक के सचिव सह रोगी कल्याण समिति के सदस्य शिशुपाल कुमार को फोरलेन पर एक स्मार्ट मोबाइल गिरा हुआ प्राप्त हुआ । इन्होंने ईमानदारी के मिशाल पेश करते हुये फतुहा थाना को मोबाइल सौप दिया । शिशुपाल के इस कार्य को चारों तरफ काफी सराहना किया जा रहा है । शिशुपाल दिव्यांग होते हुये समाज के प्रगति के लिए सदैव तैयार रहते है । कोरोना काल मे हजारों लोगों को मुफ्त में औक्सीजन सिलेंडर उपलब्ध कराया है । शिशुपाल के इस कार्य को बिहार श्रमजीवी पत्रकार यूनियन पटना के महासचिव प्रेम कुमार, आनंद कुमार पाठक, कपिलदेव प्रसाद, डा राजीव कुमार,डॉ उमेश कुमार यादव, मो राजू ,गौरव गुप्ता,चंदन पटेल, राजदीप ने हर्ष व्यक्त किया है ।

बाइक सवार बदमाशों ने जमीन विवाद में व्यक्ति को मारी गोली

छपरा। बनियापुर थाना क्षेत्र के पिरौटा में अपराधियों ने रविवार की देर रात एक व्यक्ति को गोली मार दिया। जिससे यह गंभीर रूप से घायल हो गया जिन्हें इलाज के लिए सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहाँ से उसे बेहतर ईलाज के लिए पीएमसीच रेफर कर दिया गया। घायल व्यक्ति की पहचान पिरौठा निवासी ब्रजभूषण दुबे पिता रघुबर दुबे के रूप में हुई। गोली मारने का मुख्य कारण आपसी का जमीनी विवाद बताया जा रहा रहा है। गोली घायल व्यक्ति के सीने और बांह को चीरती हुई निकल गई है। प्राप्त जानकारी अनुसार घायल ब्रजभूषण दुबे अपने परिवार के साथ लखनऊ में रहकर नौकरी करते है। दीपावली और छठ पूजा को लेकर वह बनियापुर अपने घर आये हुए है। रविवार के देर रात अपराधियों ने उनके घर पर चढ़कर उन्हें गोली मार दिया। घायल ब्रजभूषण दुबे ने बताया कि रात में हम घर के बाहर खड़े थे। तभी एक बाइक पर सवार होकर दो लड़के आए और गोली मारकर भाग गए। उसमें एक लड़के को मैंने पहचान लिया जो रविरंजन था। उसके साथ मेरा जमीनी विवाद चल रहा है। वह पहले भी जान से मारने का धमकी दे चुका है।

सदर एसडीओ के छापेमारी से व्यापारियों मे मचा हड़कंप

समस्तीपुर। आगामी लोक आस्था का महान छठ पर्व के मद्दे नजर खाद्य सुरक्षा में मिलावट की रोकथाम को लेकर समस्तीपुर शहर के मुख्य बाजार के सभी आलू प्याज लहसुन के गोदाम पर एवं अन्य जनरल स्टोर के मुख्य विक्रेताओं के यहां गुड़ , सत्तू,बेसन, सरसों तेल, देसी घी इत्यादि पर छापामारी कर सैंपल लिया गया । सदर एसडीओ दिलीप कुमार के नेतृत्व में एवं साथ में खाद्य निरीक्षक के साथ छापेमारी की कार्रवाई किया गया है। उन्होने बताया की लोगों के स्वास्थ के मद्देनज़र मिलावटी खाद्य समाग्री के विरुद्ध ये कार्रवाई की गई है, उन्होने बताया की लगातार मिलावटी खाद्य समाग्री की मिल रही शिकायतों को लेकर ये अभियान चलाया गया है व आगे भी अभियान चलाया जाएगा, वहीँ इस कार्रवाई को लेकर व्यापारियों मे हड़कंप मच गया है।

छठ व्रतियों के बीच साड़ी, सूप और नारियल वितरण

छपरा। महर्षि श्रीधर बाबा स्वास्थ्य एवं जन कल्याण केंद्र सराय बक्स द्वारा नेत्र अस्पताल में सोमवार को आठ दर्जन छठ व्रतियों के बीच कलसुप,नारियल, धूप, अगरबत्ती माचिस वितरण की गई। संस्थापक संत श्रीधर बाबा ने कहा कि की लोक आस्था के महापर्व छठ को काफी शुद्धता और पवित्रता से त्रेता और द्वापर युग से ही मनाया जाता है। पर्व को करने वाली माताएं ही छठी मईया के स्वरूप होती है। छठ व्रत करने सभी प्रकार के मनोरथ पूर्ण होते है। उन्होंने कहा कि अगर ईश्वर ने आपको कुछ दिया है तो अपने आसपास के लोगों की मदद करनी चाहिए।

गन्ना पेराई का डीएम ने किया शुभारंभ

नई सोच एक्सप्रेस

सुगौली। प्रखंड के एचपीसीएल बायोफ्यूल्स लिमिटेड इकाई का चिनिमिल सुगौली का गन्ना पेराई सत्र 2024-25 का शुभारंभ डोंगा पूजा इंडेंट पूजा कर किया गया।गन्ना पेराई सत्र का शुभारंभ डीएम सौरभ जोरवाल ने वैदिक मंत्रोच्चारण के बीच किया।इस अवसर पर इकाई के उप महाप्रबंधक गन्ना शैलेन्द्र कुमार मिश्र ने सभी यंत्रों,तौल,सेतुओं,गन्ना लाएं हुए किसान गाड़ीवान व बैलों की पूजा की।डीएम ने कहा कि यहां के किसानों के लिए यह सुखद समय है कि सुसमय चिनिमिल में गन्ना की पेराई शुरू की जा रही है।क्षेत्र के कई लोगो को रोजगार मिलता है। किसानों के लिए चिनिमिल वरदान साबित होगी।समय पर गन्ना की कटाई करने से अन्य फसलों को भी उगाया जाएगा। मौके पर बीडीओ नूतन किरण,सीओ कुंदन कुमार सहित स्थानीय व जिला प्रशासन के अधिकारी मौजूद रहे। एचपीसीएल के मुख्य वित्त अधिकारी प्रकाश कुमार,जीएम विजय कुमार दीक्षित,डीजीएम योगेंद्र बहादुर सिंह,रमेश शुक्ला, गन्ना प्रबंधक संजीव कुमार,हरिश्चंद्र श्रीवास्तव,सेफ्टी अधिकारी दिवाकर पांडेय,पीयूष शरण सहित सभी अधिकारी व कर्मचारी थे।गन्ना उत्पादक किसानों में अनिल दुबे,नागेंद्र सिंह,विजय नायक,धर्मेंद्र तिवारी,प्रदीप सराफ,नागेंद्र यादव,म0 असहाब सहित कई थे।महाप्रबंधक श्री दीक्षित ने कहा कि पेराई सत्र 2024-25 के दौरान 50 लाख क्विंटल गन्ना पेराई का लक्ष्य रखा गया है।जिसे लगभग 150 दिनों में पूरा कर लिया जाएगा।कारखाने के परिचालन नवंबर माह में प्रारंभ होने से किसानों में हर्ष का माहौल है।क्योंकि उनको अपना खूंटी गन्ना काटकर मिल में आपूर्ति करने से समय पर खेत खाली रहेगा।जिसमे आलू,दलहन,तेलहन आदि फसलों की खेती करने का मौका मिलेगा।उन्होंने कहा कि सही तौल और समय और भुगतान देने की परंपरा विगत वर्षों की भांति इस वर्ष भी अनवरत जारी रहेगा। साथ ही किसानों से यह अपील की जाती है कि अधिक से अधिक क्षेत्रफल में गन्ना की खेती की जाय।क्योंकि सुगौली क्षेत्र में कभी बाढ़ तो कभी सुखाड़ होने के कारण किसानों की अन्य फसल बर्बाद होती है।मौसम के प्रतिकूल रहने पर भी गन्ना की फसल सह लेती है।इसलिए किसान अन्य फसलों में जोखिम न लेकर गन्ना की खेती करें।मौके पर बीजेपी जिलाउपाध्यक्ष प्रदीप सराफ,अफरोज आलम,इकराम हुसैन सहित कई थे।

आठ कार्टन अंग्रेजी शराब के साथ स्कॉर्पियो जब्त,तीन तस्कर गिरफ्तार

नई सोच एक्सप्रेस

छपरा। जिले के मशरक थाना क्षेत्र अंतर्गत चंदेश्वर मोड़ पर उत्पाद थाना पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर वाहन चेकिंग अभियान के दौरान आठ कार्टन अंग्रेजी शराब लदे स्कॉर्पियो को जब्त कर तीन तस्करों को गिरफ्तार किया । गिरफ्तार तस्कर यूपी के गोरखपुर जिला के रामगढ़ थाना क्षेत्र निवासी शहीद खां का पुत्र अजीम खां, गोरखपुर कैंट थाना क्षेत्र निवासी श्याम सुंदर दूबे का पुत्र विजय दूबे एवं सत्यप्रकाश मिश्रा के पुत्र आर्यन मिश्रा बताये गये हैं। पूछताछ के दौरान गिरफ्तार तस्करों ने बताया कि शराब यूपी के देवरिया से मुजफ्फरपुर ले जाया जा रहा था।

सांसद ने किया छठ घाट का निरीक्षण, अधिकारियों को दिये दिशा निर्देश

नई सोच एक्सप्रेस

छपरा। लोक आस्था के महापर्व छठ को ले घाटों पर व्रतियों की सुविधा और सुरक्षा के लिए तैयारियां चल रही है। इसी क्रम में सांसद और जल संसाधन संसदीय समिति के अध्यक्ष राजीव प्रताप रुडी ने छपरा के राजेन्द्र सरोवर और अमनौर स्थित अमृत सरोवर के छठ घाटों - का निरीक्षण किया। सांसद ने अमनौर विधायक मंटू सिंह, भाजपा जिलाध्यक्ष रंजीत कुमार सिंह, पूर्व प्रत्याशी धर्मेन्द सिंह, सत्येन्द्र कुमार, भाजपा नेता राकेश कुमार सिंह, निरंजन शर्मा, विवेक सिंह, चंदन सोनी, धर्मेंद्र चौहान व अन्य भाजपा कार्यकर्ताओं के साथ घाटों पर - नियंत्रण कक्ष की स्थापना, प्रकाश की पर्याप्त व्यवस्था, गोताखोर, बैरिकेडिंग,शौचालय, पेयजल, आदि कार्यों की तैयारियों का जायजा लिया। निरीक्षण उपरान्त सांसद ने डीएम अमन समीर,एसपी कुमार आशीष, एसडीओ लक्ष्मण तिवारी और नगर आयुक्त सुनील पांडेय और अन्य अधिकारियो के साथ बैठक की। इस दौरान सांसद ने पुलिस और प्रशासनिक अधिकारियों को घाटों पर व्रतियों की सुविधा हेतु पूरी निष्ठा एवं सेवा भावना से कार्य पूरा करने का निर्देश दिया ।

बीएलओ डोर टू डोर जाकर मतदाताओं का नाम जोड़ें : डीएम

नई सोच एक्सप्रेस

छपरा। जिलाधिकारी अमन समीर की अध्यक्षता में सोमवार को साप्ताहिक समन्वय बैठक आहुत की गई।न्यायालय से संबंधित मामलों में सभी संबंधित पदाधिकारियों को ससमय तथ्य विवरणी दायर करने का निदेश दिया गया। पैक्स निर्वाचन से संबंधित तैयारी को समयबद्ध ढंग से निष्पादित करने का निदेश सभी संबंधित पदाधिकारियों को दिया गया। जिले में 29 पंचायतों में पंचायत सरकार भवन के निर्माण हेतु भूमि चिन्हित करना शेष है, इस कार्य को उच्च प्राथमिकता देते हुए सुनिश्चित करने का निदेश सभी अंचलाधिकारी एवं प्रखंड विकास पदाधिकारियों को दिया गया। मतदाता सूची का विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्यक्रम चलाया जा रहा है। इस अभियान के तहत 2, 3, 23 एवं 24 नवंबर को विशेष अभियान दिवस निर्धारित है। जिलाधिकारी ने कहा कि छठ महापर्व में अधिकांश लोग अपने गाँव/घर आते हैं। इसको देखते हुये 9 एवं 10 नवंबर को भी विशेष अभियान दिवस चलाने का निदेश दिया गया। इस दिन सभी बीएलओ डोर टू डोर जाकर लोगों से संपर्क करेंगे तथा जिन लोगों का नाम मतदाता सूची में शामिल नहीं है उनका नाम सूची में शामिल करने हेतु कार्रवाई सुनिश्चित करेंगे। युवा मतदाताओं एवं महिला मतदाताओं का नाम जोड़ने हेतु विशेष पहल सुनिश्चित करने को कहा गया है। सभी निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी एवं सहायक निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी को इसका सघन पर्यवेक्षण करने का निदेश दिया गया। सभी बीएलओ एक विशेष प्रपत्र में डोर टू डोर विजिट का आंकड़ा संकलित करेंगे। बैठक में उपविकास आयुक्त, नगर आयुक्त, अपर समाहर्त्ता, अनुमंडल पदाधिकारी, विभिन्न विभागों के जिला स्तरीय पदाधिकारी एवं वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से अन्य अनुमंडल पदाधिकारी, भूमि सुधार उपसमाहर्त्ता, प्रखंड विकास पदाधिकारी, अंचलाधिकारी आदि जुड़े थे।

लेट्स इंस्पायर बिहार

राहुल कुमार सिंह
मुख्य कोऑर्डिनेटर, लेट्स इंस्पायर, बिहार

पर्यटन विकास से बिहार में होगा रोजगार सृजन

नई सोच एक्सप्रेस

रोहतास गढ़ किले को आज़ाद करने के लिए आईपीएस विकास वैभव ने ऑपरेशन विध्वंस चलाया और 26 जनवरी 2009 को भारतीय तिरंगा फहराया। आज रोहतास गढ़ किला पर्यटकों के आकर्षण का केंद्र बना हुआ है। इनका कहना है कि इतने बड़े विशाल युवा आबादी को रोज़गार देने में पर्यटन महत्वपूर्ण भूमिका अदा कर सकता है।

[बिहार में हिन्दू (रोहतास, पटना, बक्सर, सीतामढ़ी, आरा, बेगूसराय, भागलपुर), मुसलमान, बुद्ध, जैन एवम सिख धर्म के अनेक महत्वपूर्ण तीर्थ स्थल है। इनमे गया (पिंडदान हिन्दू), मनेर एवम फुलवारी शरीफ (मुसलमान), राजगीर, वैशाली , बोध गया, नेचुआ जलालपुर एवं केसरिया (बुद्ध), पावापुरी (जैन) और पटना साहिब (सिख), गोल घर आदि उल्लेखनीय धार्मिक एवं भ्रमणीय स्थल है। इसके अलावा भी हज़ारों एतिहासिक स्थलों को आकर्षण का केंद्र बना कर देश विदेश के पर्यटकों को अपनी ओर आकर्षित किया जा सकता है। इससे न केवल बिहार की अर्थव्यवस्था सुदृढ़ होगी बल्कि करोड़ों लोगों को रोज़गार भी मिलेगा।] विश्व आर्थिक मंच (WEF) के यात्रा एवं पर्यटन विकास सूचकांक 2024 में भारत की रैंकिंग बढ़कर 39 हो गई है और पर्यटन क्षेत्र भारत के सकल घरेलू उत्पाद (GDP) में 7% का योगदान देता है। पर्यटन एवं आतिथ्य उद्योग के विकास पर इंडिया ब्रांड इक्विटी फाउंडेशन (IBEF) की रिपोर्ट के अनुसार, यात्रा और पर्यटन भारत में दो सबसे बड़े उद्योग हैं जो देश के सकल घरेलू उत्पाद में लगभग 178 बिलियन अमेरिकी डॉलर का योगदान करते हैं। भारत का 'वसुधैव कुटुंबकम' का दर्शन बहुपक्षवाद का समर्थन करता है और पाक पर्यटन (culinary tourism) इस लोकाचार को प्रदर्शित कर सकता है। हाल का धर्मशाला घोषणा वैश्विक पर्यटन में भारत की संभावना को चिह्नित करता है और घरेलू पर्यटन पहलों को बढ़ावा देता है। यात्रा और पर्यटन ने 32.1 मिलियन रोज़गार अवसर सृजित किये, जो वर्ष 2021 में कुल रोज़गार का 6.9% था। उदाहरण के लिये, आतिथ्य उद्योग (होटल, रेस्तरां और ट्रैवल एजेंसियों सहित) प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रूप से लाखों लोगों को रोज़गार प्रदान करता है। पर्यटन मंत्रालय के अनुसार दिसंबर 2023 में विदेशी पर्यटक आगमन (Foreign Tourist Arrivals-FTAs) की संख्या 1,070,163 दर्ज की गई। जनवरी-दिसंबर 2023 की अवधि के दौरान FTAs की संख्या 9,236,108 दर्ज की गई, जो जनवरी-दिसंबर 2022 में 6,437,467 रही थी। लोकप्रिय गंतव्यों में आगरा का ताजमहल, अमृतसर का स्वर्ण मंदिर, गोवा के समुद्र तट, केरल के बैकवाटर और हिमाचल प्रदेश एवं उत्तराखंड के हिल स्टेशन शामिल रहे। देश की लंबी तटरेखा विभिन्न आकर्षक समुद्र तटों से संपन्न है। इसके साथ ही, वित्तीय वर्ष 2027 तक भारत में यात्रा बाज़ार के 125 बिलियन अमेरिकी डॉलर तक पहुँचने का अनुमान है, जबकि वर्ष 2028 तक अंतर्राष्ट्रीय पर्यटक आगमन की संख्या 30.5 मिलियन तक पहुँचने की उम्मीद है। वर्ष 2029 तक इस क्षेत्र में लगभग 53 मिलियन रोज़गार अवसर सृजित होने की उम्मीद है। उम्मीद की जाती है कि देश के सकल घरेलू उत्पाद में इस उद्योग का प्रत्यक्ष योगदान वर्ष 2019 और 2030 के बीच 7-9% की वार्षिक वृद्धि दर दर्ज करेगा। जयपुर लिटरेचर फेस्टिवल और गोवा कार्निवल जैसे उत्सव पूरे भारत से पर्यटकों को आकर्षित करते हैं तथा राष्ट्रीय एकता एवं सांस्कृतिक आदान-प्रदान की भावना को बढ़ावा देते हैं। 'वोकल फॉर लोकल' के मंत्र के साथ स्वदेश दर्शन 2.0 नामक नई योजना का उद्देश्य पर्यटन गंतव्य के रूप में भारत की पूरी क्षमता को साकार कर "आत्मनिर्भर भारत" के लक्ष्य को प्राप्त करना है। बौद्ध सम्मेलन भारत को बौद्ध गंतव्य और दुनिया भर के प्रमुख बाज़ारों के रूप में बढ़ावा देने के उद्देश्य से हर वैकल्पिक वर्ष में आयोजित किया जाता है। वर्ष 2014-15 में देश में थीम आधारित पर्यटन सर्किट के एकीकृत विकास के लिये शुरू किया गया था। इस योजना के तहत पंद्रह विषयगत सर्किटों की पहचान की गई है- बौद्ध सर्किट, तटीय सर्किट, डेज़र्ट सर्किट, इको सर्किट, हेरिटेज सर्किट, हिमालयन सर्किट, कृष्णा सर्किट, नॉर्थ ईस्ट सर्किट, रामायण सर्किट, ग्रामीण सर्किट, आध्यात्मिक सर्किट, सूफी सर्किट, तीर्थंकर सर्किट, जनजातीय सर्किट, वन्यजीव सर्किट। पर्यटकों के विरुद्ध चोरी एवं ठगी जैसे अपराधों सहित सुरक्षा संबंधी विभिन्न चिंताएँ विशेष रूप से महिला पर्यटकों को प्रभावित करती हैं। उदाहरण के लिये, मार्च 2024 में झारखंड के दुमका ज़िले में एक विदेशी महिला पर्यटक के साथ सामूहिक बलात्कार की घटना सामने आई। बिहार की समृद्ध विरासत और विविध व्यंजनों का लाभ उठाकर बिहार के 'सॉफ्ट पावर' को बढ़ाया जा सकता है तथा विदेशी राजस्व को आकर्षित किया जा सकता है। ऐसा कर बिहार रोज़गार को बढ़ावा दे सकता है और असंगठित क्षेत्र को आकर्षित कर सकता है। सोशल मीडिया, ट्रैवल वेबसाइट और वर्चुअल टूर का उपयोग कर पर्यटन स्थलों की दृश्यता में उल्लेखनीय वृद्धि की जा सकती है। एक सुदृढ़ ऑनलाइन उपस्थिति वैश्विक ध्यान आकर्षित करेगी और संभावित पर्यटकों के लिये अपनी यात्रा की योजना बनाना आसान कर सकेगी। लिट्टी चोखा, सत्तू, मालपुआ, बालूशाही, खाजा बिहार का सबसे प्रसिद्ध व्यंजन है। बिहार को आगे बढ़ाने में पर्यटन की भूमिका महत्वपूर्ण साबित होगी।

ट्रेन के चपेट में आने से दो महिलाओं की हुई दर्दनाक मौत, परिजनों में मचा कोहराम

नई सोच एक्सप्रेस

समस्तीपुर। जिले के मोहिउद्दीन नगर प्रखंड के हाजीपुर -बरौनी रेलखंड के समस्तीपुर जिला के मोहिउद्दीननगर रेलवे स्टेशन के समीप दो महिला की ट्रेन के चपेट में आने से दर्दनाक मौत हो गई .घटना के संदर्भ में बताया गया है.हाजीपुर बरौनी रेलखंड के मोहिउद्दीननगर रेलवे स्टेशन से जनसेवा एक्सप्रेस स्टेशन से प्रस्थान कर रही थी तभी अचानक विद्यापतिनगर थाना क्षेत्र के बढौना गांव निवासी मंटून शाह के पत्नी मिना देवी ट्रेन की चपेट में आ गई और मौत हो गई.वही दूसरी महिला जो मोहिउद्दीननगर थाना क्षेत्र के कल्याणपुर बस्ती पश्चिम पंचायत के टाड़ा निवासी भुट्ठु राय के पत्नी सुदामा देवी के रूप में हुई है.जो अरुणाचल एक्सप्रेस सुपरफ़ास्ट ट्रेन के चपेट में आकर मौत हो गई. मृतिका सुदामा देवी बेगूसराय जिला के बछवाड़ा थाना क्षेत्र के झमाटिया से गंगा स्नान कर अपने घर लौट रही थी.इसी बीच यह घटना घटी है.इस बाबत पटोरी आरपीएफ प्रभारी दीपक कुमार सिंह ने बताया कि घटना के बाद दोनों मृतिका के परिजन शव अपने घर ले गए हैं .उधर घटना के बाद दोनों मृतिका के परिजनों में कोहराम मच गया है।

सुभीत सिंह का चयन रणजी ट्रॉफी क्रिकेट मैच के अंपायर में

नई सोच एक्सप्रेस

समस्तीपुर। पटना के मोइनुल हक स्टेडियम में 6 से 9 नवंबर से शुरू हो रहा है रणजी ट्रॉफी क्रिकेट मैच में कर्पूरीग्राम स्थित पी आर इंटर स्कूल में प्लस टू शिक्षक के रूप में कार्यरत सुभीत कुमार सिंह का चयन बतौर फोर्थ अंपायर में हुआ है। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड के तत्वावधान में आयोजित चार दिवसीय इस रणजी ट्रॉफी क्रिकेट मैच में मध्य प्रदेश के खिलाफ बिहार अपना दूसरा मैच खेलने उतरेगी। इस मैच में सुभीत सहायक अंपायर सह तकनीकी पदाधिकारी के रूप में दिखेगें। व्याख्याता डॉ जितेन्द्र कुमार सिंह व माता सुनिता देवी का पुत्र सुभीत को बचपन से ही क्रिकेट खेल में रूचि था। उन्होंने अपने क्रिकेट कैरियर में अंतर महाविद्यालय, ईस्ट जोन, अंडर- 22 बिहार स्टेट जाकिर हुसैन ट्रॉफी, हेमन ट्रॉफी आदि क्रिकेट प्रतियोगिता में तेज गेंदबाज के रूप में अपना पहचान बनाया। वर्ष 2000 में बिहार की मान्यता समाप्त होने के बाद क्रिकेटर बनने के उनके सपने को झटका लगा। क्रिकेट के प्रति इनके जुनून को देखते हुए विद्यालय के पूर्व प्रधानाध्यापक धीरेंद्र मोहन मुकुल ने उनका हौसला बढ़ाते हुए अंपायरिंग के क्षेत्र में आगे बढ़ने को कहा। वर्ष 2018 में बिहार को पुनः मान्यता मिलने के बाद नवादा में आयोजित स्टेट पैनल अंपायरिंग परीक्षा में सुभीत ने आठवां रैंक लाकर ए ग्रेड में स्थान पक्का किया। और एसजीएफआई, अंडर-14, अंडर-19, अंडर-22 एंव बीसीए सीनियर व जूनियर एंव हेमन ट्रॉफी सहित स्टेट लेवल के दर्जनों मैचों में निर्विवाद अंपायरिंग भूमिका निभाई। उनके इसी काबिलियत को देखते हुए बिहार क्रिकेट संघ ने इनका चयन अब राष्ट्रीय स्तर पर अपनी चमक बिखेरने के लिए किया है। सहायक अंपायर में सुभीत की प्रतिनियुक्ति होने की खबर के बाद जिले खेल प्रेमियों में खुशी का माहौल है। जिला क्रिकेट संघ के पूर्व अध्यक्ष अजय शंकर सिंह व सचिव सोनू झा ने उनके इस उपलब्धि पर हर्ष व्यक्त किया है। वही सुभीत ने इसका श्रेय बिहार क्रिकेट संघ के चयन कमेटी एंव बिहार ओपरेशं मैनेजर एके चंदन पूर्व जिला सचिव रंजीत कुमार सिंह सहित सभी संघ के पदाधिकारी को दिया है. अंपायर तरवेंदर सिह, मुकेश वर्मा, राजेश अकेला, मो नसीम, झून्नू बाबा,राकेश कुमार, ब्रजेश झा, प्रवीण कुमार सहित कई खेल प्रेमियों ने सुभीत को बधाई दी है।

किशोरी की हत्या कर लाश को फेंका, जांच में जुटी पुलिस

नई सोच एक्सप्रेस

समस्तीपुर। शाहपुर पटोरी थाना क्षेत्र के शाहपुर उंडी के वार्ड 20 निवासी ड्राइवर रजनीकांत सिंह की पुत्री शिल्पी कुमारी 17 की लाश उसके घर से कुछ ही दूर रहरी के खेत में सोमवार की सुबह मिली। घटना की सूचना मिलते ही थानाध्यक्ष कुणाल चंद्र सिंह,ब्रज किशोर यादव,बलाल खां पुलिस बल के साथ घटनास्थल पर पहुंचे और मामले की छानबीन में जुट गए। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए समस्तीपुर भेज दिया है घटना के सम्बंध में बताया जा रहा है कि आशा कार्यकर्ता रंजना रानी की 17 वर्षीय पुत्री शिल्पी रविवार की शाम 4 बजे से ही घर से गायब थी।खोजबीन के बाद पता नही चलने पर रविवार की रात परिजनों ने थाना को सूचना दी। सोमवार की सुबह ग्रामीणों ने खेत मे लाश को देखकर शोर मचाया। इसके बाद किशोरी के परिजन वँहा पँहुचे। मृतका के गले पर बने निशान से प्रतीत होता है कि उसकी गला दबाकर हत्या की गई है। वैसे कारणों का खुलासा पोस्टमार्टम के बाद ही चल सकेगा। दूसरी ओर मृतका के परिजन भूमि विवाद में हत्या किये जाने की बार कह रहे हैं। बता दें कि रंजना रानी का मायका शाहपुर उण्डी मुहल्ला में है। उसने जमीन खरीद कर अपने मायके के बगल में ही घर बना कर रह रही है। घर के जमीन को लेकर कुछ लोगों से वर्षों से भूमि विवाद चल रहा है। परिजनों द्वारा भूमि विवाद में हत्या का आरोप लगाया जा रहा है। मृतका के पिता रजनीकांत ड्राइवर का काम करते हैं, और वो पूर्व में थाने का भी गाड़ी चलाया करते थे। वैसे पुलिस सभी बिंदुओं पर जांच करने की बात कह रही है।

संक्षिप्त समाचार

पंचदेवरी के विशुनपुरा में लगी आग, चार घर जलकर राख

काफी मशक्कत के बाद ग्रामीणों में आग पर पाया काबू

पंचदेवरी। प्रखंड के विशुनपुरा में सोमावर की दोपहर अचानक आग लग गयी। इस घटना में तीन आवासीय व एक गैर आवासीय घर पूरी तरह जलकर राख हो गये। अगलगी के कारणों का पता नहीं चल सका है। घटना में पीड़ित परिवारों को काफी क्षति हुई है। लाखों की संपत्ति जल गयी है। बताया जाता है कि इस गांव के हरकेश चौहान के परिजन सोमावर की दोपहर घर के आस-पास काम कर रहे थे। कुछ सदस्य घर के अंदर भी थे। इसी बीच घर में अचानक आग लग गयी। कुछ ही देर में आग ने विकराल रूप ले लिया।आग की लपटें आसमान छूने लगीं। दिनेश चौहान, उमेश चौहान व महेश चौहान के घरों को भी आग ने अपने चपेट में ले लिया. आस-पास के गांवों से काफी संख्या में ग्रामीण घटना स्थल पहुंच गये. ग्रामीणों व परिजनों के काफी प्रयास के बाद आग बुझी, लेकिन घरों के अंदर से सामान नहीं निकाले जा सके। अनाज, कपड़ा समेत घर में रखे सभी सामान जलकर राख हो गये। घटना के बाद पीड़ित परिवार काफी चिंता में है। न खाने के लिए अनाज बचा है और न रहने के लिए कोई अन्य व्यवस्था। पल भर में ही सारी संपत्ति जलकर राख हो गयी। घटना के संबंध में सीओ तरुण कुमार रंजन ने बताया कि पीड़ित परिवारों को तत्काल राहत सामग्री उपलब्ध करायी गयी है। जांच के बाद आगे भी नियमानुकूल सहायता उपलब्ध करायी जायेगी।

एनडीए प्रत्याशी सरयुग राय को जनता का मिल रहा अपार समर्थनः-मंत्री श्रवण कुमार

झारखंड। जमशेदपुर में बिहार सरकार के ग्रामीण विकास मंत्री श्रवण कुमार ने मीडिया कर्मियों को संबोधित करते हुए कहा कि झारखंड में एनडीए की मजबूत सरकार बनने जा रही है। जमशेदपुर के डिमना चौक चंद्रवतीनगर,गोपालनगर,सोनारी,सोनारी खुटाडीह सोनारी जीरो, बारीडीह सहित विभिन्न स्थानों पर जमशेदपुर की महान जनता एनडीए प्रत्याशी सरयुग राय को अपना मत देने को काफी उत्साहित है। वर्तमान की हेमंत सोरेन सरकार भारत सरकार के द्वारा झारखंड को मिल रहे केंद्रांस राशि को खर्च तक नहीं कर पा रही है। हर क्षेत्र में सरकार विफल साबित हुई है। गरीबों शोषितों वंचितों का विगत 5 वर्षों में काफी शोषण हुआ है। जनसंपर्क अभियान के क्रम में जनता ने बिहार सरकार के द्वारा चलाई जा रही हर घर नल योजना जल योजना झारखंड में लागू करने की अपील कर रही है। जमशेदपुर पश्चिम की जनता सरयुग राय को भारी बहुमत से जीताने को संकल्प लें चुकी है। सभी ने कहा कि सरयुग राय हमारे सुख-दुख में हमेशा शरीक होते हैं। वे जमशेदपुर के हित के लिए हमेशा संघर्षरत रहे हैं। हम लोग जमशेदपुर के बेटे को उनकी मजदूरी देने जा रहे हैं। उन्होंने कहा भ्रष्ट दमनकारी शोषणकारी हेमंत सरकार को उखाड़ फेंकने का संकल्प ले सबका साथ और सबका विकास वाले एनडीए सरकार को अपना मत देकर भारी मतों से विजय बनाने की अपील की। इस अवसर पर जनसंपर्क अभियान में शैलेन्द्र महतो जदयू किसान प्रकोष्ठ के प्रदेश उपाध्यक्ष त्रिनयन कुमार जदयू नालन्दा के मुख्य प्रवक्ता डा धनंजय देव पुष्पराज सिंह अनुप सिंह पटेल उपेन्द्र प्रसाद शिवपुकार सिंह गोपाल कुशवाहा शिवकुमार कुशवाहा सहित कई कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

मुज़फ़्फ़रपुर जंक्शन से यात्रा करने वाले यात्रियों से आग्रह है कि वे स्टेशन के दक्षिणी प्रवेश द्वार का भीं उपयोग यथासंभव करें

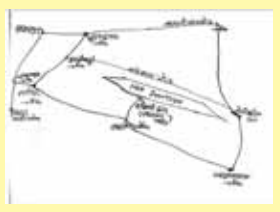

सोनपुर। अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत मुज़फ़्फ़रपुर स्टेशन पूनर्निर्माण का कार्य प्रगति पर है। अतः रेल यात्रियों के सुलभ, सुरक्षित और सुविधाजनक आवागमन के लिए दिनांक 06 नवंबर से 15 नवंबर 2024 तक स्टेशन के दक्षिणी (बटलर साइड) द्वार का भी उपयोग करने की रेल प्रशासन रेल यात्रियों से अपील करती है । यहाँ यात्रियों के लिए टिकट काउंटर के साथ अन्य जन सुविधाएँ भी उपलब्ध रहेंगी । कंपनीबाग रोड, ब्रह्मपुरा की तरफ से आनेवाले यात्री जूरनछपरा चौक पार करते हुए मारीपुर चौक से बाएँ बटलर रोड से बटलर चौक की पास स्टेशन के दक्षिणी द्वार की तरफ आ सकते हैं। कंलमबाग चौक की तरफ से आनेवाले यात्री मारीपुर चौक वाले रोड में आगे बढ़कर बटलर चौक से दाहीने की तरफ होकर स्टेशन भवन के दक्षिणी द्वार पर आ सकते हैं। गोबरसही चौक एवं भगवानपुर चौक से आने वाले यात्री मारीपुर चौक से दाहीने बटलर रोड में आकर बटलर चौक से बाएँ स्टेशन भवन के दक्षिणी द्वार पर आ सकते हैं।

अनुमंडल पदाधिकारी ने खाद्यान्न वितरण के लिए ई.के.वाई.सी में तेजी लाने का दिया निर्देश

जहानाबाद। अनुमंडल पदाधिकारी राजीव रंजन सिंहा के द्वारा सभी प्रखंड आपूर्ति पदाधिकारियों के साथ बैठक की गई। बैठक में सभी आपूर्ति पदाधिकारी को निर्देश की किया गया कि ई.के.वाई.सी में तेजी लायें तथा निर्धारित समय सीमा के अंदर शत प्रतिशत ई.के.वाई.सी करना सुनिश्चित करें। छठ महापर्व में प्रवासियों के घर लौटने के मद्देनजर के.वाई.सी करने हेतु जन वितरण प्रणाली विक्रेताओं को निर्देशित करने का आदेश दिया गया है। अनुमंडल पदाधिकारी द्वारा यह भी बताया गया कि इसे नहीं कराने पर भविष्य में राशन कार्ड से लाभुक का नाम विलोपित कर दिया जाएगा। इसके अतिरिक्त अनुमंडल पदाधिकारी द्वारा बताया गया कि राशन कार्ड हेतु ऑनलाइन आवेदन 30 दिनों के अंदर अनिवार्य रूप से निष्पादन कर दिया जाता है। आमजन बिचौलियों के झांसे में नहीं आयें। इसके साथ ही बिचौलियों या साइबर कैफे को भी चेतावनी जारी की गई है कि यदि कोई भी अवैध रूप से राशन कार्ड बनाने हेतु पैसे की वसूली करते हुए पाए जाते हैं तो उन पर मुकदमा दर्ज कर विधिसम्मत कठोर कार्रवाई की जाएगी।

कटिहार में चित्रगुप्त मंदिर में भव्य पूजा का किया आयोजन

नई सोच एक्सप्रेस

कटिहार। कायस्थों के कुल देवता भगवान चित्रगुप्त की पूजा बड़ी धूमधाम से शहर के इस्लामिया स्कूल के सामने चित्रगुप्त मंदिर में मनाई गई।इसके बारे में डॉक्टर मनोज कुमार वर्मा ने बताया हैं कि यह मंदिर का निर्माण लगभग 1977 ईस्वी में स्थापित किया गया था। इसके संस्थापक स्वर्गीय दुर्गा प्रसाद एवं कायस्थ समाज के प्रबुद्ध लोगों के साथ मिलकर मंदिर का स्थापना किया गया। साथ ही उन्होंने कायस्थ बंधुओ से अनुरोध किया कि यह मंदिर 48 वर्ष पुरानी है। जिसके कारण यह जीर्ण-शीर्ण अवस्था में है। इसके पुनर्निर्माण हेतु आप सभी की सहयोग की अपेक्षा करते हैं।चित्रगुप्त मंदिर में भव्य पूजा का आयोजन किया गया। जिसमें शहर से कई लोग शामिल हुए। डॉक्टर आभास चंद्र वर्मा ने कहा कि शास्त्रों में कहा गया है कि श्री ब्रह्मा ने चार वर्ण बनाया 'ब्राह्मण, क्षत्रीय, वैश्य, शूद्र' तब यमराज ने ब्रह्मा जी से मानवों का विवरण एवं उनके दिशा निर्देश का नेतृत्व रखने के लिए सहायता मांगी। तत्पश्चात ब्रह्मा जी ने 11000 वर्षों के लिए ध्यान साधना में लीन हो गए और साधना संपन्न होने बाद जब उन्होंने अपनी आंखे खोली तो एक शावला रंग का पुरुष को अपने सामने एक हाथ में कलम दवात दूसरे हाथ में पुस्तक तथा कमर में तलवार बांधे पाया तब ब्रह्मा जी ने कहा हे पुरुष तुम मेरे काया से उत्पन्न हुए हो और जैसा की तुम मेरे चित्त (शरीर) में गुप्त रूप से आए हो इसीलिए तुम्हें चित्रगुप्त नाम के रूप में जाना जाएगा एवं प्यार से तुम्हे कायस्थ नाम से भी पुकारा जाएगा। चित्रगुप्त मंदिर में अन्य गणमान्य कायस्थ उपस्थित थे।जिसमें डॉक्टर पी॰सी॰ दास,डॉक्टर सुधीर कुमार, श्याम सिन्हा, भूतपूर्व मंत्री डॉक्टर राम प्रकाश महतो, विवेक प्रसाद लाल, राजेश कुमार वर्मा,आलोक मल्लिक,राजेश कुमार,पवन श्रीवास्तव, नीरज नयन आनंद,चंदन कुमार ,अमित वर्मा,दिलीप वर्मा,व्यास चंद्र वर्मा,जयंत मल्लिक,शंभू अस्थाना,विकास कुमार सिन्हा,आशीष वर्मा आनंद, कर्नेश वर्मा,धीरज वर्मा समेत काफी संख्या में समाज के गण्यमान्य मौजूद रहे।

पूर्व मंत्री निवर्तमान टिकरी विधायक, अनिल कुमार ने पंचानपुर में फीता काट कर सिटी रेडीमेड सेल का किया उद्घाटन

नई सोच एक्सप्रेस

गया। टिकारी प्रखंड क्षेत्र के पंचानपुर में स्थित न्यू मार्केट में रविवार की देर शाम टिकारी विधायक व पूर्व मंत्री अनिल कुमार ने सिटी रेडीमेड सेल का फीता काट कर उद्घाटन किया।दुकान के मालिक नफिस अहमद के अलावा कांग्रेसी नेता रजनीश कुमार उर्फ़ झुन्ना, जावेद अनवर,मो वसीम और शाहिद इक़बाल आदि ने फूल माला और बुके भेंट कर पूर्व मंत्री का स्वागत भव्य किया।उद्घाटन के बाद पूर्व मंत्री ने कहा कि इस तरह के शानदार दुकान के खुलने से स्थानीय लोगों को सुविधा होगी,खरीदारी के लिए बाहर नहीं जाना पड़ेगा. इस अवसर पर होप फाउंडेशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष शौकत अली,नदीम अख्तर,पूर्व उप मुखिया तौक़ीर आलम, जफर आलम,भोला कुमार, शम्स तबरेज़,पंडित जी डॉ संजीव कुमार , जफर आलम मोहिउद्दीन, अंज़र आलम,मो रफ़ीक़,सरफराज़ हैदर,शमशीर आलम,मो मुस्तफ़ा, ऐनुल हक़ और मो आमिर आदि उपस्थित थे।

वक्फ संशोधन बिल किसी भी हाल में स्वीकार नहीं : अमीर-ए-शरीयत

नई सोच एक्सप्रेस

ईमारत की पहल पर अवकाफ बिल के खिलाफ 366,000 ई-मेल जे पी सी को भेजे गए

» अवकाफ बिल पर नीतीश कुमार की जेडी-यू और चंद्रबाबू नायडू की पार्टी का रवैया दुःखद

फुलवारी शरीफ़। ईमारत शरीया वक्फ संशोधन बिल के खिलाफ यथासंभव संघर्ष कर रहा है, देश स्तर पर ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड के प्रदर्शन में एक मजबूत कार्य योजना के साथ इस बिल को खारिज करने का प्रयास किया जा रहा है.भारतीय मुसलमानों की जागरूकता इस अवसर पर उल्लेखनीय है कि उन्होंने अपने नेतृत्व की आवाज पर औकाफ की रक्षा के उद्देश्य से इस संशोधन विधेयक के खिलाफ कुछ ही दिनों में 366,000 ई-मेल भेजने का सफल प्रयास किया है।इससे पहले ऐसा कभी नहीं हुआ है की किसी भी मामले में मुल्क के किसी एक वर्ग ने जे.पी.सी. को इतनी बड़ी संख्या में सुझाव दिया हो।यह बातें हजरत मौलाना सैयद अहमद वली फैसल रहमानी अमीर-ए-शरियत बिहार, ओडिशा और झारखंड ने ईमारत शरिया कॉन्फ्रेंस हॉल में आयोजित धार्मिक और राष्ट्रीय सम्मेलन में अपने अध्यक्षीय संबोधन में कही.हजरत अमीर शरीयत ने मुसलमानों से हमदर्दी रखने वाले सेक्युलर राजनीतिक दलों के दुखद व्यवहार को स्पष्ट करते हुए कहा कि यह बिल दो बैसाखियों पर खड़ा है, एक नीतीश कुमार की जेडी-यू पार्टी और दूसरी चंद्रबाबू नायडू की पार्टी और यह दोनो पार्टीयाँ मुस्लमानों से मिलने में कतरा रहीं हैं। उन्होंने बिहार के संगठनों और राज्य के कोने-कोने में फैले दर्जनों खानकाहों के प्रतिनिधियों से इस बिल के खिलाफ चल रहे संघर्ष का जिक्र किया और कहा कि इमारत शरीया पहले दिन से आज तक खामोश नहीं बैठी है और इस बिल के खिलाफ विभिन्न शक्लो में कोशिश जारी है। इस बिल के खतरनाक पहलुओं को आम मुसलमानों में उजागर करने के लिए पिछले महीने बापु सभागार हाल पटना में चार राज्यों के विद्वानों और बुद्धिजीवियों का सम्मेलन हुआ। साथ ही इस विषय पर कई सम्मेलन का आयोजन किया जा रहा है। इमारत शरिया के कार्यवाहक सचिव मौलाना मुहम्मद शिबली अल-कासिमी ने इमारत शरिया और खानकाहों के बीच गहरे संबंध पर प्रकाश डालते हुए कहा कि इमारत शरिया का पालन-पोषण खानकाहों की गोद में हुआ है.इमारत शरिया के लगातार तीन अमीर खानकाह मुजीबिया से बने, फिर इमारत शरिया के तीन अमीर खानकाह रहमानी मुंगेर से बने, और वर्तमान में, अमीर शरीयत भी खानकाह रहमानी मुंगेर के सज्जादा नशीं हैं.इस देश का इतिहास रहा है कि इस्लाम और शरीयत के प्रचार प्रसार और इसकी सुरक्षा के लिए, उलमा, सुफियों ने खानकाहों की चटाई से लोगों को रहनुमाई की है. हम तमाम लोग इस बिल को अस्वीकार करते हैं और बिहार सरकार से बिहार विधान सभा के अगले सत्र में इस बिल के विरूध परस्ताव पारित करके केंन्द्र सरकार को भेजेगें. साथ ही तमाम सियासी पार्टीयों, जेपीसी के सभी सदस्यों और हर राज्य के मुख्यमंत्री एवं राज्यपाल को भेजा जाएगा। इस ऐतिहासिक सूफी और मशाएख सम्मेलन में बिहार के राष्ट्रीय संगठनों के सज्जादगानों, प्रतिनिधियों और पदाधिकारियों ने विस्तार से अपनी बहुमूल्य राय दी.सभी ने संयुक्त रूप से अपने विचार व्यक्त किए और हजरत अमीर शरीयत के कार्यों की सराहना करते हुए वक्फ संशोधन विधेयक आंदोलनों पर अपना समर्थन दिया। सभी ने कहा कि वक्फ की संपत्ति हमारी पवित्र पूंजी है, जिसकी रक्षा हम अंत तक करने के लिए बाध्य हैं। शरीयत की रक्षा के लिए हमसब एकजुट हैं। इस सम्मेलन का एक मुख्य उद्देश्य वक्फ संशोधन विधेयक के खिलाफ मुसलमानों की राष्ट्रीय एकता को मजबूत करना था।वहीं 13 नवंबर को जेपीसी सदस्यों के बिहार आगमन को लेकर संयुक्त कार्ययोजना तैयार करना है। इस मौके पर जमीयतुल उलेमा, बिहार खानकाह मुजीबिया फुलवारी शरीफ, खानकाह एमादिया, मंगल तालाब, जमाएते इस्लामी बिहार, जमीयत अहले हदीस बिहार, खानकाह कबीरिया, सासाराम, खानकाह तेगिया मुजफ्फरपुर, खानकाह दीवान शाह अरजां, खानकाह सुलेमानिया फुलवारीशरीफ, खानकाह आलिया समरकंदिया दरभंगा, खानकाह आसार चिश्तिया निजामिया दानापुर, खानकाह पीर दमडीया शाह खलीफाबाद भागलपुर, दरगाह काको जहानाबाद, खानकाह फिरदौसिया मनेर, खानकाह समनानी सासाराम, ऑल इंडिया मोमिन कांफ्रेंस, खानकाह अशरफिया, बीथु शरीफ गया के प्रमुखों ने भी अपने विचार रखे। मंच का संचालन इमारत के नाएब नाजिम मुफ्ती सनाउल होदा ने किया। धन्यवाद ज्ञापन नाएब नाजिम मुफ्ती सोहराब नदवी ने किया.इस प्रोग्राम को सफल बनाने में मौलाना अहमद हुसैन कासमी, मौलाना अरशद रहमानी, मौलाना अब्दुल्ला जावेद, मौलाना साबिर ने अहम भुमीका निभाई।

टाटा टी अग्नि लीफ ने सिक्की कला महोत्सव के साथ छठ पूजा समारोह को दिया अनूठा रंग

नई सोच एक्सप्रेस

» सिक्की घास शिल्प से प्रेरित सीमित संस्करण छठ पूजा उत्सव पैक श्रृंखला लॉन्च की गई

पटना। बिहार का प्रमुख चाय ब्रांड, टाटा टी अग्नि अपने नवीनतम ब्रांड अभियान के जरिये इस साल बिहार के सांस्कृतिक इतिहास से गहराई से जुड़ी प्राचीन और जटिल कला, "सिक्की घास शिल्प" को सामने लाकर छठ पूजा मना रहा है। यह प्रचार अभियान, परंपरा तथा कला को जोड़कर क्षेत्रीय गौरव और भावना को जगाने का प्रयास कर रहा है। यह बिहार की संस्कृति के साथ गहरे जुड़ने की कोशिश है। उपभोक्ताओं को बिहार की समृद्ध सांस्कृतिक झलक देखने का अवसर प्रदान करने के अभियान के अंग के रूप में, टाटा टी अग्नि लीफ ने छठ पूजा उत्सव की शुरुआत का जश्न मनाने के लिए 4 और 5 नवंबर 2024 को सिटी सेंटर मॉल में 'सिक्की कला महोत्सव' का आयोजन किया। टाटा कंज्यूमर प्रोडक्ट्स के भारत एवं दक्षिण एशिया के पैकेज्ड बेवरेजेज के अध्यक्ष, श्री पुनीत दास ने विशेष त्यौहारी पैक और इंस्टॉलेशन का अनावरण करते हुए कहा, टाटा टी अग्नि लीफ को पिछले कई साल से छठ पूजा का हिस्सा बनने पर गर्व है। यह ऐसा अवसर है जिसका हम हर साल बेसब्री से इंतजार करते हैं। यह हमें क्षेत्रीय गौरव और विरासत का समर्थन और प्रचार करने का अवसर प्रदान करता है और इस साल हमें इस अवसर पर अपने उपभोक्ताओं के लिए बिहार की उल्लेखनीय सिक्की घास कला को प्रदर्शित करने की खुशी है, जिन्होंने टाटा टी अग्नि को बिहार में इतना लोकप्रिय ब्रांड बनाया है। इस कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण था, सिक्की घास से बने एक शानदार आदमकद इंस्टॉलेशन का अनावरण, जो बिहार के पारंपरिक शिल्प रूप को समर्पित था। बिहार के कारीगरों द्वारा हाथ से तैयार इस भव्य इंस्टॉलेशन में सीमित संस्करण के छठ पूजा उत्सव पैक शामिल थे। चार-पैक श्रृंखला में प्रतीकात्मक तत्वों के माध्यम से छठ पूजा के सार को दर्शाया गया है, जिनमें से हर पैक त्योहार के चार दिन में से एकः नहाय खाय, खरना, संध्या अर्घ्य और उषा अर्घ्य का प्रतिनिधित्व करता है। हर तत्व को सिक्की घास से सावधानीपूर्वक तैयार की गई गुड़ियों के माध्यम से दर्शाया गया था, जो उपभोक्ताओं को अपने पसंदीदा चाय ब्रांड के साथ त्योहार को मनाने का एक अनूठा तरीका प्रदान करता है। इंस्टॉलेशन के अलावा, कार्यक्रम में स्थानीय कारीगरों ने लाइव प्रदर्शन भी किए, जिससे आगंतुकों को इस विरासत शिल्प की जटिल प्रक्रिया को प्रत्यक्ष रूप से देखने का मौका मिला।

डायबटीज शरीर को अन्दर - अन्दर खोखला कर देता हैः डा.के.के.कमर

नई सोच एक्सप्रेस

» 22 दिसम्बर पर्यटन दिवस पर सोसल मीडिया को सम्मानित करेगी आजाद वेलफेयर सेन्टर

गया। गया के जाने माने होम्योपैथिक चिकित्सक एवं आजाद वेलफेयर सेन्टर के सचिव, डॉ ० के ० के ०कमर ने कहा कि आज तेजी से डायबटीज अपना पैर फैला रहा है। हर व्यक्ति पर यह खतरा मंडरा रहा है। उन्होंने कहा कि विश्व स्वास्थ्य संगठन ने भी आश्चर्य व्यक्त किया है कि भारत में 10 करोड़ और विश्व में 50 करोड़ लोग ग्रसित है।उन्होंने कहा कि डायबटीज से हार्ट अटैक, कीडनी,बलाईडनेश, फेल्पोट,लीवर, पैथोलॉजी, पेनक्रियाज, पैरालाइसिस आदि खतरा बना रहता है। उन्होंने कहा कि आधे से अधिक आबादी को डायबटीज है परन्तु उन्होंने ज्ञात नहीं होता है। यह एकतरह का साइलेंट कीलर है। उन्होंने कहा कि यह बीमारी कुछ वंशानुगत होती है, परन्तु ज्यादा शारीरिक श्रम का अभाव, जंक फूड, फास्ट फूड, पैकेज सामग्रियों के सेवन से होता है। उन्होंने कहा कि 22 दिसम्बर 25 को अंतर्राष्ट्रीय पर्यटन दिवस के अवसर पर हमारी संस्था आजाद वेलफेयर सेन्टर पर्यटक स्थल राजगृह में सोसल मीडिया क्रिएटरो को सम्मानित करेगी। डा, कमर ने कहा कि इस सेन्टर द्वारा महिलाओं को निःशुल्क सिलाई कटाई और ड़ेस डिजाइनिंग का प्रशिक्षण, जनसमुदाय के लिए पेयजल की व्यवस्था, बृद्धाश्रम, निर्धनों को वस्त्र और कम्बल वितरण, के साथ निः शुल्क चिकित्सा शिवरों का आयोजन करती है।

शहर से निकल रहा बड़ा संदेश, छठ पूजा पर मुस्लिम समुदाय के लोग कर रहे घाटों-रास्तों की साफ-सफाई

नई सोच एक्सप्रेस

» इतने मुस्लिम समुदाय के सदस्यों को दिया आपसी भाईचारा झाड़ू लगाने को लेकर बधाई
» मिलजुलकर बने छत पर मुस्लिम समुदाय के लोगों ने कहा कि मुस्लिम समुदाय करेगा हर तरीके से सहयोगशहर से निकल रहा बड़ा संदेश
» कहा कि मुस्लिम समुदाय करेगा हर तरीके से सहयोग

औरंगाबाद। आज मंगलवार से नहाय खाय के साथ छठ महापर्व शुरू हो जाएगा। ये पर्व हर हिन्दू के लिए काफी पावन पर्व होता है। बड़े ही निष्ठा और नियम के साथ इसे किया जाता है, लेकिन औरंगाबाद में एक ऐसी तस्वीर देखने को मिली जो पूरे इंसानियत के लिए एक सिख है। जो धर्म के नाम पर एक दूसरे से लड़ते रहते हैं। एक दूसरे का खून भी बहा देते हैं, यहां छठ पर्व की इतना मान्यता है कि हिन्दू मुस्लिम सभी मिलकर इसे मनाते हैं। इस पर्व में साफ सफाई का खास ध्यान रखा जाता है और इसमें पिछले सालों से मुस्लिम समुदाय हिंदुओं का साथ दे रहें हैं। मुस्लिम समुदाय के लोग झाड़ू लगाते छठ घाट पर नजर आएं। प्रकृति और संस्कृति से जुड़े इस पर्व में जिले के अदरी नदी सूर्य मंदिर घाट पर गंगा जमुनी तहजीब का रंग देखने को मिल रहा है। झाड़ू लगाते और साफ सफाई करते मुस्लिम समुदाय के लोग आपको यहां नजर आएं। इस महापर्व में हर कोई एक दूसरे की मदद करता है। छठ पर्व में धर्म मजहब से ऊपर उठकर मुस्लिम समुदाय के लोग निस्वार्थ भाव पैगाम में इंसानियत के जिलाध्यक्ष शाहनवाज रहमान उर्फ सल्लू खान, हाजी अब्दुल लतीफ, मोहम्मद इम्तियाज, मोहम्मद रुस्तम, मोहम्मद इसरार, छोटे खान, अमन खान, अनवर आलम सहित के नेतृत्व में घाट को साफ करने में लगे रहे पिछले कई सालो से ये सभी छठ के मौके पर घाटों की साफ सफाई करने पहुंच जाते हैं ताकि जब छठ व्रतियां घाट के किनारे पहुंचे तो उन्हें कोई परेशानी न हो। छठ घाट के आसपास वाले रास्ते को भी पूरी तरह स्वच्छ बनाने में लगे हैं। साफ सफाई के माध्यम से ये सभी सामाजिक एकता और आपसी भाईचारे का संदेश दे रहे हैं। भाईचारे का इससे अच्छा संदेश और क्या हो सकता है, यहां बिना किसी भेद भाव के सभी लोग मिलकर छठ पूजा मनाते हैं और छठ व्रतियों की मदद करते हैं ताकि उन्हें कोई भी परेशानी न हो। सूर्य मंदिर पूजा समिति के सदस्य उप सचिव विजय मेहता, चंद्रभान सिंह, अर्जुन राम, रामप्रवेश मेहता, राकेश कुमार, बब्लू कुमार, प्रकाश कुमार, राहुल कुमार और पूजा समिति के सदस्यों ने मुस्लिम समुदाय को कल खान को बधाई देते हुए कहा कि या काफी सराहनीय फल है जो हमेशा छठ पर्व के मौके पर हम लोगों को और आदि पर में भी देखने को मिलता है।

टीबी की वापसी क्यों?

टीबी के मामले तेजी से बढ़े हैं। चौंकाने वाली बात है कि जब हमारे पास टीबी को रोकने, पहचानने और इलाज करने के साधन मौजूद हैं, तो भी इसके कारण इतनी ज्यादा मौतें हो रही हैं और लोग इसके शिकार बन रहे हैं। परिस्थितियां अनुकूल हैं, लेकिन नतीजा उलटा हो रहा है। यह कहानी कभी घातक बीमारी रह चुके ट्यूबरक्लोसिस (टीबी) की है। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्लूएचओ) की- ग्लोबल ट्यूबरकुलोसिस रिपोर्ट 2024- के मुताबिक 2023 में 82 लाख लोग टीबी से संक्रमित हुए, जो 1995 में निगरानी शुरू होने के बाद की सबसे बड़ी संख्या है। यह आंकड़ा 2022 में सामने आए 75 लाख नए मामलों से काफी अधिक है। इनके अलावा बड़ी संख्या की ऐसे लोगों के मौजूद होने का अनुमान है, जिनमें इस रोग का निदान नहीं हो पाया। अब डब्लूएचओ के महानिदेशक टेड्रोस अधानोम गेब्रियासुस की इस टिप्पणी पर गौर कीजिए- चौंकाने वाली बात है कि जब हमारे पास टीबी को रोकने, पहचानने और इलाज करने के साधन मौजूद हैं, तो भी इसके कारण इतनी ज्यादा मौतें हो रही हैं और लोग इसके शिकार बन रहे हैं। डब्लूएचओ ने अपनी रिपोर्ट जिक्र किया है कि दवा-प्रतिरोधी टीबी (एमडीआर/आरआर-टीबी) के मामलों में भी सुधार हुआ है। टीबी के सामान्य मामलों में इलाज की सफलता दर 88 फीसदी है, जबकि एमडीआर/आरआर-टीबी के मामलों में यह 68 फीसदी तक पहुंच गई है। फिर भी टीबी के मामले बढ़ रहे हैं। टीबी की वापसी से सबसे ज्यादा प्रभावित देशों में भारत प्रमुख है। भारत सहित मध्यम आय वाले ज्यादातर देशों में यह स्थिति स्वास्थ्य के निरोधक (प्रीवेंटिव) पहलू पर जोर घटने के कारण पैदा हुई है। हर सेवा के निजीकरण के दौर में सार्वजनिक स्वास्थ्य प्राथमिकता नहीं रह गया है।डब्लूएचओ के मुताबिक लगभग 50 फीसदी मरीजों को इलाज के दौरान विनाशकारी खर्च का सामना करना पड़ता है। इसका अर्थ है कि उनका इलाज खर्च उनकी आय का 20 फीसदी से ज्यादा होता है। स्वाभाविक है कि रिपोर्ट में टीबी संबंधी सेवाओं के लिए फंडिंग की कमी का खास उल्लेख किया गया है। 2023 में संयुक्त राष्ट्र की उच्चस्तरीय बैठक में कहा गया था कि 2027 तक टीबी सेवाओं के लिए हर साल 22 बिलियन डॉलर जुटाए जाने चाहिए। 2023 में केवल 5.7 बिलियन डॉलर की फंडिंग उपलब्ध थी- यानी कुल जरूरत का सिर्फ 26 फीसदी। ऐसे में टीबी की वापसी कोई हैरत की बात नहीं है।

परिसीमन का क्या पैमाना होगा?

केंद्र सरकार ने जनगणना की अधिसूचना जारी नहीं की है, लेकिन एक, जनवरी 2025 से प्रशासनिक सीमाएं सील हो जाएंगी और उससे पहले भारत के महापंजीयक और जनगणना आयुक्त मृत्युंजय कुमार नारायण का कार्यकाल अगस्त 2026 तक बढ़ा दिया गया है, जिससे यह संकेत मिल रहा है कि अगले साल जनगणना होगी। उसके अगले साल यानी 2026 में लोकसभा सीटों का परिसीमन होगा और फिर इसी आधार पर 2029 में साथ होने वाले चुनाव में एक तिहाई सीटें महिलाओं के लिए आरक्षित की जाएंगी। इस बीच तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने एक बड़ा सवाल उठाया है। उन्होंने एक सामाजिक कार्यक्रम में, जहां 16 नवविवाहित जोड़ों को आशीर्वाद दिया जाना था, वहां कहा कि 'जब हम ऐसी स्थिति का सामना कर रहे हैं, जहां संसद में सीटों की संख्या कम होने वाली है तो हमें छोटा परिवार क्यों रखना चाहिए? इसके आगे उन्होंने नवविवाहित जोड़ों से ज्यादा बच्चे पैदा करने और उन्हें सुंदर तमिल नाम देने का आग्रह किया। हालांकि उन्होंने संसद में सीटों की संख्या कम होने के बारे में विस्तार से कुछ नहीं कहा लेकिन उनका इशारा परिसीमन के बाद की स्थितियों की ओर था। उनसे पहले आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू ने भी लोगों से ज्यादा बच्चे पैदा करने का आग्रह किया था। हालांकि उनका घोषित सरोकार यह था कि दक्षिण के राज्यों में आबादी बूढ़ी हो रही है और कामकाजी युवाओं की संख्या कम हो रही है। परंतु कहीं न कहीं वे भी इस बात से चिंतित हैं कि अगर आबादी के आधार पर लोकसभा सीटों का परिसीमन हुआ तो दक्षिण के राज्यों की राजनीतिक हैसियत घटेगी। तभी यह बड़ा सवाल है कि लोकसभा सीटों के परिसीमन का आधार क्या होगा? क्या सीधे तौर पर जनसंख्या के हिसाब से सीटों की संख्या में बढ़ोतरी कर दी जाएगी? अगर ऐसा हुआ तो उत्तर प्रदेश, बिहार, मध्य प्रदेश, राजस्थान, महाराष्ट्र जैसे बड़ी आबादी वाले राज्यों को फायदा होगा और दक्षिण भारत के राज्य घाटे में रहेंगे। तभी चंद्रबाबू नायडू और एमके स्टालिन की चिंता सामाजिक या आर्थिक नहीं, बल्कि राजनीतिक दिखती है। यह चिंता क्षेत्रीय वर्चस्व और फिर अस्मिता की राजनीति में भी बदल सकती है, जिससे एक बड़ा खतरा पैदा हो सकता है। इसलिए सरकार को परिसीमन के फॉर्मूले के बारे में तर्कसंगत तरीके से विचार करना होगा और उस पर सभी दलों व राज्यों की सहमति अनिवार्य रूप से लेनी होगी। ध्यान रहे लोकसभा सीटों का परिसीमन जम्मू कश्मीर की तरह नहीं होगा, जहां मनमाने तरीके से भौगोलिक सीमाओं का ध्यान रखे बगैर इस तरह से विधानसभा सीटों का सीमांकन हुआ कि जम्मू क्षेत्र में छह सीट बढ़ गई और कश्मीर घाटी में सिर्फ एक सीट बढ़ी। आजादी के बाद से मोटे तौर पर आबादी के आधार पर ही लोकसभा और विधानसभा सीटों की संख्या तय होती रही है। तभी उत्तर प्रदेश में 80 सीटें हैं और तमिलनाडु में 39 हैं। लेकिन आजादी के बाद राज्यों ने जनसंख्या नियंत्रण के उपायों को अलग अलग तरीके से लागू किया। आर्थिक रूप से विकसित राज्यों ने बेहतर ढंग से जनसंख्या नियंत्रण का किया तो उनके यहां जनसंख्या वृद्धि की दर राष्ट्रीय औसत से काफी नीचे आ गई। दक्षिण के राज्यों में तो जनसंख्या बढने की दर रिप्लसमेंट रेट से भी कम है। रिप्लेसमेंट रेट 2.1 है। इसका मतलब होता है कि अगर दो लोग मिल कर 2.1 बच्चे पैदा करते हैं तो जनसंख्या नहीं बढ़ेगी वह स्थिर हो जाएगी। दक्षिण के राज्यों में जनसंख्या बढने की दर 1.6 फीसदी है, जो रिप्लेसमेंट रेट से काफी कम है, जबकि उत्तर के राज्यों खास कर बिहार और उत्तर प्रदेश में वृद्धि दर रिप्लेसमेंट रेट से ज्यादा है। ऐतिहासिक रूप से यह स्थिति रही है तभी दक्षिण के राज्यों में आबादी नियंत्रित हो गई और उत्तर भारत के राज्यों में बढ़ती चली गई। हालांकि अब वहां भी रफ्तार धीमी हो रही है लेकिन उन राज्यों की जनसंख्या बहुत ज्यादा है। अगर इस आधार पर उनकी लोकसभा सीटें बढ़ती हैं तो यह उन राज्यों के साथ अन्याय होगा, जिन्होंने अपने यहां आबादी का बढना रोका। उन्होंने अच्छा काम किया इसके लिए उनको सजा नहीं दी जानी चाहिए। अगर सरकार पारंपरिक रूप से आबादी को आधार बनाती है और औसतन 20 लाख की आबादी पर एक सीट का फॉर्मूला तय होता है तो दक्षिण के ज्यादातर राज्यों में सीटों में कोई बदलाव नहीं होगा, जबकि उत्तर प्रदेश में सीटों की संख्या 80 से बढ़ कर 120 हो जाएगी।

राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए खतरा है पंजाब में नशे का जाल

आरती कुमारी

पंजाब में आतंकवाद ही नहीं, तरह-तरह के नशे एवं ड्रग्स के धंधे ने व्यापक स्तर पर अपनी पहुंच बनाई है, जिसके दुष्परिणाम समूचे देश को भोगने को विवश होना पड़ रहा है। पंजाब नशे की अंधी गलियों में धंसता जा रहा है, सीमा पार से शुरू किए गए इस छद्म युद्ध की कीमत पंजाब चुका रहा है, जिसने लंबे समय से पंजाब को जकड़ रखा है। पिछले दस महीनों में पंजाब पुलिस ने 153 बड़े ऑपरेटरों सहित 10,524 तस्करों को गिरफ्तार किया है। पंजाब ने स्थानीय तस्करों के साथ-साथ बड़े ड्रग नेटवर्क को लक्षित करने में महत्वपूर्ण सफलता हासिल की। हाल ही में 790 किलोग्राम हेरोइन, 860 किलोग्राम अफीम और अन्य नशीले पदार्थों के साथ-साथ 13 करोड़ रुपये से अधिक ड्रग मनी जब्त की गई है। इन आपराधिक अभियानों की वित्तीय बुनियाद पर प्रहार करते हुए नशे के कारोबार से जुड़े लोगों की 208 करोड़ रुपये से अधिक की संपत्ति जब्त की गई। हालांकि, अभी पर्दे के पीछे से काम करने वाले प्रमुख तस्करों को बेनकाब करने और कानूनन दंडित करने की सख्त जरूरत है। ड्रग की तस्करी और व्यापक रूप से नशे की लत पंजाब की सबसे उल्लेखनीय घातक सामाजिक-राजनीतिक चुनौती बन चुकी है जो कई प्रकार से पूरे देश की राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए खतरा बनती जा रही है। पाकिस्तान पोषित इस नशीले कारोबार की भयावहता का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि इस साल सीमा सुरक्षा बल ने पंजाब की पाकिस्तान से लगती सीमा से 183 ड्रोन जब्त किए। जो वर्ष 2023 में बरामद 107 ड्रोन से कहीं अधिक हैं। पाक प्रायोजित यह तस्करी परिष्कृत एवं सुनियोजित तरीके से की जा रही है, जिसके खिलाफ सख्त कार्रवाई जरूरी है। खासकर, ऐसे संवेदनशील सीमावर्ती राज्य में इस समस्या की भयावहता को देखते हुए यह आवश्यक हो जाता है कि इसके खिलाफ एक ऐसी संपूर्ण लड़ाई छेड़ी जाए जिसमें कामयाब होने में अगर कई वर्ष भी लग जाएं तो उसे जारी रखा जाए। नशे की समस्या पिछले कई वर्षों के दौरान और बद से बदतर होती गई है और पिछले पंजाब में हुए विधानसभा चुनावों में यह एक बड़ा मुद्दा था। क्योंकि शहरों एवं ग्रामीण क्षेत्रों से हर रोज युवाओं की मौत की खबरें हो या विधवाओं का क्रंदन समूचा देश हिला है। कितनी मांओं की गोद उजड़ गई और कितने वृद्ध पिताओं की सहारे की लाठी टूट गई। नशीले पदार्थों का धंधा सीमाओं से होते हुए देश की रग-रग में पसरता गया है। पंजाब में बिछा ड्रग्स का जाल जनजीवन के लिये बड़ी चुनौती है। पंजाब पाकिस्तान, अफगानिस्तान एवं ईरान के तथाकथित गोल्डेन क्रेसेंट से तस्करी कर लाई गई नशीली दवाओं का एक पारगमन बिंदु (ट्रांजिट प्वाईंट) तथा बाजार दोनों ही है। जहां अफगानिस्तान में उत्पादित हेरोईन की भारत-पाकिस्तान की 553 किमी लंबी और अवैध घुसपैठ की संभावनाओं से युक्त सीमा से तस्करी की जाती है, अफीम, अफीम की भूसी, चरस एवं हशीश जैसी अन्य नशीली दवाएं आसपास के देशों से आती हैं। भारत एवं पाकिस्तान सीमा पर अच्छी सड़कों का अभाव भी सीमा पर लगी बाड़ के नीचे सुरंगों की खुदाई के जरिये भारी मात्रा में मादक दवाओं की खेप के हस्तांतरण के काम को आसान बना देती हैं। पंजाब पुलिस की नशे से जुड़े आतंकवदी तंत्र की जांच करने की सीमित क्षमता है, खासकर, इस समस्या का मुकाबला करने के लिए आधुनिक प्रौद्योगिकीय एवं वैज्ञानिक उपकरणों की उसके पास कमी है। पंजाब में राजनीति और ड्रग्स का चोली दामन का संबंध है, बड़ी राजनीतिज्ञ पार्टियों की नशा माफिया एवं नशीले पदार्थों के तस्करों के साथ काफी मिलीभगत है और यही वजह है कि पंजाब 'नशीले पदार्थों की राजनीति' के युग से गुजर रहा है। इसलिये भी यह समस्या उग्र से उग्रतर होती जा रही है। पंजाब में नशे की समस्या पर सुप्रीम कोर्ट भी चिन्ता व्यक्त करता रहा है, अपनी नाराजगी व्यक्त करते हुए उसने पंजाब सरकार को फटकार भी समय-समय पर लगाई है। पूर्व में सुप्रीम कोर्ट ने कहा, 'पंजाब में नशे की समस्या बढ़ती जा रही है। नकली शराब और नशीले पदार्थों को रोका जाना चाहिए। ऐसे तो युवा खत्म हो जाएंगे। गरीब लोग मर रहे हैं। पंजाब में हर गली में एक भट्टी होती है। अगर कोई चाहे तो देश को खत्म कर देगा। अगर बॉर्डर क्षेत्र सुरक्षित नहीं है तो कैसे चलेगा?

नशा माफिया के आगे बेबस क्यों पंजाब सरकार?' सुप्रीम कोर्ट की चिन्ता पंजाब में नशे की गंभीर चुनौती को देखते हुए वाजिब है। जिसके खिलाफ व्यापक पैमाने पर योजनाबद्ध अभियान वक्त की जरूरत है। सरकारें लंबे समय से इसके विरुद्ध कार्रवाई की बात तो करती रही हैं, लेकिन जमीनी हकीकत में कम ही बदलाव नजर आया है। फिलहाल पंजाब में नशीले पदार्थों के खिलाफ जारी कार्रवाई आप सरकार की नई प्रतिबद्धता को दर्शाती है और सतही तौर पर नशे की खिलाफ सफलता के आंकड़े एक सराहनीय कार्रवाई को दर्शाते हैं, लेकिन इसके बावजूद समस्या की विकटता को देखते हुए ये आंकड़े पर्याप्त नहीं हैं। वक्त की जरूरत है कि लगातार भयावह होती स्थिति में पुलिस को इस खेल की बड़ी मछलियों को बेनकाब करके नशे के प्रवाह पर रोक लगानी चाहिए। इसके बाद बड़े नशा तस्करों के खिलाफ व्यापक स्तर का अभियान चलाना चाहिए। जिससे समाज में यह संदेश जाए कि कोई कितना भी ताकतवर व्यक्ति क्यों न हो, कानून से ऊपर नहीं है। साथ ही यह भी कि समाज विरोधी कार्यों में लिप्त होने के गंभीर परिणाम हो सकते हैं। ऐसे तत्वों को राजनीतिक संरक्षण देने वाली ताकतों को भी बेनकाब करने की जरूरत है। पंजाब सरकार की सख्त कार्रवाई का यह संदेश नशा माफिया को जाना जरूरी है कि इस काले कारोबार से जुड़े लोगों की दंडमुक्ति संभव नहीं है। इसके अलावा सीमा पार से चलाए जा रहे नशे के कारोबार के लिये पडोसी देश को भी कड़ा संदेश जाना चाहिए। नशे की तस्करी में तमाम आधुनिक साधनों का उपयोग किया जा रहा है। हालांकि, बीएसएफ ने पहल करते हुए एंटी-ड्रोन सिस्टम लगाए हैं। जिसके सार्थक परिणाम भी मिल रहे हैं। पंजाब में नशे की गंभीर चुनौती को देखते हुए सीमा सुरक्षा को फुलप्रूफ करने की दिशा में कदम उठाए जाने चाहिये। जिसमें उच्च तकनीक व विभिन्न एजेंसियों में बेहतर तालमेल की जरूरत है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भी पूर्व में 'ड्रग्स-फ्री इंडिया' अभियान चलाने की बात कहकर इस राष्ट्र की सबसे घातक बुराई की ओर जागृति का शंखनाद किया है। उन्होंने चिन्ता व्यक्त करते हुए कहा कि हमारे देश के युवा गुटका, चरस, गांजा, अफीम, स्मैक, शराब और भांग आदि के नशे में पड़ कर बर्बाद हो रहे हैं। इस कारण से वे आर्थिक, सामाजिक, मानसिक और आध्यात्मिक रूप से विकलांगता की ओर अग्रसर हो रहे हैं। विशेषतः पंजाब के युवा नशे की अंधी गलियों में धंसते जा रहे हैं, वे अपनी अमूल्य देह में बीमार फेफड़े और जिगर सहित अनेक जानलेवा बीमारियां लिए एक जिन्दा लाश बने जी रहे हैं पौरुषहीन भीड़ का अंग बन कर। नशे के ग्लैमर की चकाचौंध ने चिन्ताजनक स्थितियां खड़ी कर दी है। पाकिस्तान नशे के आतंक से अपने मनसूबों को पूरा कर रहा है। चिकित्सकीय आधार पर देखें तो अफीम, हेरोइन, चरस, कोकीन, तथा स्मैक जैसे मादक पदार्थों से व्यक्ति वास्तव में अपना मानसिक संतुलन खो बैठता है एवं पागल तथा सुप्तावस्था में हो जाता है। ये ऐसे उत्तेजना लाने वाले पदार्थ हैं, जिनकी लत के प्रभाव में व्यक्ति अपराध तक कर बैठता है। मामला सिर्फ स्वास्थ्य से नहीं अपितु अपराध से भी जुड़ा हुआ है। कहा भी गया है कि जीवन अनमोल है। नशे के सेवन से यह अनमोल जीवन समय से पहले ही मौत का शिकार हो जाता है या अपराध की अंधी गलियों में धंसता चला जाता है, पाकिस्तान युवाओं को निस्तेज करके एक नये तरीके के आतंकवाद को अंजाम दे रहा है।

देश के 10 शहरों में हर साल लगभग 33,000 मौते वायु प्रदूषण के कारण हो रही है,, कब रुकेगा यह सिलसिला ?

अशोक भाटिया, मुंबई

देश में वायु प्रदूषण की समस्या दिन प्रतिदिन बढ़ती जा रही है। यह प्रदूषण कितना जानलेवा और खतरनाक हो सकता है इसका खुलासा एक ताजा अध्ययन में हुआ है।रिपोर्ट में खुलासा हुआ है कि देश के 10 शहरों- अहमदाबाद, बंगलूरू, चेन्नई, दिल्ली, हैदराबाद, कोलकाता, मुंबई, पुणे, शिमला और वाराणसी में होने वालीं हर 100 में से 7 मौत के लिए वायु प्रदूषण जिम्मेदार है। इस बात का खुलासा 'द लांसेट प्लेनेटरी हेल्थ' पत्रिका में प्रकाशित एक अध्ययन में हुआ है।रिपोर्ट में दावा किया गया है कि देश के 10 शहरों में हर साल लगभग 33,000 मौते वायु प्रदूषण के कारण हो रही है, जो भारत की नेशनल क्लीन एयर लिमिट से काफी नीचे है। भारत के स्वच्छ वायु मानदंड वर्तमान में विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO) के प्रति क्यूबिक मीटर हवा में 15 माइक्रोग्राम के दिशानिर्देश से काफी अधिक हैं। गौरतलब है कि भारत में प्रदूषण एक बड़ी समस्या है, जिसकी चर्चा समय-समय पर होती रहती है लेकिन अब इस प्रदूषण से होने वाली मौतों से जुड़ा आंकड़ा सामने आ रहा है, जो बेहद चौंकाने वाला है। द लैंसेट प्लैनेटरी हेल्थ जर्नल में प्रकाशित एक अध्ययन के मुताबिक, दिल्ली, बेंगलुरु और मुंबई सहित भारत के 10 सबसे बड़े और सबसे प्रदूषित शहरों में औसतन रोज होने वाली मौतों का 7.2 प्रतिशत हिस्सा प्रदूषण से जुड़ा है यानी इन शहरों में रोज 7.2 प्रतिशत मौतें अधिक प्रदूषण के चलते हो रही हैं। रिपोर्ट में दावा किया गया है कि देश के 10 शहरों में हर साल लगभग 33,000 मौते वायु प्रदूषण के कारण हो रही है उनमे से अकेले 5100 की मौत मुंबई जैसे शहर में हो रही है । मुंबई में बढ़ते वायु प्रदूषण से न केवल जीवन का नुकसान हुआ है बल्कि आर्थिक नुकसान भी हुआ है। एक अंतरराष्ट्रीय पर्यावरण संगठन ग्रीनपीस की रिपोर्ट में इस बात का खुलासा हुआ है। उन्होंने अपनी रिपोर्ट में बताया कि वायु प्रदूषण (Air Pollution) के कारण शहर की अर्थव्यवस्था को लगभग 2.1 अरब डॉलर का झटका लगा है। मालूम हो कि, ग्रीनपीस ने दुनिया भर की अर्थव्यवस्था पर पर्यावरण के प्रभाव पर अध्ययन किया है। एक अध्ययन में पाया गया है कि खराब वायु गुणवत्ता के कारण सांस लेना मुश्किल हो सकता है - और आपके शरीर को ठीक होने में कुछ दिन लग सकते हैं। वायु प्रदूषण का एक प्रकार कारखानों, बिजली संयंत्रों और कार के निकास से निकलने वाले महीन कण (2.5 माइक्रोमीटर व्यास या उससे कम) हैं। दूसरा महत्वपूर्ण प्रकार ओजोन है, जो शहरी धुंध का मुख्य घटक है। जब आप उच्च स्तर के महीन कणों या ओजोन में सांस लेते हैं, तो आपके फेफड़े चिड़चिड़े हो सकते हैं। बाहरी वायु प्रदूषण को अस्थमा, दिल के दौरे, स्ट्रोक और कैंसर से जोड़ा गया है। अध्ययनों से पता चला है कि वायु प्रदूषण के लंबे समय तक संपर्क में रहने और समय से पहले मृत्यु के बीच संबंध है। सार्वजनिक नीतियों ने संयुक्त राज्य अमेरिका और अन्य जगहों पर वायु गुणवत्ता को बेहतर बनाने में मदद की है। विशेषज्ञ समय-समय पर वायु प्रदूषण के स्तर और मृत्यु और बीमारी की दरों के वैज्ञानिक विश्लेषण की जांच करते हैं ताकि वायु गुणवत्ता मानकों का पुनर्मूल्यांकन किया जा सके। हार्वर्ड टीएच चैन स्कूल ऑफ पब्लिक हेल्थ में डॉ. फ्रांसेस्का डोमिनिकी के नेतृत्व में एक शोध दल ने वायु प्रदूषण के अल्पकालिक जोखिम से वृद्धों में मृत्यु के जोखिम का अनुमान लगाने का प्रयास किया। टीम ने यह भी जांच की कि क्या आबादी के कुछ उपसमूह विशेष रूप से असुरक्षित हो सकते हैं। इस अध्ययन को NIH के नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ एनवायर्नमेंटल हेल्थ साइंसेज (NIEHS) द्वारा समर्थित किया गया था। टीम ने वायु प्रदूषण पूर्वानुमान मॉडल और कृत्रिम तंत्रिका नेटवर्क का उपयोग करके 39,000 से अधिक ज़िप कोडों के लिए दैनिक वायु प्रदूषण के स्तर का अनुमान लगाया, यहाँ तक कि देश के निगरानी रहित ग्रामीण क्षेत्रों में भी। फिर उन्होंने 2000 से 2012 तक के मृत्यु रिकॉर्ड के आधार पर 65 वर्ष और उससे अधिक आयु के 22 मिलियन वयस्कों के लिए मृत्यु के दिनों के आसपास प्रदूषण के स्तर को देखा। मृत्यु के दिनों (22 मिलियन मौतों के लिए) के वायु प्रदूषण के स्तर की तुलना अन्य दिनों (76 मिलियन नियंत्रण दिनों) के दौरान प्रदूषण के स्तर से की गई। शोधकर्ताओं ने पाया कि जब सूक्ष्म कणों या ओजोन से वायु प्रदूषण रुक-रुक कर बढ़ता है, तो 2 दिन की अवधि में मौतों में काफी वृद्धि होती है। प्रति क्यूबिक मीटर में 10 माइक्रोग्राम सूक्ष्म कणों या 10 पार्ट प्रति बिलियन ओजोन की प्रत्येक रुक-रुक कर, वृद्धिशील वृद्धि मौतों में वृद्धि से जुड़ी थी।बड़े डेटासेट ने शोध दल को आयु, लिंग, नस्ल, आयु और आय स्तर के आधार पर प्रभावों का अध्ययन करने में भी सक्षम बनाया। वायु प्रदूषण से होने वाली मृत्यु के सबसे अधिक जोखिम वाले लोग 85 वर्ष से अधिक उम्र के, महिला, अश्वेत या आर्थिक रूप से वंचित थे। डोमिनिकी कहते हैं, "यह प्रदूषण के अल्पकालिक जोखिम और मृत्यु दर का अब तक का सबसे व्यापक अध्ययन है।" "हमने पाया कि वायु प्रदूषण बढ़ने के साथ मृत्यु दर लगभग रैखिक रूप से बढ़ती है। वायु प्रदूषण का कोई भी स्तर, चाहे कितना भी कम क्यों न हो, मानव स्वास्थ्य के लिए हानिकारक है।"विशेषज्ञ वायु प्रदूषण के अध्ययन के परिणामों का उपयोग यह आकलन करने के लिए कर सकते हैं कि क्या वायु गुणवत्ता मानक सार्वजनिक स्वास्थ्य की रक्षा के लिए पर्याप्त हैं। देश की आर्थिक राजधानी मुंबई कि बात करें तो मुंबई में गत दिनों अचानक मौसम ने करवट ली थी तब धूल के गुबार के साथ चली तेज

हवा ने मुंबई वासियों को खासा परेशान किया था । मुंबई के उपनगर ठाणे, अबंरनाथ, बदलापुर, कल्याण और उल्लासनगर में करीब 60 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवा चली। धूल भरी आंधी और बारिश से दिन में ही अंधेरा सा होने लगा था । मुंबई एयरपोर्ट पर ऑपरेशन अगले आदेश तक बंद कर दिया गया था । कई नेशनल और इंटरनेशनल फ्लाइट्स डायवर्ट की गई हैं थी । लोगों को भी घरों में रहने की हिदायद दी गई है थी । अमूमन मुंबई में प्रदूषण का स्तर लंबे समय तक बिगड़ा नहीं रह सकता क्योंकि समुद्र की हवा चलने से प्रदूषण खत्म हो जाता है, लेकिन इस बार ऐसा नहीं हो रहा था । मुंबई की एयर क्वालिटी खराब होने की कई वजहें हैं। लेकिन सबसे बड़ी वजह कंस्ट्रक्शन वर्क्स (निर्माण के कामों) को माना जा रहा है। 'टाइम्स ऑफ इंडिया' की एक रिपोर्ट के मुताबिक, मुंबई में बहुत से कंस्ट्रक्शन प्रोजेक्ट्स चल रहे हैं। ये वास्तव में धूल भरे प्रदूषण का सबसे बड़ा कारण है। BMC ने बीते साल 20 अक्टूबर को एक बयान में कहा था, "वर्तमान में मुंबई में 7000 लोकेशन पर कंस्ट्रक्शन का काम चल रहा है। ये जलवायु परिवर्तन मुंबई मेट्रोपॉलिटन रीजन की एयर क्वालिटी पर नेगेटिव असर डाल रहा है।" हाई राइज बिल्डिंग और कॉमर्शियल टावरों के लिए पुरानी इमारतों को गिराया जा रहा है। शहर में भीड़भाड़ को कम करने के लिए मेगा इंफ्रास्ट्रक्चर के प्रोजेक्ट्स भी चल रहे हैं। इनमें एक कोस्टल रोड और मेट्रो लाइनें शामिल हैं। नई और हाई राइज बिल्डिंगें हवा के पैटर्न को बदल रही है। इससे समुद्री हवा का असर कम हो रहा है। समुद्र से आने वाली हवा मुंबई के पार्टिक्यूलेट मैटर और डस्ट मिक्स के साफ करने में नाकाम साबित हो रहे हैं। इसीलिए पिछले महीने मुंबई के कई इलाकों में कई दिनों तक प्रदूषण का स्तर 300 से पार हो गया था। विशेषज्ञों का कहना है कि यह दूसरा साल है, जब मुंबई में एयर पॉल्यूशन का लेवल बढ़ा हो। सेंटर फॉर साइंस एंड एनवायरमेंट में एग्जिक्यूटिव डायरेक्टर रिसर्च एंड एडवोकेसी अनुमिता रॉय चौधरी के मुताबिक, "मुंबई में इस महीने की शुरुआत में दर्ज किया गया पॉल्यूशन लेवल पिछले साल के इसी समय की तुलना में बहुत ज्यादा था। प्रदूषण मुंबई के लोगों के लिए सबसे बड़ी समस्या बनता जा रहा है। यह शहर के लिए एक चेतावनी है।" मुंबई शहर के अधिकारियों ने बिल्डरों को कंस्ट्रक्शन साइटों पर 11 मीटर ऊंचे बैरिकेड लगाने का आदेश दिया है, जो धूल को कंट्रोल करे। इसके साथ ही कंस्ट्रक्शन साइटों और प्रमुख सड़कों पर धूल के कणों को कम करने के लिए एंटी-स्मॉग मशीनें तैनात की जाएंगी। खुले मैदानों में कूड़ा जलाने पर प्रतिबंध लगा दिया गया है। हालांकि, नियमों का पूरी तरह से पालन नहीं हो रहा। इस महीने कई दिनों तक मुंबई शहर का AQI 200 से ऊपर चला गया, जो सुरक्षित सीमा से 3 गुना ज्यादा है। मुंबई के प्रदूषण में दूसरा बड़ा योगदान सड़कों पर दौड़ती गाड़ियों की संख्या भी है। मुंबई में प्राइवेट कारों की संख्या हर दिन बढ़ती जा रही है। प्रति किलोमीटर 600 कारें सड़कों पर दौड़ती हैं। वर्ल्ड रिसोर्सेज इंस्टीट्यूट के क्लीन एयर एक्शन विभाग के प्रोग्राम डायरेक्टर श्रीकुमार ने कहा कि मुंबई का पब्लिक ट्रांसपोर्ट सिस्टम सबसे अच्छा माना जाता था, लेकिन बीते कुछ समय में हालात बदले हैं। इस पर फौरन ध्यान देने की जरूरत है। श्रीकुमार कहते हैं, "गाड़ियों की संख्या 50 लाख तक पहुंच गई है, ये बहुत बड़ा फिगर है। बाहर से आने वाली जो 7-8 लाख गाड़ियां हैं, उन्हें भी इसमें शामिल करके डेटा को देखा जाए, तो पता चलेगा कि मुंबई वास्तव में कितना कार्बन उत्सर्जन झेल रहा है। हमें पब्लिक ट्रांसपोर्ट के लिए फिर से जागरुकता लानी होगी।" बता दें मुंबई में गाड़ियों की संख्या दो दशकों में करीब 300 फीसदी बढ़ी है। इसमें 35% वाहन 15 साल से पुरानी कैटेगरी के हैं, जो वाहनों से हुए PM10 उत्सर्जन का 49% उत्सर्जित करते पाए गए हैं। मुंबई में बढ़ते प्रदूषण के पीछे क्लाइमेट चेंज भी एक वजह हो सकता है। 'स्क्रॉल' की रिपोर्ट के मुताबिक, समुद्र के ऊपर तापमान में असामान्य गिरावट ने मुंबई में तटीय हवाओं की गति को गंभीर रूप से प्रभावित किया है। क्योंकि अरब सागर में कम हवा चलने के कारण प्रदूषक तत्वों का फैलाव नहीं हो सका। इससे एयर पॉल्यूशन की स्थिति और खराब हो गई।

मेष : परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। पर प्रपंच में ना पड़कर काम पर ध्यान दीजिए। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। आलस्य का त्याग करें। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। यार-दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा।

शुभांक.3.5.7

वृष : जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। आय-व्यय समान रहेगा। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। सुख-आनंद कारक समय है। अपने काम पर ध्यान दीजिए। अंधविश्वासी न बनें।

शुभांक.5.7.9

मिथुन : लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी।

शुभांक.6.7.9

कर्क : किसी से वाद-विवाद अथवा कहासुनी होने का भय रहेगा। बुद्धि और धन का दुरुपयोग न करें व्यर्थ के आडम्बरों से बचें। अपनी परिसंपत्ति को संभालकर रखें। परिवार में किसी का स्वास्थ्य खराब हो सकता हैं। मानसिक तनाव में बढ़ोतरी होगी। पुराने मित्र से मिलन होगा।

शुभांक.4.6.8

सिंह : भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। कार्यसिद्धि में देर नहीं लगेगी। आर्थिक लाभ उत्तम रहेगा। ज्ञानार्जन का वातावरण बनेगा। यात्रा का योग।

शुभांक.6.8.9

कन्या : शैक्षणिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। परिवार में कोई मांगलिक कार्य पर वार्ता होगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। लेन.देन में अस्पष्टता ठीक नहीं। मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का बना रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति रहेगी। लेन.देन में आ रही बाधा दूर करने का प्रयास होंगे।

शुभांक.5.7.9

तुला : लाभ में आशातीत वृद्धि तय हैं मगर नकारात्मक रुख न अपनाएं। किसी पुराने संकल्प को पुरा कर लेने का दिन हैं। आगे-आगे गौरख जागे वाली कहावत चरितार्थ होगी। निष्ठा से किया गया कार्य पराक्रम व आत्मविश्वास बढ़ाने वाला होगा। ज्ञानार्जन का वातावरण बनेगा। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा।

शुभांक.5.7.9

वृश्चिक : कामकाज की अधिकता रहेगी। लाभ भी होगा और पुराने मित्रों का समागम भी। व्यवसायिक अभ्युदय भी होगा और प्रसन्नताएं भी बढ़ेगी। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी।

शुभांक.3.6.8

धनु : कुछ पिछले संकट अब सिर उठा सकते हैं। निकट जनों के लिए अर्थव्यवस्था हेतु जोड़-तोड़ करना पड़ेगा। अपने संघर्ष में स्वयं को अकेला महसूस करेंगे। विशेष परिश्रम से ही अभिष्ट कार्य सिद्ध होंगे। नौकरी में अपने अधीनस्त लोगों से कम सहयोग मिलेगा। आध्यात्मिक रुचि बनेगी।

शुभांक.2.3.5

मकर : सुबह-सुबह की महत्वपूर्ण सिद्धि के बाद दिन-भर उत्साह रहेगा। किसी लाभदायक कार्य के लिए व्ययकारक स्थितियां पैदा होंगी। अल्प-परिश्रम से ही लाभ होगा। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। आर्थिक चिंताएं कम होगी। नियोजित धन से लाभ होने लगेगा।

शुभांक.2.5.7

कुंभ: विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। शुभ कार्यों में अड़चनें और परिवार के बुजुर्ग जनों से मतभेद रहेगा। भय तथा शत्रुहानि की आशंका रहेगी। जमीन जायदाद का लाभ भी हो सकता है। आवास, मकान तथा वाहन की सुविधाएं मिलेंगी। बनते हुए कार्यों में बाधा आएगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा।

शुभांक.3.5.8

मीन : कार्य साधक दिन है व्यर्थ न गंवाएं। विश्वस्त लोगों के कहे अनुसार चलें। राजकीय कार्यों में सतर्कता बरतें। मान-सम्मान को ठेस लग सकती है। जोश से कम व होश में रहकर कार्य करें। नये आगंतुकों से लाभ होगा। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। संतान पक्ष की समस्या समाप्त होगी।

शुभांक.3.5.7

साहा ने रणजी ट्रॉफी सत्र के बाद खेल से संन्यास लेने की घोषणा की

बेंगलुरु। भारतीय क्रिकेट टीम के विकेटकीपर बल्लेबाज रिद्धिमान साहा इस साल 2024-25 रणजी ट्रॉफी सीजन के बाद क्रिकेट को अलविदा कह देंगें। इसके साथ ही साहा का 17 साल लंबा करियर भी समाप्त हो जाएगा। साहा अभी यहां कर्नाटक के खिलाफ बंगाल के चौथी दौर के मैच की तैयारी कर रहे हैं। साहा ने अपने खेल से संन्यास लेने की बात सोशल मीडिया के जरिये प्रशंसकों को दी। उन्होंने लिखा, क्रिकेट में एक यादगार सफर के बाद, यह मेरा अंतिम सत्र होगा। बंगाल की ओर से रणजी ट्रॉफी में खेलते हुए संन्यास लेना मेरे लिए सम्मान की बात रहेगी। इसलिए इस सत्र को विशेष बनाना चाहता हूं। साहा साल 2022-23 में बंगाल टीम के से विवाद के बाद अलग हो गये थे।

तब बंगाल क्रिकेट संघ (सीएबी) के सचिव देबब्रत दास ने आरोप लगाया था कि साहा नहीं खेलने के लिए फिटनेस का बहाना बना रहे हैं। वहीं इस सीजन में साहा ने टीम में वापसी करते हुए रणजी ट्रॉफी के पहले दो मैचों में खेला है। साहा ने भारतीय टीम कील ओर से 40 टेस्ट खेलकर तीन शतक और छह अर्धशतक के साथ ही कुल 1353 रन बनाए हैं। साह का भारतीय टीम के साथ सफर लंबा रहा पर वह टेस्ट तक ही सीमित रहे। आक्रामक विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत के आने से उन्हें सीमित ओवरों में अवसर नहीं मिला। बाद में उन्हें टेस्ट में भी दूसरे विकेटकीपर के रूप में रखा जाने लगा। साहा ने तीन साल पहले दिसंबर 2021 में अंतिम बार भारतीय टीम के लिए खेला था और साल 2023 में उन्हें केन्द्रीय अनुबुंध से बाहर कर दिया गया था। इस बार उन्हें आईपीएल फ्रैंचाइजी गुजरात टाइटंस ने भी रिलीज कर दिया है जबकि साहा ने साल 2008 से हर आईपीएल सत्र खेला है। उन्होंने इससे पहले सनराइजर्स हैदराबाद, चेन्नई सुपर किंग्स, कोलकाता नाइट राइडर्स और पंजाब किंग्स की ओर से खेला है।

गंभीर पर उठ रहे सवाल , ऑस्ट्रेलिया दौरे में टीम का प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा तो बढ़ेंगी मुश्किलें

मुम्बई। भारतीय टीम की न्यूजीलैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज में करारी हार से टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर पर भी सवाल उठने लगे हैं। गंभीर को अभी तीन माह पहले ही कोच बनाया गया था। उसके बाद से ही भारतीय टीम का प्रदर्शन कुछ विशेष नहीं रहा है। गंभीर को टीम चयन मामलों में भी पूरे अधिकार दिये गये थे उसके बाद भी वह परिणाम नहीं दे पाये हैं। अब गंभीर की ऑस्ट्रेलिया दौरे में कड़ी परीक्षा होगी। वहीं अगर ऑस्ट्रेलिया दौरे पर भारतीय टीम का प्रदर्शन अच्छा नहीं रहता तो गंभीर की मुश्किलें बढ़ जाएंगी। गंभीर के कोच बनने के बाद भारतीय टीम 27 साल में पहली बार श्रीलंका से एकदिवसीय सीरीज हारी। इसके बाद अब उसे न्यूजीलैंड के खिलाफ घरेलू टेस्ट सीरीज में क्लीन स्वीप का शिकार होना पड़ा है। इससे पहले भारतीय टीम कभी भी तीन या उससे

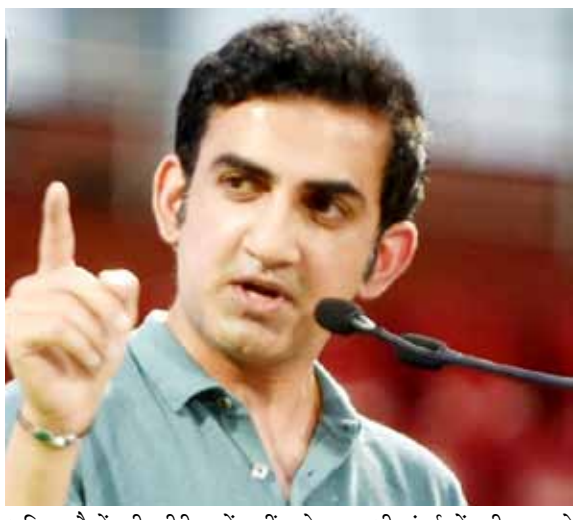

अधिक मैचों की सीरीज में नहीं हारी है। हालांकि उनके बचाव में कहा जा रहा है कि टीम के साथ कोच केवल योजना ही बना सकता है पर स्पिनरों के खिलाफ भारतीय बल्लेबाजों की कमजोरी जानने के बाद भी मुंबई में पूरी तरह से स्पिनरों की सहायक पिच बनाने पर भी सवाल उठे हैं। मुंबई में न्यूजीलैंड के खिलाफ तीसरे टेस्ट के दूसरे दिन तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज को नाइटवाचमैन के रूप में भेजने और पहली पारी में सरफराज खान को आठवें नंबर पर भेजने पर भी सवाल उठ रहे हैं। बीसीसीआई के एक अधिकारी ने कहा, 'गंभीर को ऐसा अधिकार दिया गया है जो इससे पहले कोच रहे रवि शास्त्री और राहुल द्रविड़ को नहीं मिला था। बीसीसीआई के नियम कोच को चयन समिति की बैठकों का हिस्सा बनने की अनुमति नहीं देते हैं पर ऑस्ट्रेलिया दौरे की चयन बैठक के लिए गंभीर को अपने सुझाव देने का अवसर दिया गया। ' बोर्ड के इस अधिकारी ने कहा, 'दौरे के महत्व को देखते हुए मुख्य कोच को इसमें भाग लेने की अनुमति दी गई थी।' दिल्ली और केकेआर के तेज गेंदबाज हर्षित राणा और आंध्र और एसआरएच के ऑलराउंडर नीतीश रेड्डी को मुख्य कोच की मांग पर बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के लिए शामिल किया गया है।

एक ओवर में सबसे अधिक रन बनाने वाले खिलाड़ियों में शीर्ष पर हैं श्रेयस

नई दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में एक ओवर में सबसे अधिक रन बनाने वाले खिलाड़ियों में चार भारतीय भी हैं। इसमें नंबर एक पर हैं श्रेयस अय्यर। आजकल भारतीय टीम से बाहर चल हरे श्रेयस ने एक ओवर में 31 रन बनाए हैं। श्रेयस ने साल 2019 में वेस्टइंडीज के खिलाफ ये रिकॉर्ड बनाया था। श्रेयस ने विशाखापत्तनम एकदिवसीय में वेस्टइंडीज के गेंदबाज रोस्टन चेज के एक ही ओवर में 31 रन बना दिये थे।इस दौरान श्रेयस ने 4 छक्के और एक चौका लगाया था। श्रेयस ने तब 32 गेंदों पर 53 रन बनाये थे। वहीं महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर दूसरे नंबर है हैं। सचिन ने 1999 में हैदराबाद में हुए एकदिवसीय में न्यूजीलैंड के खिलाफ एक ओवर में ही 28 रन बटोर थे। सचिन ने तब क्रिस ड्रम के एक ओवर में ही चौकों और छक्कों के साथ 150 गेंदों पर 186 रन बनाये थे। तीसरे नंबर पर तेज गेंदबाज जहीर खान का नाम है। जहीर ने साल 2000 में जिम्बाब्वे के खिलाफ बल्लेबाजी करते हुए जोधपुर एकदिवसीय में एक ओवर में 27 रन बना दिये। जहीर ने रन तेज गेंदबाज हेनरी ओलंगा के ओवर में बनाए थे। इस दौरान उन्होंने 4 छक्के लगाये थे। इसके अलावा चौथे नंबर

पर पूर्व सलामी बल्लेबाज वीरेंद्र सहवाग हैं। सहवाग ने साल 2005 में श्रीलंका के खिलाफ एक ओवर में 26 रन बटोरे थे जिसमें 5 चौके और एक छक्का लगा था। सहवाग ने ये रन श्रीलंका के गेंदबाज दिलहारा लोकुहेटिज की गेंदों पर बनाए थे।

शमी मध्यप्रदेश के खिलाफ होने वाले रणजी मुकाबले से वापसी करेंगे

नई दिल्ली। भारतीय टीम से बाहर चल रहे तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी अब रणजी ट्रॉफी के जरिये अपनी फिटनेस साबित करने उतरेंगे। शमी टखने की सर्जरी के बाद से ही टीम से बाहर हैं। ऐसे में अब वह घरेलू क्रिकेट से अपनी फिटनेस हासिल करना चाहते हैं। शमी के मध्य प्रदेश के खिलाफ 13 नवंबर से इंदौर में होने वाले मुकाबले में अपनी घरेलू टीम बंगाल की ओर से खेलने की संभावनाएं हैं। शमी हालांकि कर्नाटक के खिलाफ मुकाबले में नहीं खेलेंगे।शमी प्रतिस्पर्धी क्रिकेट में आराम से वापसी करना चाहते हैं जिससे चोटिल होने का खतरा न रहे। शमी ने हाल में द एम चिन्नास्वामी स्टेडियम के नेट्स में शुभमन गिल को गेंदबाजी भी की थी। इसके बाद शमी ने एक कार्यक्रम में कहा कि वह अब उन्हें दर्द नहीं

है, इसलिए वह कुछ घरेलू मैच खेलेंगे। अब देखना होगा कि शमी 14 दिसंबर से ब्रिस्बेन में शुरू होने वाले बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के तीसरे टेस्ट के लिए फिट हो पाते हैं या नहीं। शमी ने अंतिम बार एकदिवसीय विश्वकप 2023 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ फाइनल खेला था। उसके बाद से ही वह टीम से बाहर हैं।

बॉर्डर-गावस्कर सीरीज में मुझे सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना होगा : विराट

मुम्बई। भारतीय क्रिकेट टीम के अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली ने माना है कि वह आजकल बेहतर प्रदर्शन नहीं कर पा रहे हैं। विराट ने ये भी कहा कि ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी में टीम को जीत दिलाने के लिए उन्हें अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना होगा। भारतीय टीम को इसी माह बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी सीरीज के लिए ऑस्ट्रेलिया जाना है। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी सीरीज 22 नवंबर को पर्थ में पहले टेस्ट के साथ शुरू होगी। भारत ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ अपनी पिछली 4 सीरीज लगातार जीती हैं, जिसमें 2018-19 और 2020-21 सीज़न में ऑस्ट्रेलिया में 2 जीत शामिल हैं। भारत अब तक 10 बार ये सीरीज जीती है जबकि ऑस्ट्रेलिया ने 5 बार इसे जीता है। उनकी आखिरी सीरीज जीत 2014-15 सीजन के दौरान आई थी। भारत में उनकी आखिरी सीरीज जीत 2004-05 में आई थी। विराट ने कहा कि ऑस्ट्रेलियाई टीम को हराने के लिए मुझे अपने खेल के स्तर को ऊपर उठाना होगा। मुझे लगता है कि मैं उस मानसिकता को ठीक से समझ सकता हूं कि कंगारू इतने प्रतिस्पर्धी हैं कि सभी 11 खिलाड़ी जुनूनी हैं। वे जानते हैं कि क्या करना है और कब करना है। यह देखकर, मेरी प्रेरणा बढ़

जाती है क्योंकि वे इतने जागरूक हैं और बेहद कुशलता से खेलते हैं।

बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी 2024-25 का कार्यक्रम इस प्रकार है।

22 से 26 नवंबर 2024 : पहला टेस्ट, पर्थ स्टेडियम, पर्थ

06 से 10 दिसम्बर 2024 : दूसरा टेस्ट (दिन-रात), एडिलेड ओवल

14 से 18 दिसम्बर 2024 : तीसरा टेस्ट, गाबा, ब्रिस्बेन

26 से 30 दिसम्बर 2024 : चौथा टेस्ट, एमसीजी, मेलबर्न

03 से 07 जनवरी 2025 : 5वां टेस्ट, एससीजी, सिडनी

व्यापार

शेयर बाजार की गिरावट के साथ शुरुआत

मुंबई। वैश्विक बाजार से मिले मिश्रित रुझानों के बीच सप्ताह के पहले कारोबारी दिन सोमवार को भारतीय शेयर बाजार की शुरुआत लाल निशान पर हुई। बेंचमार्क इंडेक्स, सेंसेक्स और निफ्टी 50 में सोमवार को शुरुआती कारोबार में बड़ी गिरावट आई। शुरुआती कारोबार में 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 150 अंक की गिरावट के साथ 79,573 पर खुला, जबकि निफ्टी 50 100 अंक की गिरावट के साथ 24,204 पर कारोबार कर रहा था। वहीं पिछले कारोबारी सत्र शुक्रवार को जब देश भर ने दीवाली मनाई गई तब शेयर बाजारों ने शाम को एक घंटे के लिए मुहूर्त ट्रेडिंग सत्र आयोजित किया। मुहूर्त ट्रेडिंग में बीएसई सेंसेक्स 335.06 अंक बढ़कर 79,724.12 पर बंद हुआ और निफ्टी 50 94.20 अंक बढ़त लेकर 24,299.55 पर बंद हुआ। वहीं एबीबी इंडिया, अमारा राजा एनर्जी एंड मोबिलिटी, बाटा इंडिया, सन फार्मा एडवांस्ड रिसर्च कंपनी, एक्साइड इंडस्ट्रीज, केईसी इंटरनेशनल, ग्लैंड फार्मा, इंडियन रेलवे कैटरिंग एंड टूरिज्म कॉर्पोरेशन, इंडियन रेलवे फाइनेंस कॉर्पोरेशन, हैटसन एग्रो प्रोडक्ट, जेके पेपर, साई सिल्क्स (कलामंदिर), प्रॉक्टर एंड गैंबल हेल्थ, रेमंड, शंकरा बिल्डिंग प्रोडक्ट्स, तिलकनगर इंडस्ट्रीज, ट्यूब इन्वेस्टमेंट्स ऑफ इंडिया और वीएसटी

सेंसेक्स 150 अंक गिकर 79,570, निफ्टी 50 24,200 पर

टिलर्स ट्रैक्टर्स 4 नवंबर को अपनी सितंबर तिमाही की आय की घोषणा करेंगे। वहीं चुनाव से पहले शुक्रवार को वॉल स्ट्रीट उच्च स्तर पर बंद हुआ। डॉव जोंस 0.69 प्रतिशत की बढ़त के साथ बंद हुआ, एसएंडपी 500 में 0.41 प्रतिशत की वृद्धि देखी गई, जबकि नैस्डैक कंपोजिट 0.80 प्रतिशत की गिरावट के साथ बंद हुआ। एशियाई बाजार आज मिश्रित रुख में ट्रेड कर रहे हैं। ताजा जानकारी के अनुसार चीन के मुख्य सीएसआई 300 और शंघाई इंडेक्स नकारात्मक झुकाव के साथ लगभग स्थिर हैं। जापानी बाजार 'कल्चर डे' के अवसर पर बंद हैं।

भारत दुनिया की चौथी बड़ी अर्थव्यवस्था होगा: आईएमएफ

नई दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) की रिपोर्ट के अनुसार, साल 2025 में भारत दुनिया की चौथी बड़ी अर्थव्यवस्था होगा। वहीं रिपोर्ट के अनुसार, संयुक्त राज्य अमेरिका ने एक बार फिर से दुनिया की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था का पहला स्थान बरकरार रखा है और वर्ष 2025 में यह सबसे तेजी से बढ़ने वाली अर्थव्यवस्था होने का अनुमान है। अमेरिका का सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) अनुमानित 29,840 बिलियन डॉलर तक पहुँच जाएगा। रिपोर्ट में कहा गया है कि 2025 में चीन, अमेरिका से ठीक पीछे होगा, जिसका अनुमानित जीडीपी 19,790 बिलियन डॉलर रहने का अनुमान है। पश्चिमी देशों के आर्थिक प्रतिबंधों और विभिन्न आर्थिक झटकों के बावजूद चीन ने इस उच्च स्तर को बनाए रखा है। वहीं, जर्मनी की अर्थव्यवस्था कुछ कठिनाइयों से जूझने के बावजूद 4,591 बिलियन डॉलर के अनुमान के साथ तीसरे स्थान पर रहेगी। यह संकेत देता है कि वैश्विक आर्थिक

अमेरिका बना सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था

परिदृश्य में स्थिरता बनाए रखने में जर्मनी ने उल्लेखनीय काम किया है। आईएमएफ की रिपोर्ट के अनुसार, यूनाइटेड किंगडम 3,685 बिलियन डॉलर की जीडीपी के साथ छठे स्थान पर बना रहेगा, जबकि फ्रांस 3,223 बिलियन डॉलर के साथ सातवें स्थान पर रहेगा। ब्राजील और इटली के बीच भी मामूली अंतर है, जिसके चलते ब्राजील आठवें स्थान पर और इटली नौवें स्थान पर आ जाएगा। ब्राजील के जीडीपी का अनुमान 2,438 बिलियन डॉलर और इटली का अनुमान 2,390 बिलियन डॉलर है। कनाडा 2,361 बिलियन डॉलर की जीडीपी के साथ दसवें स्थान पर रहेगा। भारत की जीडीपी अगले साल उत्पाद 4,340 बिलियन डॉलर पहुंचेगी रिपोर्ट के अनुसार, भारत वर्ष 2025 में जापान को पीछे छोड़ते हुए दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएगा। अनुमान के मुताबिक, भारत का सकल घरेलू उत्पाद 4,340 बिलियन डॉलर पहुंच सकता है। भारत ने तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था के साथ यूनाइटेड किंगडम को पीछे छोड़कर पांचवें स्थान से चौथे स्थान पर छलांग लगाई है। यह भारत के लिए एक बड़ी उपलब्धि है और सरकार द्वारा आर्थिक सुधारों और विभिन्न योजनाओं के परिणामस्वरूप आई है। जापान जो आर्थिक मंदी का सामना कर रहा है, 4,310 बिलियन डॉलर के अनुमानित जीडीपी के साथ पांचवें स्थान पर होगा। भारत का भविष्य उज्जवल आईएमएफ की रिपोर्ट बताती है कि आर्थिक अस्थिरता और वैश्विक बदलावों के बीच कई देशों ने अपनी स्थिति को बनाए रखने और सुधारने में सफलता प्राप्त की है। विशेष रूप से भारत की आर्थिक प्रगति से यह संकेत मिलता है कि यह देश निकट भविष्य में और भी ऊंचाइयों पर पहुंच सकता है। जबकि अमेरिका, चीन और जर्मनी जैसी अर्थव्यवस्थाएं अब भी स्थिरता बनाए हुए हैं।

देश राज्यों से बड़ी खबरें

1 बाबा सिद्दीकी की तरह मार डालेंगे,CM योगी को धमकी देने वाली फातिमा हिरासत में,10 दिनों के अंदर इस्तीफा दें,नहीं तो बाबा सिद्दीकी जैसा हाल कर देंगे...CM योगी को दी थी जान से मारने की धमकी
2 J&K:श्रीनगर के संडे बाजार में ग्रेनेड हमला...10 लोग घायल;नाइजीरिया में 29 बच्चों को मिलेगी मौत की सजा! महंगाई के खिलाफ प्रदर्शन करना पड़ा भारी
3 चुनाव के पहले BJP ने JMM को दिया बड़ा झटका,CM हेमंत के प्रस्तावक मंडल मुर्मू भाजपा में शामिल;रूस ने मांग की है कि अगर अमेरिका तीसरे विश्व युद्ध से बचना चाहता है तो उसे उसकी परमाणु चेतावनियों को गंभीरता से लेना चाहिए
4 हमास को नहीं पता कि बंधक कहा हैं...इजरायली अधिकारी का बड़ा खुलासा,नेतन्याहू की बढ़ी टेंशन;रूस पहुंचते ही ढेर होने लगी किम जोंग उन की एलीट आर्मी! यूक्रेन ने मार गिराए 40 सैनिक
5 चीन के ग्रंथों में मौजूद हैं रामायण की कहानियां, चीनी विद्वानों ने किया खुलासा;पवन कल्याण ने सनातन की रक्षा के लिए किया नरसिंह वाराही ब्रिगेड का गठन,मिला BJP का साथ
6 महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव,आज नाम वापसी का अंतिम दिन,बागियों को मनाने में जुटे गठबंधन;इस बार 7995 उम्मीदवारों ने नामांकन किया
7 गृहमंत्री अमित शाह बोले:2026 तक देश से नक्सलवाद का सफाया हो जाएगा;उदयनिधि स्टालिन बोले:तमिल फिल्म इंडस्ट्री में अरबों का रेवेन्यू,उत्तर भारत में किसी भाषा की फिल्म इंडस्ट्री हमारे जितनी नहीं
8 10 हाथियों की मौत के मामले में दो अफसर सस्पेंड,सीएम ने कहा:टास्क फोर्स बनाएंगे;बांधवगढ़ में 3 लोगों को कुचलने वाले हाथी को पकड़ा;भजनलाल शर्मा राजस्थान के नए जादूगर', उपचुनाव के 4 बागियों को मनाया;BJP को बड़ी राहत
9 पटना:बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने चित्रगुप्त पूजा के अवसर पर ठाकुर बाड़ी मंदिर का दौरा किया और पूजा की;ईरान के सर्वोच्च नेता खामेनेई ने अमेरिका और इसराइल को दी चेतावनी, कहा:देंगे करारा जवाब'
10 राजस्थान में गिरने लगा तापमान,सुबह और शाम की ठंडी हवा में सर्दी का एहसास;तुम्हारे दांत तोड़ देंगे,मिडिल ईस्ट पहुंचा बम वर्षक' तो ईरान ने US-इजरायल को दे डाली चेतावनी
11 झारखंड में UCC लागू करेगी BJP,जनजातीय समुदाय इसके दायरे से बाहर रखे जाएंगे:अमित शाह;साउथ के मशहूर डायरेक्टर गुरुप्रसाद ने की आत्महत्या,अपार्टमेंट में सड़ी-गली अवस्था में मिला शव
12 JDU का लालू यादव को नजरबंद करने का आरोप,RJD सांसद बोले: उपचुनाव से क्यों गायब हैं नीतीश;बांग्लादेश में हो जाएगा अंधेरा! अडानी की चेतावनी:बिल चुकाओ,नहीं तो काट देंगे बिजली सप्लाई'
13 आपको खुली छूट है...श्रीनगर ग्रेनेड हमले पर सुरक्षा एजेंसियों से बोले उप-राज्यपाल मनोज सिन्हा
14 Jharkhand Elections:प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का झारखंड दौरा,गढ़वा और चाइबासा में भाजपा की चुनावी रैली को संबोधित किये
15 शादी-बच्चों से परहेज:चीनी युवा विवाह से दूर भाग रहे,आबादी बढ़ाने के सरकारी उपाय नाकाम; जनसंख्या चिंता का सबब
16 इस भरोसे को मैं कभी टूटने नहीं दूंगा,पदयात्रा में लोगों से मिलकर भावुक हुए अरविंद केजरीवाल
17 पीएम मोदी से एक घंटे हुई सीएम योगी आदित्यनाथ की मुलाकात,महाकुंभ समेत कई मुद्दों पर हुई चर्चा
18 जैव विविधता संरक्षण की संशोधित राष्ट्रीय रणनीति,2030 तक क्षरण पर पूर्ण विराम का लक्ष्य
19 न्यूजीलैंड से तीसरा टेस्ट भी हारा भारत,पहली बार घर पर क्लीन स्वीप हुई टीम इंडिया
20 पप्पू यादव का PA बनना चाहता था धमकी देने वाला महेश पांडेय,लॉरेंस की फोटो डाउनलोड कर लगाई थी DP, फिर किया कॉल...
21 झारखंड में दीपावली और रक्षा बंधन पर एक-एक गैस सिलेंडर फ्री दिया जाएगा:अमित शाह
22 मदिरा प्रेमियों के लिए गुड न्यूज,दिल्ली में फिर खुलेंगी शराब की प्रीमियम दुकानें;मिलेंगे सभी प्रमुख ब्रांड
23 चरखी दादरी का सौभाग्य है कि एक साथ में दो डीसी नियुक्त किए हैं सरकार ने
24 इस दिवाली 448 करोड़ की दारू गटक गए दिल्लीवाले! एक पखवाड़े में बिकी शराब की 3.9 करोड़ बॉटल
25 वोटिंग से पहले ट्रंप के लिए अच्छी खबर, रिपब्लिकन की तरफ शिफ्ट हुए भारतवंशी,मुस्लिम और अफ्रीकी
26 हिजाब के विरोध में छात्रा ने उतार दिए कपड़े, ईरान की यूनिवर्सिटी में लड़की की बगावत!
27 यूपी के फतेहपुर में पत्रकार की हत्या के आरोप में पांच लोग गिरफ्तार
28 गाजा में टीकाकरण केंद्र पर इजरायली हमले में चार बच्चों समेत छह घायल
29 गाजा में टीकाकरण केंद्र पर इजरायली हमले में चार बच्चों समेत छह घायल
30 दिवाली के तीन दिन बाद भी सांसों पर संकट, दिल्ली की हवा में जहर',20 इलाके रेड जोन में
31 New Delhi:भारत में 2015 के मुकाबले 2023 में टीबी के मामलों में आई कमी,WHO ने की भारत की सराहना
32 UP:एक रहेंगे तो सेफ रहेंगे...के मंत्र पर काम कर रही भाजपा,डिप्टी सीएम केशव बोले:उपचुनाव में जीत 2027 का आधार बनेगी
33 Delhi Pollution: जहरीली होती जा रही दिल्ली की हवा,बहुत खराब श्रेणी में AQI;आनंद विहार में हालत ज्यादा खराब
34 राजस्थान के चूरू में ABVP नेता की डंडों और सरियों से पीटकर हत्या,थार में सवार होकर आए बदमाशों ने किया हमला
35 प्रकाश मुनि साहेब के बेटे के ऊपर हमला,मौके पर तत्काल पहुंचे गृह मंत्री विजय शर्मा,पुलिस जांच मे जुटीं
36 रवींद्र रैना को पार्टी का राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य नियुक्त किया गया:भाजपा
37 Jobs:बिहार में स्वास्थ्य विभाग में निकली बंपर बहाली,4500 CHO पद पर होगी भर्ती
38 मौन रहने का कोई ऑप्शन नहीं,सनातन बोर्ड की मांग करते हुए बोले देवकी नंदन:क्या हमारा हिन्दुत्व.?
39 पापा से एक गलती हुई,उनको विधायक बना दिया...मीसा भारती का सम्राट चौधरी पर तंज
40 पंजाब:सरहिंद से निकलते ही हावड़ा मेल में जोरदार धमाका,4 यात्री झुलसे;छठ पर घर जा रहे थे यूपी-बिहार के लोग

भूल भुलैया 3 की एक्ट्रेस का दर्द:सीरियल से निकाल दिया गया था

रोज सरदाना बोलीं- तंग आकार टीवी छोड़ दी

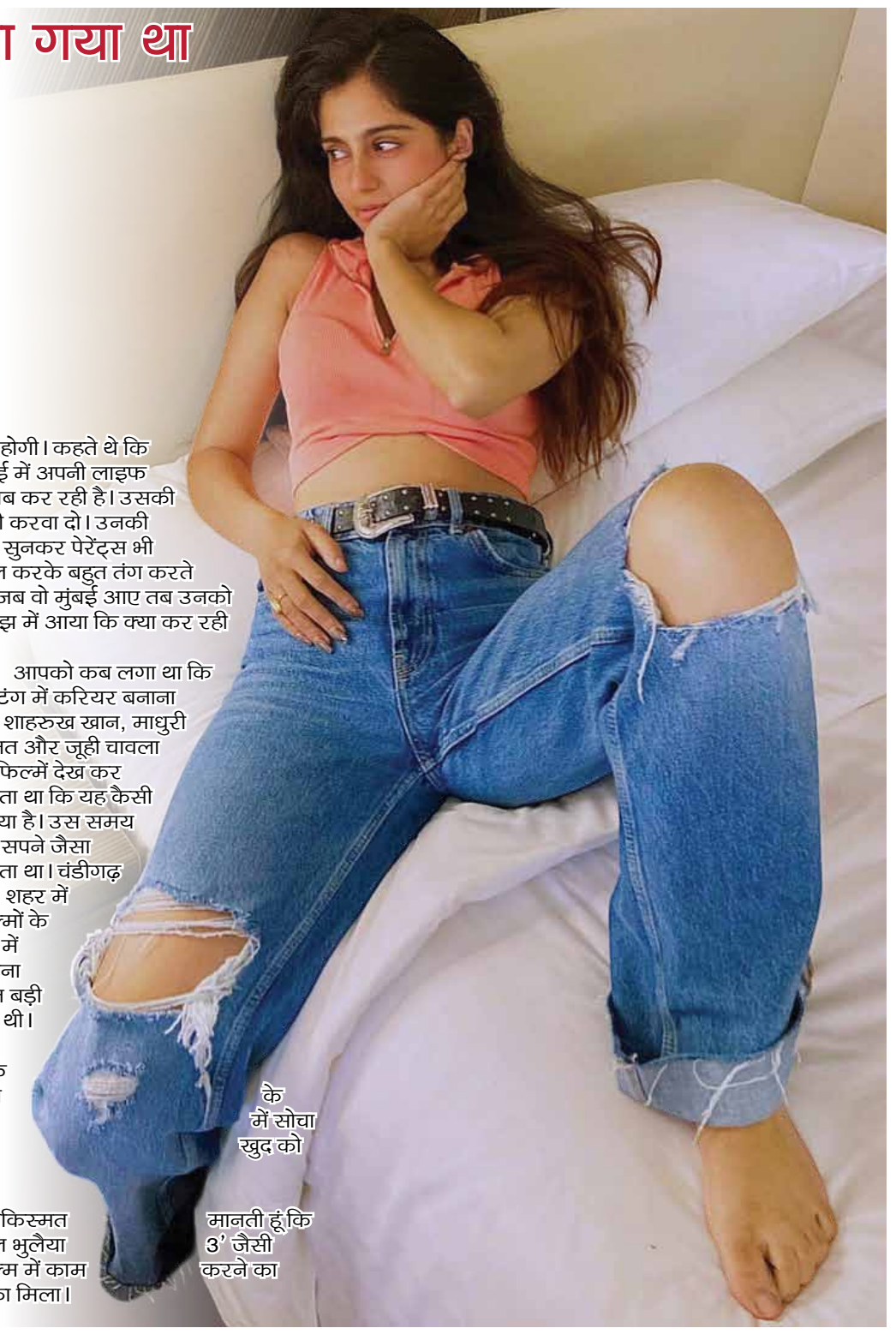

एक्ट्रेस रोज सरदाना ने टेलीविजन से करियर की शुरुआत की, लेकिन उन्हें सक्सेस नहीं मिली। तंग आकार एक्ट्रेस ने टीवी छोड़, फिल्मों के लिए कोशिश शुरू की। 'दृश्यम 2' और 'वाइल्ड वाइल्ड पंजाब' जैसी फिल्मों में काम कर चुकी रोज सरदाना की फिल्म 'भूल भुलैया 3' रिलीज हुई है। पिछले दिनों एक्ट्रेस ने दैनिक भास्कर से बातचीत की। पेश है कुछ खास अंश...

• करियर की शुरुआत से लेकर 'भूल भुलैया 3' तक का सफर कैसा रहा ?- अब तक बहुत ही अनुभव भरा सफर रहा है। मुंबई जैसे शहर में बहुत ही उतार-चढ़ाव रहे हैं। मैंने फिल्मों के बारे में कभी नहीं सोचा था। मुझे लगता था कि फिल्मों की दुनिया बहुत ही अलग है। इसलिए मैं टेलीविजन में ही करियर बनाना चाह रही है, लेकिन टेलीविजन में कभी सफल नहीं रही। मुझे या तो शो से निकाल दिया जाता था, या फिर रिप्लेस कर दिया जाता था।

• टेलीविजन पर पहला मौका कब मिला, कैसे अनुभव रहें?- मुंबई आने के दो महीने के बाद ही मुझे बालाजी टेलीफिल्म्स के शो 'मेरी आशिकी तुमसे ही' में मौका मिला। मैं बहुत खुश थी, लेकिन मुझे यह नहीं पता था कि शूटिंग कैसे होती है? पहला शॉट देते वक्त बहुत नर्वस थी। उस शो को अनिल सर (अनिल वी कुमार) डायरेक्ट कर रहे थे। वो इतना डांटने लगे कि मैं रोने लगी थी। दो महीने के बाद मुझे शो से निकाल दिया गया।

• जब आपको शो से निकाल दिया गया तो खुद को कैसे संभाला?- उस समय मुझे बिल्कुल भी बुरा नहीं लगा था। मैं ठीक से परफॉर्म नहीं कर पा रही थी। कोई भी प्रोडक्शन हाउस अपना नुकसान क्यों चाहेगा? उसके बाद भी टेलीविजन की मेरी जर्नी बहुत ही दुख भरी रही है। मैंने जितने शो किए, उनमें से मुझे निकाल दिया गया या फिर रिप्लेस कर दिया गया। कई शो तो बंद हो गए। टीवी में जहां भी कोशिश करती थी, मेरे साथ ऐसा होता था। मैंने सब टीवी के लिए एक शो 'हम आपके घर में रहते हैं' किया था। इसमें मेरी लीड भूमिका थी। मुझे लगा कि अब तो लाइफ सेट है। चार महीने के बाद प्रोडक्शन से फोन आया कि आपको रिप्लेस किया जा रहा है। चैनल आपके काम से खुश नहीं है।

• उसके बाद क्या किया आपने?- तंग आकार मैंने डिसाइड किया कि अब टीवी नहीं करना है। मैंने ओटीटी और फिल्मों के लिए कोशिश करनी शुरू कर दी। वहां से मुझे रिस्पॉन्स मिलने लगा। मुझे 'दृश्यम 2' में काम करने का मौका मिला। इसमें छोटा सा ही किरदार था, लेकिन उस किरदार को लोगों ने नोटिस किया। इसके बाद मैंने लव रंजन की फिल्म 'वाइल्ड वाइल्ड पंजाब में काम किया। सबसे अच्छी बात यह थी कि इस फिल्म की शूटिंग मेरे होम टाउन चंडीगढ़ में हुई थी। यह फिल्म नेटफ्लिक्स पर रिलीज हुई थी। इसके बाद मुझे 'भूल भुलैया 3' में मौका मिला।

• 'भूल भुलैया 3' में कैसे मौका मिला?- यह फिल्म मुझे ऑडिशन से मिली थी। इस फिल्म की शूटिंग के दौरान मेरे लिए सबसे यादगार क्षण माधुरी मैम (माधुरी दीक्षित) से मिलना था। मैंने सपने में भी नहीं सोचा था कि माधुरी मैम के साथ परफॉर्म करूंगी। इस फिल्म मैंने तृप्ति डिमरी की बहन का किरदार निभाया है। जब यह फिल्म कर रही थी तो इसके बारे में किसी को भी नहीं बताया था। इतना रिजेक्शन झेल चुकी थी कि मुझे डर लग रहा था कि पता नहीं क्या होगा? मेरे पेरेंट्स को रिजेक्शन सुनने की आदत लग गई थी। वो यही सोचते थे कि पता नहीं इसका क्या होगा?

• जब आपने शुरू में पेरेंट्स को एक्टिंग प्रोफेशन के बारे में बताया होगा तब उनकी क्या प्रतिक्रिया थी?- मम्मी को जब बताया तो उनको लगा कि पागल हो गई हूं। पापा बिल्कुल भी तैयार नहीं थे। मैं बेंगलुरु में जॉब कर रही थीं। पापा चाह रहे थे कि जॉब ही करूं। मैं जॉब से खुश नहीं थी। सात महीने के दौरान ही पूरी तरह से डिप्रेशन में चली गई थी। उन दिनों मेरा छोटा भाई मुंबई में रहता था। उससे मिलने के बहाने मुंबई आ गई थी। उस समय भईया नहीं होते तो मेरे लिए मुश्किल हो जाता।

• मुंबई में किस तरह से सरवाइव किया आपने ?- पिछले दस साल से कॉन्सर्ट में एंकरिंग कर रही हूं। इससे मुझे आर्थिक रूप से बहुत हेल्प मिली। पेरेंट्स भी इस वजह से शांत रहते थे कि कुछ तो कमा रही है। वर्ना उनको बहुत चिंता रहती थी कि मुंबई में क्या कर रही होगी? रिश्तेदारों की बातें भी बहुत चुभती थीं। एक बार पेरेंट्स को मुंबई बुलाया। तब एक छोटे से कमरे में रहती थी। उनको इस बात से कोई फर्क नहीं पड़ा कि छोटे से कमरे में रहती हूं। वो मुंबई का माहौल देखकर बहुत खुश थे। मुंबई ऐसा शहर हैं, जहां पर लड़कियां रात के दो बजे भी बिना डरे घूम सकती हैं।

• आपके पेरेंट्स से रिश्तेदार क्या कहते थे?- रिश्तेदार फोन करके पेरेंट्स को बहुत परेशान करते थे। पूछते थे कि कल टीवी पर देखा था आज नहीं देखा। मुंबई में क्या कर रही होगी। कहते थे कि मुंबई में अपनी लाइफ खराब कर रही है। उसकी शादी करवा दो। उनकी बातें सुनकर पेरेंट्स भी कॉल करके बहुत तंग करते थे। जब वो मुंबई आए तब उनको समझ में आया कि क्या कर रही हूं।

• आपको कब लगा था कि एक्टिंग में करियर बनाना है?- शाहरुख खान, माधुरी दीक्षित और जूही चावला की फिल्में देख कर लगता था कि यह कैसी दुनिया है। उस समय सब सपने जैसा लगता था। चंडीगढ़ जैसे शहर में फिल्मों के बारे में सोचना बहुत बड़ी बात थी। मैंने सिर्फ टीवी के बारे में सोचा था। खुशकिस्मत 'भूल भुलैया 3' जैसी फिल्म में काम करने का मौका मिला। मानती हूं कि मैं खुद को

दीपिका का लेडी सिंघम के रूप में जोरदार रहा है प्रभाव

बालीवुड एक्ट्रेस दीपिका पादुकोण ने सिंघम अगेन में शक्ति शेट्टी के किरदार में खुद को साबित किया है। इस फिल्म में उनका प्रभाव लेडी सिंघम के रूप में जोरदार रहा है। एक्ट्रेस के किरदार के इंट्रोडक्शन ने दर्शकों को उत्साहित कर दिया है, कई लोगों ने स्क्रीन पर उनके मजबूत प्रेजेंस और पॉवरफुल परफॉर्मेंस की खूब तारीफ की है। दीपिका अपनी

वर्सेटिलिटी के लिए जानी जाती हैं, और उन्होंने शेट्टी के कॉप यूनिवर्स की इंटेंस दुनिया में बिना किसी दिक्कत के कदम रखा है। बता दें कि उन्होंने फ्रेंचाइजी में नई एनर्जी और एक मजबूत महिला किरदार शक्ति शेट्टी को इंट्रोड्यूस किया है। उनका आउटस्टैंडिंग एंट्री सीन अब हॉट टॉपिक बन गया है, जिसे देखते हुए फैंस उनकी डेरिंग परफॉर्मेंस और दूसरे किरदारों के साथ मजबूत केमिस्ट्री की खूब तारीफ कर रहे हैं। खासतौर पर अजय देवगन के फेमस किरदार बाजीराव सिंघम के साथ। बहुत ही पॉजिटिव रिस्पॉन्स के बाद फैंस लेडी सिंघम शक्ति शेट्टी को मेन किरदार के रूप में एक स्टैंडअलोन फिल्म बनाने की मांग कर रहे हैं। इतना ही नहीं, उन्होंने सोशल मीडिया पर रोहित शेट्टी को टैग करके लेडी सिंघम की कहानी को और आगे बढ़ाने की रिक्वेस्ट तक की है। ये देखना कमाल है कि चेन्नई एक्सप्रेस के बाद जहां रोहित शेट्टी और दीपिका पादुकोण ने मीनम्मा को इंट्रोड्यूस किया था और वह एक यादगार किरदार बन गई। ऐसे में अब शक्ति शेट्टी के जरिए फिर से एक्टर और डायरेक्टर की इस जोड़ी ने एक और सक्सेसफुल प्रोडक्ट देकर सबको इंप्रेस कर दिया है। नेटिजन्स के प्यार के साथ-साथ क्रिटिक्स भी दीपिका पादुकोण की तारीफ कर रहे हैं।

नोरा फतेही ने इट्स टू के साथ जोड़ा विभिन्न संस्कृतियों का समागम

बहुभाषी प्रतिभा के लिए मशहूर नोरा फतेही ने अपने लेटेस्ट सिंगल इट्स टू के साथ एक बार फिर से विभिन्न संस्कृतियों को एकत्रित किया है। यह गाना हिंदी लिरिक्स के साथ उनका दूसरा इंटरनेशनल रिलीज़ है। फीफा वर्ल्ड कप एंथम में अपने दमदार प्रदर्शन के बाद, नोरा का यह नया ट्रैक अफ्रीकी और भारतीय धुनों का समावेश करता है, जो पहले से ही वैश्विक दर्शकों को आकर्षित कर रहा है। नोरा फतेही का कहना है, इस गाने में हिंदी लिरिक्स होने ही चाहिए क्योंकि मैं बॉलीवुड से आती हूँ। मैं ग्लोबल स्टेज पर भारत और हिंदी का प्रतिनिधित्व करने के किसी भी अवसर का लाभ उठाती हूँ। यह मेरे लिए उस देश और भाषा को वापस देने का एक सम्मान है, जिसने मुझे इतना कुछ दिया है। मैं हमेशा इसके प्रतिनिधित्व के लिए तत्पर रहूँगी। उनकी संगीत यात्रा केवल इट्स टू तक सीमित नहीं है। नोरा अब अमेरिकी गायक जेसन डेरुलो के साथ एक नए गाने और म्यूजिक वीडियो में भी नजर आएंगी, जो नवंबर में रिलीज़ होने की उम्मीद है। इसके अलावा, नोरा ने हाल ही में पेरिस फैशन वीक के दौरान लुई वुइटन शो में शानदार प्रदर्शन किया। उन्होंने न्यूयॉर्क में ऑल दैट ग्लिटर्स दिवाली बॉल में भी दर्शकों को चौंका दिया, जहाँ उन्होंने इस साल बॉल की को-होस्टिंग की और अपने परफॉर्मेंस से सबको मंत्रमुग्ध कर दिया। आने वाले समय में, नोरा अपनी को-स्टार वरुण तेज के साथ फिल्म मटका में नजर आने वाली हैं, जो 14 नवंबर को सिनेमाघरों में रिलीज़ होगी। नोरा फतेही का यह नया सिंगल और उनके अन्य प्रोजेक्ट्स यह दर्शाते हैं कि वह न केवल बॉलीवुड में, बल्कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी अपने जलवे बिखेरने में सक्षम हैं। उनकी कड़ी मेहनत और समर्पण उन्हें एक वैश्विक आइकन बनाने की दिशा में ले जा रहे हैं, और यह निश्चित रूप से उनकी बढ़ती लोकप्रियता में योगदान कर रहा है।

अमिषा को 'चलते चलते' रिजेक्ट करने का है मलाल

बालीवुड स्टार ऋतिक रोशन और सनी देओल संग ब्लॉकबस्टर दे चुकी एक्ट्रेस अमीषा पटेल को मलाल है कि उन्होंने 2003 की सुपरहिट फिल्म को रिजेक्ट किया था। इस फिल्म में शाहरुख खान लीड रोल में थे। फिल्म का नाम 'चलते चलते' है। अमीषा ने फिल्म को रिजेक्ट किया, तो यह रोल रानी मुखर्जी के पास गया। इस फिल्म को रिजेक्ट करने का उन्हें आज भी दुख है। उन्होंने करियर में आए उतार-चढ़ाव पर भी बात की। अमीषा ने खुलासा किया कि उनके सेक्रेटरी ने उन्हें 'चलते चलते' के ऑफर के बारे में सही से जानकारी नहीं दी थी, जिसके चलते उन्होंने इसे रिजेक्ट कर दिया। अमीषा पटेल ने कहा,"अपने प्रोफेशन में, मैंने कुछ फ़िल्में मिस कर दीं। कुछ फ़िल्में बहुत सफल रहीं और कुछ असफल रहीं। मैंने शाहरुख़ खान की

फिल्म 'चलते चलते' में काम नहीं किया क्योंकि मुझे नहीं पता था कि यह फ़िल्म मुझे ऑफ़र की गई थी। मेरे सेक्रेटरी ने मुझे नहीं बताया कि यह फिल्म ऑफर की गई थी।"अमीषा पटेल ने आगे कहा, "जब फिल्म रिलीज होने वाली थी और शाहरुख खान इसके लिए डबिंग कर रहे थे, तो वे मुझे डबिंग स्टूडियो में ले गए और मुझे कुछ एडिट दिखाए। उन्होंने कहा, 'आओ, मैं तुम्हें फिल्म के एडिट दिखाता हूं जिसे तुमने मना कर दिया था।' मैंने जवाब दिया, 'शाहरुख, मैंने क्या मना किया है?' और उन्होंने कहा, 'इस फिल्म को।'" अमीषा पटेल ने बाद के सालों में एक भी हिट फिल्में नहीं दीं। लेकिन अमीषा ने 2023 में 'गदर 2' के साथ शानदार कमबैक किया।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक आरती कुमारी द्वारा अभिषेक प्रिंटिंग प्रेस, नया टोला, काजीपुर, पटना- 800004, से मुद्रित एवं मुसल्लहपुर हाट, रामपुर लेन, पटना 800006 से प्रकाशित। संपादक- अविनाश। संपादकीय कार्यालय : 8 वां तल्ला, रश्मि कॉम्प्लेक्स, पीएनटी कॉलोनी, किदवईपुरी, पटना- 800001, RNI: BIHHIN\2019/77032, फोन: 0612-2524441, 2951617, 9472072441, 9472244606, समाचार चयन के लिए पी.आर.बी. एक्ट के तहत जिम्मेवार।